पाठ्यक्रम-विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Teaching Programme

1. **विभाग/केंद्र का नाम:** स्त्री अध्ययन विभाग
   (Name of the Department/Centre): Department of Women's Studies

2. **पाठ्यक्रम का नाम:** चार वर्षीय स्नातक पाठयक्रम स्त्री अध्ययन
   (Name of the Programme): B.A.Women's Studies

3. **पाठ्यक्रम कोड:** BAWS
   (Code of the Programme): BAWS

4. **अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs):**
   (Programme Learning Outcomes)
   (विभाग प्रत्येक पाठ्यक्रम के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख अधिकतम 200 शब्दों में करेगा)

ज्ञान संबंधी	कौशल/दक्षता संबंधी	रोजगार संबंधी
1. सामाजिक संबंधों से परिचित कराना (बोध) 2. स्त्रीवादी चिंतन का विकास करना (ज्ञान) 3. रचनात्मक एवं आलेचनात्मक चिंतन का विकास (चिंतन)	4. सामाजिक योजनाओं की निर्मिति एवं क्रियान्वयन सम्बन्धी विकास करना (दक्षता) 5. समूह एवं समुदायों के साथमूल्यांकन तथा सामाजिक अकादमिक हस्तक्षेप सम्बन्धी कौशल निर्मित करना (कौशल)	6. विभिन्न राष्ट्रीय एवं अन्रराष्ट्रीय संगठनों में ‘जेंडर विशेषज्ञ’ के रूप में नियुक्ति 7. राष्ट्रीय महिला आयोग, महिला संगठनों तथा मीडिया एवं कानूनी संस्थानों में परामर्शदाता एवं सलाहाकार के रूप में नियुक्ति 8. उच्च शिक्षा संस्थानों में संकाय सदस्यों, शोध सहायक तथा क्षेत्र कार्य विशेषज्ञ के रूप में नियुक्ति

5. पाठ्यक्रम संरचना (Programme Structure):

स्नातक पाठ्यक्रम हेतु प्रस्तावित पाठ्यचर्या संरचना

सेमेस्टर	मूल पाठ्यचर्या(Core Course)			ऐच्छिक पाठ्यचर्या (ElectiveCourse)			योग
(प्रथम वर्ष) पहला सेमेस्टर	BAWS01	स्त्री अध्ययन की संकल्पना Concept of Women Studies	4	BAWSE1	स्त्री एवं मानवाधिकार Women and Human Right	4	20 क्रेडिट
	BAWS02	स्त्री अध्ययन: इतिहास एवं विकास History and development of Women Studies	4				
	BAWS03	स्त्री आंदोलन Women Movement	4				
	क्रेडिट – 12						
(प्रथम वर्ष) द्वितीय सेमेस्टर	BAWS 04	इतिहास एवं स्त्रियांWomen and History	4	BAWSE 2	जेंडर एवं हिंसा Gender and Violence	2	20 क्रेडिट
	BAWS05	जेंडर एवं शिक्षा Gender and Education	4				
	BAWS06	स्त्री आंदोलन के विभिन्न चरण Different Stages of Women Movement	4				
	क्रेडिट – 12						
(द्वितीय वर्ष) पहला सेमेस्टर	BAWS07	स्त्री एवं स्वास्थ्य Women and Health	4	BAWSE 3	भाषा एवं जेंडरLanguage and Gender	2	20 क्रेडिट
	BAWS08	स्त्री एवं वैधानिक संरचना Women and Legal Structure	4				
	BAWS09	जनसंचार माध्यमों में स्त्री प्रस्तुति Portrayal of Women in communication medium	4				
	क्रेडिट – 12						
(द्वितीय वर्ष) द्वितीय सेमेस्टर	BAWS10	जेंडर, यौनिकता एवं आधुनिकता Gender, Sexuality and Modernity	4	BAWSE 4	प्रमुख नारीवादी चिंतक Key Feminist thinkers	4	20 क्रेडिट
	BAWS11	जाति, वर्ग एवं जेंडरCaste class and gender	4				
	BAWS12	स्त्री एवं सामाजिक समावेशन Women and Social Inclusion	4				
	क्रेडिट – 12						
(तृतीय वर्ष) पहला सेमेस्टर	BAWS13	जेंडर एवं विकास का राजनीतिक अर्थशास्त्र political economy of Gender and development	**4**	BAWSE5	सामाजिक चिंतन में स्त्रियाँ(Women in Social Thought)	**4**	20 क्रेडिट
	BAWS14	जेंडर संवेदनशील योजना और नीति निर्माण Gender Sensative Planning and Policy Making	**4**				
	BAWS15	स्त्री और अर्थव्यवस्था Women and Economy	**4**				
क्रेडिट – **12**							
(तृतीय वर्ष) द्वितीय सेमेस्टर	BAWS16	राष्ट्रवाद, उपनिवेश्वाद एवं जेंडर Nationalism, Colonialism and Gender	**4**				20 क्रेडिट
	BAWS17	साम्राज्यवाद एवं स्त्री Imperialism and Women	**4**				
	BAWS18	धर्म एवं जेंडर Religion and Gender	**4**				
	क्रेडिट -12						

(चतुर्थ वर्ष) विकल्प-1 शोध सहित स्नातक पहला सेमेस्टर	BAWS19	कृषि, ग्रामीण आजीविका एवं प्राकृतिक संसाधनों में लैंगिक मुद्देGender issues in agriculture, rural livelihood and natural resource management	4				20 क्रेडिट
	BAWS 20	भूमण्डलीकरण, बाजारवाद एवं स्त्री Globalisation, Marketization and Women	4				
	BAWS 21	भारत में महिलाओं के संवैधानिक एवं विधिक अधिकारConstitutional and Legal Rights of Women in India	4				
	BAWS22	शोध प्रविधि Research methodology	4				
	क्रेडिट – 16						
(चतुर्थ वर्ष) **अष्टम सेमेस्टर**	BAWS23	सामाजिक चिंतन में स्त्रियाँ(Women in Social Thought)	4				20 क्रेडिट
	BAWS24	शोध एवं प्रकाशन में नैतिकता Ethics in Research and Publication (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशा निर्देश के अनुसार)	2				
	BAWS25	परियोजना प्रस्ताव निर्माण एवं साहित्य पुनरावलोकन Proposal Making and Review of Literrature	2				
	BAWS26	लघु शोध प्रबंध Dissertation	6				
	BAWS27	मौखिकी Viva	2				
	क्रेडिट – 16						
(चतुर्थ वर्ष) विकल्प-2 विशेषज्ञता सहित स्नातक पहला सेमेस्टर	BAWS 28	स्त्री एवं साहित्य Women and Literrature	4				
	BAWS 29	जेंडर, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन Gender , Environment and climate change	4				20 क्रेडिट
	BAWS 30	क्षेत्र कार्य अभ्यास Field Work Practice	4				
	BAWS 31	इंटर्नशिप Internship • राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग • राष्ट्रीय महिला आयोग • राष्ट्रीय जनजाति आयोग • अन्य गैर सरकारी संस्थान	4				
	क्रेडिट – 16						
(चतुर्थ वर्ष) **अष्टम सेमेस्टर**	BAWS 32	नारीवादी सिद्धांतFeminist Theory	4				20 क्रेडिट
	BAWS33	नारीवादी शोध प्रविधि FeministResearch Methodology	4				
	BAWS34	लघु शोध प्रबंध Dissertation	6				
	BAWS35	मौखिकी Viva	2				
	क्रेडिट – 16						

टिप्पणी-

1. विद्यार्थी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुमोदित MOOCs अथवा किसी अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म अथवा विश्वविद्यालय के किसी अन्य विभाग/केंद्र/संस्थान से निर्धारित क्रेडिट की ऐच्छिक पाठ्यचर्याओं का चयन कर सकते हैं।

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1. **पाठ्यचर्याका नाम:** **स्त्री अध्ययन की संकल्पना**
   (Name of the Course): Concept of Women Studies
2. **पाठ्यचर्याकाकोड:** BAWS01
   (Code of the Course) BAWS01
3. **क्रेडिट(Credit):** 4
4. **वर्ष** **प्रथम**
5. **सेमेस्टर:** प्रथम
   (Semester) First

घटक	घंटे
कक्षा/ व्याख्यान	**40**
ट्यूटोरियल	**12**
संवाद कक्षा	**08**
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

6. **पाठ्यचर्या विवरण**

स्त्री अध्ययन विषय एक अंतरनुशासनिक विषय है जिसके इतिहास एवं विकास की यात्रा अत्यंत रोचक रही है। भारतीय महिला आंदोलन ने इस आंदोलन की शैक्षणिक रणनीति के रूप में देखा और विश्व विद्यालय अनुदान आयोग के समझ 1974 में प्रकाशित **'समता की और रिपार्ट'** के पश्चात स्त्री विषयक शोधों को बढ़ावा देने एंव समाज में स्त्रियों तथा पुरूषों को जेंडर संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से इसे अकादमिक विषय के रूप में पढ़ाए जाने की सिफारिश की गयी जिसके फलस्वरूप 1982/86 में इसे एक विषय के रूप में पढ़ाए जाने को मान्यता मिली और विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में 'स्त्री अध्ययन शोध केन्द्र'की स्थापना हुई। इसको पढ़ने के बाद विद्यार्थी :-

1) जेंडर की सामाजिक-सांस्कृतिक निर्मिति से परिचित होंगे।
2) जैविक निर्धारणवाद के सिद्धांत को समझ सकेगें।
3) पितृसत्ता की अवधारणा से परिचित होंगे।
4) स्त्री अध्ययन को सैद्धांतिक एवं व्यवहारिक संकल्पना को समझेंगे।
5) स्त्री सशक्तिकरण के महत्व से परिचित होंगे।

7. **अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)**

CLO 1	बोध	• जेंडर की सामाजिक-सांस्कृतिक निर्मिति से परिचय • पितृसत्ता की अवधारणा की समझ
CLO 2	ज्ञान	• स्त्री अध्ययन के सैद्धांतिक एवं व्यवहारिक संकल्पना की समझ
CLO 3	चिंतन	• जैविक निर्धारणवाद के सिद्धांत पर चिंतन • स्त्री सशक्तिकरण के महत्व पर चिंतन

8. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण		
मॉड्यूल-1	**मूलभूत अवधारणाये**	**15**				**25**
	जेंडर : अर्थ एवं संदर्भ	**02**	**01**			
	जेंडर: सामाजिक, सांस्कृतिक निर्मिति	**02**	**01**			
	जैविक निर्धारणवाद का सिद्धान्त	**02**	**01**			
	स्त्रीत्व एवं पुरूषत्व की अवधारणा	**02**	**01**			
	श्रम का लैंगिक विभाजन	**02**	**01**			
मॉड्यूल- 2	**पितृसत्ता : विचारधारा एवं व्यवस्था**				**17**	**28.3**
	पितृसत्ता की अवधारणा	**02**	**01**			
	पितृसत्ता उत्पत्ति एवं विकास	**03**		**01**		
	पितृसत्ता के विभिन्न रूप	**02**	**01**			
	भारतीय संदर्भ में पितृसत्ता के विभिन्न रूप	**02**				
	मातृवंशीयता एवं पितृवंशीयताकी अवधारणा	**02**	**01**			
	भारतीय संदर्भ में मातृवंशीयता एवं पितृवंशीयता	**02**				
मॉड्यूल-3	**स्त्री अध्ययन : अर्थ सन्दर्भ**				**16**	**26.6**
	स्त्री अध्ययन की सैद्धान्तिक पृष्ठभूमि	**03**	**01**			
	व्यावहारिक अनुभव	**02**		**03**		
	जेंडर आधारित भेदभाव एवं हिंसा	**02**	**01**	**02**		
	स्त्री अध्ययन की प्रासंगिकता	**02**				
मॉड्यूल-4	**स्त्री अध्ययन: संभावनाऐं एवं चुनौतिया**				**12**	**20**
	स्त्री सशक्तीकरण का महत्व	**02**	**01**	01		
	उच्च शिक्षा में सकारात्मक हस्तक्षेप	**02**				
	समग्र बनाम खंडित ज्ञान का विमर्श	**02**	**01**			
	संस्थानीकरण की समस्यायें	**02**		**01**		
योग		**40**	**12**	**08**	**60**	**100**

टिप्पणी:

1. पाठयचर्या की आवश्यकतानुसार व्याख्यान, ट्यूटोरियल एवं संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला के अनुपात में परिवर्तन संभव।
2. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उपशीर्षक रखे जा सकते हैं।
3. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं

9. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित
विधियाँ	व्याख्यान, संवाद, प्रश्नोत्तरी, फिल्म, समूहचर्चा,सेमिनार
तकनीक	आई सी टी (ICT)
उपादान	MOODLE,LMS, YouTube,Film Screenimg

10. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित निम्नलिखित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य **1**	लक्ष्य **2**	लक्ष्य **3**	लक्ष्य **4**	लक्ष्य **5**	लक्ष्य **6**	लक्ष्य **7**	लक्ष्य **8**
पाठ्यचर्या द्वारानियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓					

11. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

12.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/ पाठ्य ग्रंथ	1. John, M. E. (2008). Women Studies in India. New Delhi: Penguin India. 2. Madhu Vij, M. B. (2014). WOMEN'S STUDIES IN INDIA. New Delhi: Rawat Publisher. 3. राधा कुमार. (1997). स्त्री संघर्ष का इतिहास. नई दिल्ली: वाणी प्रकाशन. 4. रेखा, क. (2006). स्त्री चिंतन की चुनौतियाँ.नई दिल्ली: राजकमल प्रकाशन
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. O'Brien, J. (2008). Encyclopedia of Gender and Society. USA: Seattle University, USA. 2. Tierney, H. (1999). Women's Studies Encyclopedia. USA: Greenwood Publishing Group. 3. आर्य,साधना, मेनन,निवेदिता, लोकनीता,जिनी.(2011). नारीवादी राजनीति: संघर्ष एवं मुद्देनयी दिल्ली: हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय. 4. पिल्चर,जेन तथावेलेहम, इमेल्दा.(2004).की कानसेप्ट्स इन जेंडर स्टडीज, नयी दिल्ली: सेज प्रकाशन. 5. गांबले,सराह.(1998).द रुटलेज कमपेनियन ओफ फेमिनिस्म एण्ड पोस्ट फेमिनिज्म. 6. त्रिपाठी, क. (2010). औरत इतिहास रचा है तुमने. नई दिल्ली:कल्याणी शिक्षा परिषद 7. प्रमार, शुभ्रा.(2015).नारीवादी सिद्दांत एवं व्यवहारहैदराबाद: ओरिएंट ब्लैकस्वान.
3	ई-संसाधन	1. Women's Studies.Author.SandraCoyner.NWSAJournal.Vol. 3, No. 3 (Autumn, 1991), pp. 349-354 (6 pages)Published By: The Johns Hopkins University Press. https://www.jstor.org/stable/4316148 2. स्त्री अध्ययन का वर्तमान भारतीय परिदृश्य, सुप्रिया पाठक, हिंदी समय डॉट कॉम 3. Women's Studies and the Women's Movement in India: An Overview.Author-Vina Mazumdar.Women's Studies Quarterly.Vol. 22, No. 3/4, Women's Studies: A World View (Fall - Winter, 1994), pp. 42-54 (13 pages).Published By: The Feminist Press at the City University of New York . https://www.jstor.org/stable/40004254 4. Women's Studies as Women's HistoryAuthor- Marilyn J. Boxer.Women's Studies Quarterly.Vol. 30, No. 3/4, Women's Studies Then and Now (Fall - Winter, 2002), pp. 42-51 (10 pages).Published By: The Feminist Press at the City University of New York https://www.jstor.org/stable/40003241

		5. Women's Studies and Women's Movement.Author:SunitaPandhe.Economic and Political Weekly. Vol. 23, No. 40 (Oct. 1, 1988), pp. 2049-2050 (2pages)Published By: Economic and Political Weeklyhttps://www.jstor.org/stable/4379115 6. Learning from women's studies.Author-micheletracyberger.Vol. 12, No. 2, world on edge! (SPRING 2013), pp. 76-79 (4pages)Published By: Sage Publications, Inc.https://www.jstor.org/stable/41960461
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

घटक	घंटे
कक्षा/ व्याख्यान	**40**
ट्यूटोरियल	12
संवाद कक्षा	08
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

1. **पाठ्यचर्या का नाम:** स्त्री अध्ययन: इतिहास एवं विकास
(Name of the Course): women study : History and Development

2. **पाठ्यचर्या का कोड:** BAWS02
(Code of the Course) BAWS02

3. **क्रेडिट(Credit): 04**
4. **प्रथम वर्ष**
5. **सेमेस्टर:**प्रथम**(Semester)**First

6. **पाठ्यचर्या विवरण**

स्त्री अध्ययन एक विषय के रूप में स्त्री एवं पुरुष के मध्य व्याप्त सत्ता-संबंधों को सतत समझने का एक प्रयास है. स्त्री एवं पुरुष के मध्य व्याप्त सत्ता-संबंधों के विभिन्न आयाम एवं रूप हैं. सत्ता-संबंधों का गहरा रिश्ता अर्थव्यवस्था, जाति (नस्ल), यौनिक सम्बन्ध, परिवार, समाज, राज्य व कानून के ढाँचे के साथ है. मीडिया, शिक्षा व्यवस्था व परिवार में होने वाला समाजीकरण इन सत्ता-संबंधों का निरंतर पुनरुत्पादन करती रहती है. यह सत्ता-सम्बन्ध सिर्फ मौजूदा समय की परिघटना नहीं है, बल्कि इसका एक लम्बा इतिहास है. इसलिए स्त्री अध्ययन के पाठ्यक्रम में समाज विज्ञान के अंतर्गत आने वाले सभी विषयों को नारीवादी निगाह से समझने की कोशिश की जाती है और इन्हीं कारणों से यह एक अंतरानुशासनिक विषय है. यह ज्ञान का ऐसा अनुशासन है जिसका आन्दोलन (महिला) से गहरा एवं द्वंद्वात्मक रिश्ता है. प्रस्तुत पाठ्यचर्या में भारत में एक विषय के रूप में स्त्री अध्ययन का

विकास, उसकी अंतरानुशासनिकता, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की भूमिका, स्त्री अध्ययन से सम्बद्ध विभिन्न संस्थाओं का समावेश किया गया है.इसको पढ़ने के बाद विद्यार्थी :-

1. विद्यार्थी प्रस्तुत पाठ्यचर्या में स्त्री अध्ययन के इतिहास एवं विकास को समझ सकेंगे।
2. विद्यार्थी स्त्री आन्दोलन एवं स्त्री अध्ययन के मध्य अंतरसंबंधों को समझ सकेंगे।
3. प्रस्तुत पाठ्यचर्या में विद्यार्थी एकीकरण एवं स्वायत्ता की बहस के विमर्श की समझेंगे।
4. विद्यार्थी स्त्री अध्ययन एवं अंतरानुशासनिकता को समझ सकेंगे।

7. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)

CLO 1	बोध	● स्त्री अध्ययन के इतिहास एवं विकास को समझ सकेंगे। ● स्त्री आन्दोलन एवं स्त्री अध्ययन के मध्य अंतरसंबंधों को समझ सकेंगे।
CLO 2	ज्ञान	• एकीकरण एवं स्वायत्ता की बहस के विमर्श की समझेंगे।
CLO 3	चिंतन	• स्त्री अध्ययन एवं अंतरानुशासनिकता को समझ सकेंगे।

8.पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण		
मॉड्यूल-1	**स्त्री अध्ययन का इतिहास एवं विकास**				**15**	**25**
	समता की ओर रिपोर्ट	**03**	**01**	**01**		
	स्त्री केन्द्रित शोध / शोध संस्थानों का इतिहास	**03**	**01**			
	अकादमिक विषय के रूप में मान्यता	**02**	**01**			
	अध्ययन अध्यापन की प्रविधि	**02**		**01**		
मॉड्यूल- 2	**स्त्री आंदोलन एवं स्त्री अध्ययन का अन्तरसंबंध**				**15**	**25**
	आंदोलन की शैक्षिक रणनीति	**02**	**01**			
	स्त्रीवादी सिद्धांतों की अवधारणा	**03**		**01**		
	अकादमिक पहलकदमी : विश्वविद्यालय अनुदान आयोग	**02**	**01**	**01**		

	प्रमुख अकादमिक नेतृत्व	03	01			
मॉड्यूल-3	**एकीकरण एवं स्वायत्ता की बहस**				15	25
	उच्च शिक्षा में स्त्री अध्ययन की भूमिका	03	01			
	विभिन्न संस्थागत ईकाइयां : IAWS, AIWC, BSS	02		01		
	महिलाओं के लिए राष्ट्रीय समितियां एवं आयोग	03	01	01		
	विद्यार्थियों के अनुभव	02	01			
मॉड्यूल-4	**स्त्री अध्ययन एवं अन्तरनुशासनिकता**				15	25
	अन्तरानुशासनिकता की अवधारणा	03	01	01		
	स्त्रीवादी विश्लेषण की प्रविधि	03	01			
	विभिन्न अनुशासनों की स्त्रीवादी समीक्षा: इतिहास, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, राजनीतिशास्त्र	04	01	01		
योग		**40**	**12**	**08**	**60**	**100**

टिप्पणी:

1. पाठयचर्या की आवश्यकतानुसार व्याख्यान, ट्यूटोरियल एवं संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला के अनुपात में परिवर्तन संभव।
2. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उपशीर्षक रखे जा सकते हैं।
3. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

9. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित
विधियाँ	व्याख्यान, संवाद, प्रश्नोत्तरी, फिल्म, समूहचर्चा,सेमिनार
तकनीक	आई सी टी (ICT)
उपादान	MOODLE,LMS, YouTube,Film Screenimg

10. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य **1**	लक्ष्य **2**	लक्ष्य **3**	लक्ष्य **4**	लक्ष्य **5**	लक्ष्य **6**	लक्ष्य **7**	लक्ष्य **8**

पाठ्यचर्या द्वारानियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	✗	✗	✗	✗	✓

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

11. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

3. *विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
4. #विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

12.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/ पाठ्य ग्रंथ	1. Philomena, Essed and others (eds.) (2005).A Companion to Gender Studies. Blackwell Publishing. 2. John, M. E. (2008). Women Studies in India. New Delhi: Penguin India. 3. Madhu Vij, M. B. (2014). WOMEN'S STUDIES IN INDIA. New Delhi: Rawat Publisher. 4. राधा कुमार. (1997). स्त्री संघर्ष का इतिहास. नई दिल्ली: वाणी प्रकाशन. 5. Evans,Mary and Carolyn H. Williams (eds.) (2013), Gender: The Key Concepts.Oxforshire:Routledge. 6. रेखा, क. (2006). स्त्री चिंतन की चुनौतियाँ.नई दिल्ली: राजकमल प्रकाशन 7. Stevi Jackson and Jackie Jones (eds.) (1998).Contemporary Feminist Theories. Scotland:Edinburgh University Press.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. आर्य,साधना, मेनन,निवेदिता, लोकनीता,जिनी.(2011). नारीवादी राजनीति: संघर्ष एवं मुद्दे.हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय. 2. पिल्चर,जेन तथावेलेहम, इमेल्दा.(2004).की कानसेप्ट्स इन जेंडर स्टडीज, सेज प्रकाशन. 3. गांबले,सराह.(1998).द रुटलेज कमपेनियन ओफ फेमिनिस्म एण्ड पोस्ट फेमिनिज्म.

		4. त्रिपाठी, क. (2010). औरत इतिहास रचा है तुमने. नई दिल्ली:कल्याणी शिक्षा परिषद . 5. प्रमार, शुभ्रा.(2015).नारीवादी सिद्धांत एवं व्यवहारहैदराबाद: ओरिएंट ब्लैकस्वान.
3	ई-संसाधन	1. Mazumdar, Vina (1983). *The Role of Research in Women's Development*. A Case Study of the ICSSR Programme of Women's Studies. 2. The Indian Association for Women's Studies (IAWS) https://www.iaws.co.in/ 3. Sharma,A.(2017).Why Women's Studies?.Economic & Political Weekly.Vol. 52, Issue No. 21, 27 May, 2017.https://www.epw.in/journal/2017/21/web-exclusives/why-womens-studies.html 4. Mazumdar,Vina.(1994).Women's Studies and the Women's Movement in India: An Overview.Women's Studies Quarterly , Fall - Winter, 1994, Vol. 22, No. 3/4, Women's Studies: A World View (Fall - Winter, 1994), pp. 42-54 Published by: The Feminist Press at the City University of New York https://www.jstor.org/stable/40004254
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1. **पाठ्यचर्या का नाम:** स्त्री आंदोलन
   (Name of theCourse): Women Movement
2. **पाठ्यचर्या का कोड:** BAWS03
   (Code of the Course) BAWS03
3. **क्रेडिट(Credit): 04**
4. **प्रथम वर्ष**
5. **सेमेस्टर:**प्रथम**(Semester)**First

घटक	घंटे
कक्षा/व्याख्यान	**40**
ट्यूटोरियल	12
संवाद कक्षा	08
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

6. **पाठ्यचर्या विवरण**

वर्तमान दौर में महिलाओं को हासिल अधिकारों के पीछे महिला आंदोलन की महती भूमिका रही है। इसलिए आज के दौर में विभिन्न नागरिक, लोकतान्त्रिक अधिकारों से लैस सशक्त महिला को समझने के लिए महिला आदोंलन को समझना बेहद आवश्यक है। स्त्री अधिकारों को लेकर होने वाले संघर्ष की शुरुआत आधुनिक काल के यूरोप में दिखाई पड़ती है। फ्रांस, ब्रिटेन एवं अमेरिका में खास तौर पर मताधिकार एवं अन्य स्त्री अधिकारों को लेकर जद्दोजहद 18वीं सदी के उत्तराद्ध से ही शुरू हो जाती है और यह संघर्ष 19वीं सदी एवं 20वीं सदी तक चलता रहता है। महिला अधिकारों को

लेकर जो संघर्ष यूरोप में चल रहा था, उसकी प्रतिध्वनि 19वीं सदी के भारतीय नवजागरण में भी दिखाई पड़ रही थी। इसलिए इस पाठ्यचर्या में 19वीं सदी के यूरोप के साथ-साथ भारतीय नवजागरण और स्त्री विषयक प्रश्न को शामिल किया गया है। भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में महिलाओं की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका थी। इसी वजह से इसका समावेश भी इस पाठ्यचर्या में किया गया है। इसको पढ़ने के बाद विद्यार्थी :-

1. प्रस्तुत पाठ्यचर्या में विद्यार्थी स्त्री आंदोलन के इतिहास को समझेंगे।
2. विद्यार्थी स्त्री आंदोलन के वैश्विक परिप्रेक्ष्य को समझेंगे।
3. प्रस्तुत पाठ्यचर्या में विद्यार्थी भारतीय नवजागरण एवं स्त्री प्रश्नों को समझ सकेंगे।
4. प्रस्तुत पाठ्यचर्या में विद्यार्थी राष्ट्रीय आंदोलन में स्त्रियों की भूमिका को समझेंगे।

7. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)

CLO 1	बोध	• विद्यार्थी स्त्री आंदोलन के इतिहास को समझेंगे। • स्त्री आंदोलन के वैश्विक परिप्रेक्ष्य को समझेंगे।
CLO 2	ज्ञान	• विद्यार्थी भारतीय नवजागरण एवं स्त्री प्रश्नों को समझ सकेंगे।
CLO 3	चिंतन	• विद्यार्थी राष्ट्रीय आंदोलन में स्त्रियों की भूमिका को समझेंगे।

8. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण		
मॉड्यूल-1	**स्त्री आन्दोलन का वैश्विक परिप्रेक्ष्य**				**15**	**25**

	फ्रासं की क्रान्ति और महिलाओं का संघर्ष	03	01	01		
	ब्रिटेन में महिलाओं का मताधिकार आंदोलन	02	01			
	संयुक्त राज्य अमेरिका में महिलाओं का मताधिकार के लिए संघर्ष	02	01			
	ज्ञान का स्त्रीवादी पाठ (मेरी वोल्स्टनक्राफ्ट, जान स्टुअर्ट मिल, फेडरिक ऐंगल्स)	03		01		
मॉड्यूल- 2	**भारतीय नवजागरण एवं स्त्री प्रश्न**				**15**	**25**
	औपनिवेशिक भारत और नवजागरण	03	01			
	समाज सुधार आंदोलन और स्त्री (राजा राममोहन राय, ईश्वर चन्द विद्यासागर)	03	01	01		
	सहमति की आयु	02	01			
	शिक्षा के लिये महिलाओं का संघर्ष (सावित्री बाई फुले, फातिमा शेख)	02		01		
मॉड्यूल-3	**राष्ट्रीय आंदोलन और स्त्री**				**15**	**25**
	उपनिवेशवाद, राष्ट्रवाद एवं जेंडर	03	01			
	गांधी सत्याग्रह की सहयात्री महिलायें	03	01	01		
	राष्ट्र और उसकी महिलायें	02	01	01		
	विभिन्न महिला संगठनों का उदय	02				
मॉड्यूल-4	**स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान स्त्रियों की भूमिका**				**15**	**25**
	असहयोग आंदोलन में स्त्रियाँ	02	01	01		
	नागरिक अवज्ञा आंदोलन में स्त्रियाँ	02	01			
	भारत छोड़ो आंदोलन में स्त्रियाँ	02	01			
	क्रान्तिकारी आंदोलन में महिलाओं की भूमिका	02		01		
	कामगार आंदोलन में महिलाओं की भूमिका	02				
योग		40	12	**08**	**60**	**100**

टिप्पणी:

1. पाठयचर्या की आवश्यकतानुसार व्याख्यान, ट्यूटोरियल एवं संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला के अनुपात में परिवर्तन संभव।
2. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उपशीर्षक रखे जा सकते हैं।
3. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं

9. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादानः

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित
विधियाँ	व्याख्यान, संवाद, प्रश्नोत्तरी, फिल्म, समूहचर्चा,सेमिनार
तकनीक	आई सी टी (ICT)
उपादान	MOODLE,LMS, YouTube,Film Screenimg

10. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य **1**	लक्ष्य **2**	लक्ष्य **3**	लक्ष्य **4**	लक्ष्य **5**	लक्ष्य **6**	लक्ष्य **7**	लक्ष्य **8**
पाठ्यचर्या द्वारानियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓

11. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

12.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/ पाठ्य ग्रंथ	1. John, M. E. (2008). Women Studies in India. New Delhi: Penguin India. 2. Madhu Vij, M. B. (2014). WOMEN'S STUDIES IN INDIA. New Delhi: Rawat Publisher. 3. राधा कुमार. (1997). स्त्री संघर्ष का इतिहास. नई दिल्ली: वाणी प्रकाशन. 4. रेखा, क. (2006). स्त्री चिंतन की चुनौतियाँ.नई दिल्ली: राजकमल प्रकाशन

2	संदर्भ-ग्रंथ	1. Gandhi, Nandita& Shah, Nandita. (1992). "The Issues at Stake:Theory and Practice in the Contemporary Women‟s Movement in India". New Delhi: Kali. 2. Khullar Mala, (ed.). (2005). "Writings in Women‟s Studies: A Reader". New Delhi: Zubaan Publications. 3. Kuumba, M. Bahati. (2003). "Gender and Social Movements". New Delhi :Rawat Publications,. 4. Mazumdar, Vina. (1989). "Peasant Women Organise for Empowerment: The Bankura Experiment". (Occasional Papers). New Delhi :CWDS. 5. Mishra, Anupam and Tripathi, Satyendra. (1978). "Chipko Movement: Uttarakhand Women‟s Bid to Save Forest Wealth". New Delhi: Radhakrishna for People‟s Action, 6. Radha Kumar. (1993). "The History of Doing". New Delhi: Kali for Women. 7. Rajawat, Mamta. (2005)."Dalit Women: Issues and Perspectives". New Delhi:Anmol Pub. 8. Rao, MSA. (1979). "Social Movements in India". Vol I. New Delhi: Manohar.
3	ई-संसाधन	1. Sharma,A.(2017).Why Women's Studies?.Economic & Political Weekly.Vol. 52, Issue No. 21, 27 May, 2017.https://www.epw.in/journal/2017/21/web-exclusives/why-womens-studies.html 2. Mazumdar,Vina.(1994).Women's Studies and the Women's Movement in India: An Overview.Women's Studies Quarterly , Fall - Winter, 1994, Vol. 22, No. 3/4, Women's Studies: A World View (Fall - Winter, 1994), pp. 42-54 Published by: The Feminist Press at the City University of New Yorkhttps://www.jstor.org/stable/40004254 3. Chakravarti, U,Conceptualising Brahmanical Patriarchy inEartlyIndia.Gender,Caste,Classand State,EPWVol.28,No.14(Apr.3,1993),pp.579-585, URL(http://www.jstor.org/stable/4399556) 4. Dalit Women Talk Differently: A Critique of 'Difference' and Towards a Dalit Feminist Standpoint Position Author(s): Sharmila Rege Source: Economic and Political Weekly , Oct. 31 - Nov. 6, 1998, Vol. 33, No. 44 (Oct. 31 - Nov. 6, 1998), pp. WS39-WS46 Published by: Economic and Political Weekly Stable URL: https://www.jstor.org/stable/4407323 5. MAJOR TRENDS OF FEMINISM IN INDIA Author(s): Sarbani Guha Ghosal Source: The Indian Journal of Political Science , Oct.-Dec., 2005, Vol. 66, No. 4 (Oct.-Dec., 2005), pp. 793-812 Published by: Indian Political Science Association Stable URL: https://www.jstor.org/stable/41856169 6. The Contemporary Women's Movement and Women's Education in India Author(s): Ila Patel Source: International Review of Education / Internationale ZeitschriftfürErziehungswissenschaft / Revue Internationale de

		l'Education ,1998, Vol. 44, No. 2/3, Social Movements and Education (1998), pp. 155-175 Published by: Springer Stable URL: https://www.jstor.org/stable/3445176
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

घटक	घंटे
कक्षा/व्याख्यान	**40**
ट्यूटोरियल	12
संवाद कक्षा	08
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

1. **पाठ्यचर्या का नाम:** स्त्री एवं मानवाधिकार
   (Name of the Course): Women and Human Rights (Elective Paper)

2. **पाठ्यचर्या का कोड:** BAWSE1
   (Code of the Course) BAWSE1

3. **क्रेडिट(Credit): 04**

4. **प्रथम वर्ष**

5. **सेमेस्टर:**प्रथम **(Semester: First)**

6. **पाठ्यचर्या विवरण**

वर्ष 1789 में फ्रांस में महान क्रान्ति हुई थी। इस घटना को 'महान' इसलिए कहा जाता है क्योंकि वर्ष 1789 में फ्रांस में एक नया संविधान ' मनुष्य तथा नागरिक अधिकारों का घोषणापत्र' जारी हुआ। इस महत्वपूर्ण दस्तावेज़ में पहली बार 'सभी मनुष्यों को बराबर' माना गया और यहीं से मनुष्य के नागरिक अधिकारों पर बहस की शुरुआत हुई। इस घटना के तीन वर्ष के बाद मेरी वोस्टनक्राफ्ट की मशहूर पुस्तक 'स्त्री अधिकारों का औचित्य साधन' प्रकाशित हुई। इस पुस्तक ने स्त्री के अधिकारों की सैद्धांतिक पृष्ठभूमि को तैयार करने में बड़ी भूमिका अदा की। बीसवीं शताब्दी में घटित प्रथम एवं द्वितीय विश्व युद्ध मेंकरोड़ों लोग मारे गए, लाखों की संख्या में लोग विस्थापित हुए एवं बड़े पैमाने पर लोगों को उनके रोजगार एवं मौलिक अधिकारों से वंचित होना पड़ा। नारीवादी अध्ययनकर्ताओं ने इस बात को सामने रखा है कि इन दोनों विश्व युद्धों से पैदा हुई विभीषिका का सबसे ज्यादा नकारत्मक प्रभाव महिलाओं पर पड़ा। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद पैदा हुए संकट ने दुनिया भर के देशों को मानवाधिकारों की संकल्पना पर नए सिरे से चिंतन करने के लिए विवश किया और यहीं से मानवाधिकारों के सार्वभौमिक घोषणापत्र की पृष्ठभूमि तैयार होती है। 1970 के दशक में संयुक्तराष्ट्र संघ ने स्त्री और मानवाधिकार के मुद्दे पर कई सारे प्रयास किये। इस पाठ्यचर्या में संयुक्त राष्ट्र संघ के इन सभी प्रयासों का समावेश किया गया है। प्रस्तुत पाठ्यचर्या में अधिकारों की

संकल्पना से लेकर, मौजूदा समय में लोकतांत्रिक देशों में मानवधिकारों के समक्ष चुनौतियों जैसे ज्वलंत विषयों को शामिल किया गया है।इसको पढ़ने के बाद विद्यार्थी :-

1- विद्यार्थी मानवाधिकारों की अवधारणा से परिचित होंगे।
2- विद्यार्थी मानवाधिकारों के ऐतिहासिक विमर्श से परिचित होंगे
3- विद्यार्थी मानवाधिकारों की विकास यात्रा से परिचित होंगे।
4- विद्यार्थी मानवाधिकारों के नारीवादी विमर्श से परिचित होंगे।
5- विद्यार्थी स्त्री मानवाधिकारों पर केन्द्रित विभिन्न सम्मेलनों एवं स्त्री मानवाधिकारों पर कार्य करने वाले विभिन्न संस्थाओं से परिचित होंगे।

1. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)

CLO 1	बोध	• विद्यार्थी मानवाधिकारों की अवधारणा से परिचित होंगे। • विद्यार्थी मानवाधिकारों के ऐतिहासिक विमर्श से परिचित होंगे
CLO 2	ज्ञान	• विद्यार्थी मानवाधिकारों की विकास यात्रा से परिचित होंगे। • विद्यार्थी मानवाधिकारों के नारीवादी विमर्श से परिचित होंगे।
CLO 3	चिंतन	• विद्यार्थी स्त्री मानवाधिकारों पर केन्द्रित विभिन्न सम्मेलनों एवं स्त्री मानवाधिकारों पर कार्य करने वाले विभिन्न संस्थाओं से परिचित होंगे।

2. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण		
मॉड्यूल-1	**मानवाधिकार की अवधारणा**				12	**20**
	अधिकार की संकल्पना	**02**	**01**	**01**		
	प्रकृति प्रदत्त अधिकार	**02**	**01**			
	वैधानिक अधिकार	03	**01**	**01**		
मॉड्यूल- 2	**मानवाधिकार के विमर्श का इतिहास**				**14**	**23.34**

	नागरिक एवं राजनैतिक अधिकार	**03**	**01**	**01**		
	सामाजिक-आर्थिक अधिकार	**03**	01			
	सामूहिक / सामुदाकियक अधिकार	**03**	**01**	**01**		
मॉड्यूल-3	**मानवाधिकार की विकास यात्रा**				18	**30**
	मैग्नाकार्टा	**03**	**01**			
	मनुष्य तथा नागरिक अधिकारों का घोषणापत्र	**03**		01		
	मानवाधिकारों का सार्वभौमिक घोषणापत्र	**04**	**01**			
	संयुक्त राष्ट्र संघ में स्त्री मानवाधिकार	**03**	**01**	**01**		
मॉड्यूल-4	**स्त्री एवं मानवाधिकार**				16	**26.66**
	महिला अधिकारों का अंतरराष्ट्रीय दर्शन	**03**	**01**			
	बीजिंग कॉफ्रेंस	**02**				
	स्त्री मानवाधिकार के लिये कार्यरत संस्थायें	**03**	**01**	**01**		
	स्त्री मानवाधिकार संभावनाऐं एवं चुनौतियां	**03**	**01**	**01**		
योग		40	12	08	**60**	**100**

टिप्पणी:

1. पाठयचर्या की आवश्यकतानुसार व्याख्यान, ट्यूटोरियल एवं संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला के अनुपात में परिवर्तन संभव।
2. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
3. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

9. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित
विधियाँ	व्याख्यान, संवाद, प्रश्नोत्तरी, फिल्म, समूहचर्चा,सेमिनार
तकनीक	आई सी टी (**ICT**)
उपादान	MOODLE,LMS, YouTube,Film Screenimg

10. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य **1**	लक्ष्य **2**	लक्ष्य **3**	लक्ष्य **4**	लक्ष्य **5**	लक्ष्य **6**	लक्ष्य **7**	लक्ष्य **8**
पाठ्यचर्या द्वारानियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓

11. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

12.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्रा। सं।	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/ पाठ्य ग्रंथ	1. राधा कुमार. (1997).स्त्री संघर्ष का इतिहास.नई दिल्ली: वाणी प्रकाशन. 2. Alston, Philip, and James Crawford, eds(2000). *The Future of UN Human Rights Treaty Monitoring*. Cambridge University Press.

		3. Alston, Philip, and Frederic Megret, eds.(2014). *The United Nations and Human Rights: A Critical Appraisal*. Second Edition.UK:Oxford University Press. 4. Annan, Kofi.(2007). *The Circle of Empowerment: Twenty-five Years of the UN Committee on the Elimination of Discrimination Against Women*. Edited by Hanna Schopp-Schilling and Cees Flinterman. The Feminist Press at CUNY,
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. Henry J. Steiner,(2008).Philip Alston, Ryan Goodman (eds). International Human Rights in Context: Law Politics Morals. 2. Marjorie,Agosin (ed.)(2002). Women Gender and Human rights: A global Perspective. 3. Rebecca,J . Cook (ed.) (1994). Human Rights of Women: National and International Perspectives.
3	ई-संसाधन	1. Bunch, C. (1990). Women's Rights as Human Rights: Toward a Re-Vision of Human Rights. *Human Rights Quarterly*, *12*(4), 486–498. https://doi.org/10.2307/762496 2. Okin, S. M. (1998). Feminism, Women's Human Rights, and Cultural Differences. *Hypatia*, *13*(2), 32–52. http://www.jstor.org/stable/3810636 3. Renteln, A. D. (1988). The Concept of Human Rights. *Anthropos*, *83*(4/6), 343–364. http://www.jstor.org/stable/40463371 4. Thomas, D. Q., & Beasley, M. E. (1993). Domestic Violence as a Human Rights Issue. *Human Rights Quarterly*, *15*(1), 36–62. https://doi.org/10.2307/762650 5. Cook, R. J. (1993). Women's International Human Rights Law: The Way Forward. *Human Rights Quarterly*, *15*(2), 230–261. https://doi.org/10.2307/762538
4	अन्य	

Template for theCourse

घटक	घंटे
कक्षा/व्याख्यान	**40**
ट्यूटोरियल/	**12**
संवाद कक्षा	**08**
कुल क्रेडिटघंटे	68

1. **पाठ्यचर्याका नाम:** इतिहास एवं स्त्रियां
   (NameoftheCourse): Women and History

2. **पाठ्यचर्या का कोड:**BAWS04
   (CodeoftheCourse: BAWS04

3. **क्रेडिट (Credit):**04
4. प्रथम वर्ष

5. **सेमेस्टर:**द्वितीय **(Semester)** Second

6. पाठ्यचर्या विवरण: (Description of Course)

प्रस्तुत पाठ्यचर्याविद्यार्थियों को भारतीयइतिहास में स्त्रियों की अदृश्यता, प्रस्तुति एवं भागीदारी का बोध कराने हेतु निर्मित की गयी है।इसपाठ्यचर्या में प्रमुख स्त्रीवादी इतिहासकार, स्त्रियों की दृश्यता और इतिहास लेखन के टूल्स को भी शामिल किया गया है। स्त्रियाँ इतिहास के हर दौर में शामिल रही हैं। उनके अपने स्वर और अपने सवाल रहे हैं। इस पाठ्यचर्या में इतिहास के अलग अलग दौर में उन स्वरों और प्रश्नों को शामिल करने का प्रयास किया गया है, ताकि विद्यार्थी इतिहास में महिलाओं की अदृश्यता और दृश्यता के सभी आयामों को ठीक ढंग से समझ सके। साथ ही नया स्त्रीवादी इतिहास लेखन उसमें क्या नया जोड़ रहा है, उसकी भी जानकारी प्राप्त कर सके।इसको पढ़ने के बाद विद्यार्थी :-

1- इस पाठ्यचर्या के अध्ययन से विद्यार्थी इतिहास में महिलाओं की अदृश्यता के कारण को समझेंगे।
2- विद्यार्थीस्त्रीवादी इतिहासकारों के शोध के माध्यम से स्त्रीवादी इतिहास और उसके लेखन के तरीके को समझेंगे।
3- विद्यार्थी महिलाओं के इतिहास से अदृश्य होने के कारण और उन्हें इतिहास की मुख्यधारा में लाने के प्रयासों को जानेंगे।
4- इतिहास के विविध दौर में स्त्रियों की उपस्थिति, मुद्दे एवं उनकी चेतना का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

7. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)

CLO 1	बोध	• विद्यार्थी इतिहास में महिलाओं की अदृश्यता के कारण को समझेंगे। • स्त्रीवादी इतिहासकारों के शोध के माध्यम से स्त्रीवादी इतिहास और उसके लेखन के तरीके को समझेंगे।
CLO 2	ज्ञान	• महिलाओं के इतिहास से अदृश्य होने के कारण और उन्हें इतिहास की मुख्यधारा में लाने के प्रयासों को जानेंगे।
CLO 3	चिंतन	• इतिहास के विविध दौर में स्त्रियों की उपस्थिति, मुद्दे एवं उनकी चेतना का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

8.पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the **Course)**

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण		
मॉड्यूल-1	**इतिहास में जेंडर प्रश्न**				**16**	**26.66**
	जेंडर और इतिहास: परिचय	**03**	**01**	**01**		
	हरस्टोरी: इतिहास लेखन की आवश्यकता	**03**	**01**			
	महिला इतिहास का पुनर्लेखन	**03**	**01**			
	प्रमुख स्त्रीवादी इतिहासकार	**02**		**01**		
मॉड्यूल- 2	**प्राचीन काल में स्त्रियाँ**				**16**	**26.66**
	पूर्व वैदिक काल में स्त्रियाँ	**03**	**01**			
	वैदिक एवं उत्तर वैदिक काल में स्त्रियों की स्थिति	**03**	**01**	**01**		
	बौद्ध धर्म में स्त्री स्वर	**02**	**01**			
	प्राचीन साहित्य के सशक्त स्त्री पात्र रामायण/महाभारत	**03**		**01**		
मॉड्यूल-3	**मध्यकाल में स्त्रियाँ**				**14**	**23.34**
	मध्य काल में स्त्री जीवन की चुनौतियां	**03**	**01**			
	इस्लाम में स्त्रियाँ	**02**	**01**	**01**		
	महिलाओं का प्रशासन: दिद्दा/रजिया सुल्तान/नूरजहाँ (कोई एक)	**02**	**01**	**01**		
	मध्यकाल में स्त्री प्रतिरोध के स्वर : मीरा/ललद्यद/आंडाल/जनाबाई (कोई एक)	**02**				
मॉड्यूल-4	**आधुनिक इतिहास और स्त्री प्रश्न**				**14**	**23.34**
	19 वीं सदी में समाज सुधार आंदोलन एवं स्त्री मुद्दे	**03**	**01**	01		
	समाज सुधार आन्दोलन के विविध स्त्री स्वर (सीमंतनी उपदेश/ स्त्री पुरुष तुलना/ हिंदू स्त्री	**02**				

	का जीवन/ सुल्ताना का सपना में से कोई एक)					
	महिलाओं की राजनैतिक सक्रियता	02	01			
	आज़ाद भारत में जातीय एवं लैंगिक समानता के प्रयास	02	01	01		
योग		40	12	08	60	100

टिप्पणी:

1. पाठयचर्या की आवश्यकतानुसार व्याख्यान, ट्यूटोरियल एवं संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला के अनुपात में परिवर्तन संभव।
2. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उपशीर्षक रखे जा सकते हैं।
3. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

9. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित
विधियाँ	व्याख्यान, संवाद, प्रश्नोत्तरी, फिल्म, समूहचर्चा,सेमिनार
तकनीक	आई सी टी (ICT)
उपादान	MOODLE,LMS, YouTube,Film Screenimg

10.पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs)कीमैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारानियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	✗	✗	✗	✗	✓

11. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)	सत्रांत परीक्षा (75%)

घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

12.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/ पाठ्य ग्रंथ	1) कार, ई.एच.(2007). इतिहास क्या है?,मैकमिलनप्रा.लि. 2) कुमार, राधा(2014).स्त्री संघर्ष का इतिहास ,नई दिल्ली:वाणी प्रकाशन 3) बुटालिया,उर्वशी.(2002). खामोशी के उस पार ,नई दिल्ली:वाणी प्रकाशन 4) शिंदे,ताराबाई.(2015). स्त्री पुरुष तुलना ,मेरठ:संवाद 5) किदवई,अनीस.(2005).आज़ादी की छाँव में नई दिल्ली: नेशनल बुक ट्रस्ट 6) लाल, रूबी.(2022).मलिका ए हिन्दनूरजहाँ का अचरज भरा शासन काल. मेरठ:संवाद 7) कौल, आशीष .(2021).दिद्दा कश्मीर की योदधा रानी, नई दिल्ली: प्रभात प्रकाशन 8) किशोर,गिरिराज. (2018).बा.नई दिल्ली:राजकमल प्रकाशन 9) संगारी, कुमकुम.(2012).मीराबाई और भक्ति की आध्यात्मिक अर्थनीति.नई दिल्ली:वाणी प्रकाशन
2	संदर्भ-ग्रंथ	1) चक्रवर्ती उमा,(2011) .जाति समाज में पितृसत्ता , नई दिल्ली: ग्रंथशिल्पी प्रकाशन 2) थापर, रोमिला.(2003).समय समय की शकुंतला, यादव राजेंद्र एवं अन्य, पित्रसत्ता के नये रूप . नई दिल्ली; राजकमल प्रकाशन 3) Tharu , Susie and Lalitha, K.(1991)Women Writing in India Vol.1. New Delhi: Oxford University Press 4) Chandrakala,Padia. (2009). Women in Dharmshastra .Jaipu:Rawatr. 5) Chakravarti, U.(1994).Rewriting History: Life and Times of Pandita Ramabai. New Delhi:Kali for Women,

		6) Chakravarti, U. and K. Sangari (Eds.).(2001), From Myths to Market. New delhi: Manohar Publication 7) Jaini, Padmanabh.(1991) Gender and salvation.California :University of California Press. 8) Lerner,Gerda.(1986).Creation of Patrirchy. Oxford: University Press. 9) Moon, M. and Pawar, U. (2008).We also Made History, New Delhi:Zubaan,. 10) Roy, K. (ed.), (2001).Women in Early Indian Societies, New Delhi,:Oxford University Press. 11) Scott, J. (ed.).(1996).Feminism and History. Oxford: Oxford University Press. 12) Vaid, S and K. Sangari,(1989) Recasting Women. New Delhi:Kali for Women. 13) Honer I.B, Women.(1930). Under Primitive Buddhisam Part II,Chaper 2 (The eight chief rules of the Alms women).Gutenberg Publisher. 14) SarakarSumit, SarakarTanika(2011)Women and Social Reform in India, Vol. 1 , New Delhi : Permanent black
3	ई-संसाधन	1) ChakravartiUma,The Rise of Buddhism as Experienced by Women, URL(http://www.manushi-india.org/pdfs_issues/PDF%20files%208/6.%20The%20Rise%20of%20Buddhism....pdf) 2) Chakravarti, U,Conceptualising Brahmanical Patriarchy in EartlyIndia.Gender,Caste,Class and State,EPWVol.28,No.14(Apr.3,1993),pp.579-585,URL(http://www.jstor.org/stable/4399556) 3) Chakravarti, U,The World of the Bhaktin in South Indian Traditions-The body and BeyondURL(http://www.manushi-india.org/pdfs_issues/pdf_files-50-51-52/the_world_of_the_bhaktin_in_south_indian.pdf) 4) Roy Kumkum, of Theras and Theiis: Visions of Liberation in the Early Buddhist Tradition,URL(http://iias.org/sites/default/files/article/Kumkum%20Roy.pdf)
4	अन्य	वृत्त चित्र

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

घटक	घंटे
कक्षा/व्याख्यान	**42**
ट्यूटोरियल	10
संवाद कक्षा	08
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

1. **पाठ्यचर्या का नाम: जेंडर एवं शिक्षा**
   (Name of the Course): Gender and Education

2. **पाठ्यचर्या का कोड:** BAWS05
   (Code of the Course) BAWS05

3. **क्रेडिट(Credit):** 4
4. **प्रथम वर्ष**
5. **सेमेस्टर:**प्रथम**(Semester)**First
6. **पाठ्यचर्या विवरण**

भारत में स्वतंत्रता के उपरांत शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतुअनवरत प्रयास किए जाते रहें है। समय-समय पर आवश्यकतानुसार शिक्षा नीतियों में संशोधन भी किए जाते रहे है। शैक्षणिक विमर्श के दायरे में अभिवंचितों की शिक्षा, शिक्षा तक उनकी पहुँच, संसाधनों के समान वितरण एवं हर तबके तक शिक्षा हुँचाने संबंधी सरकारी प्रयासें के इतिहास एवं प्रयासों को जानना-समझना आवश्यक है। स्त्री शिक्षा सामाजिक-सांस्कृतिक स्तर पर स्त्री सशक्तीकरण हेतु आवश्यक-नीति के रूप में शिक्षा नीतियों में स्थान पाती रही है, परंतु जेंडरगत भेदभाव एवं स्त्रियों की सामजिक पराधीनता की स्थितिंया शैक्षणिक विमर्शों में स्त्रियों के लिए अवरोध उत्पन्न करने का कार्य करती हैं। इसको पढ़ने के बाद विद्यार्थी :-

1. विद्यार्थी विभिन्न शिक्षा नीतियों से परिचित होंगे।
2. पाठ्यचर्या में जेंडर संबंधो की समझ विकसित होगी।
3. स्त्री शिक्षा संबंधी सरकारी प्रयासों सें परिचित होंगे।
4. स्त्री शिक्षा के अवरोधक तत्वों से परिचित होंगे।

7. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)

CLO 1	बोध	• विद्यार्थी विभिन्न शिक्षा नीतियों से परिचित होंगे। • पाठ्यचर्या में जेंडर संबंधो की समझ विकसित होगी।
CLO 2	ज्ञान	• स्त्री शिक्षा संबंधी सरकारी प्रयासों सें परिचित होंगे।
CLO 3	चिंतन	• स्त्री शिक्षा के अवरोधक तत्वों से परिचित होंगे।

8. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण		
मॉड्यूल-1	**स्त्री शिक्षा का ऐतिहासिक संदर्भ**				**15**	**25**
	जेंडर: सामाजिक, सांस्कृतिक प्रस्थापनायें	**03**	**01**	**01**		
	19वीं सदी में स्त्री शिक्षा सम्बन्धी बहस	**03**	**01**			
	स्त्री सशक्तिकरण में शिक्षा की भूमिका	**02**	**01**			
	जेंडर: सामाजिक, सांस्कृतिक प्रस्थापनायें	**02**		**01**		
मॉड्यूल- 2	**स्त्री शिक्षा के लिये सरकारी प्रयास**				**14**	**23.33**
	विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग (1948)	**01**	**01**			
	महिला शिक्षा राष्ट्रीय समिति (1958)	**01**		**01**		
	हंसा मेहता समिति (1961-63)	**01**	**01**			
	भारतीय शिक्षा आयोग (1964-1966)	**02**				
	राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986)	**02**		**01**		
	नई शिक्षा नीति (2020)	**02**	**01**			
मॉड्यूल-3	**स्त्री शिक्षा का समकालीन परिदृश्य**				**14**	**23.33**

	पाठ्यचर्या में जेंडर सम्बन्ध	**03**	**01**			
	3.2स्त्री शिक्षा सम्बन्धी सरकारी योजनायें (सर्व शिक्षा अभियान, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओं)	**03**		**01**		
	3.3स्त्री शिक्षा को प्रभावित करने वाले कारक: गरीबी, परंपरा एवं वर्जनायें	**02**	**01**	**01**		
	3.4स्त्री शिक्षा : सशक्तिकरण के दावे और सामाजिक यथार्थ	**02**				
मॉड्यूल-4	**स्त्री शिक्षा सम्बन्धी प्रयास**				**17**	**28.34**
	21वीं सदी का हिंदी सिनेमा और स्त्री	**02**	**01**	01		
	स्त्री और शिक्षा पर समकालीन बहसें	**03**				
	स्त्री शिक्षा सम्बन्धी गैर सरकारी प्रयास	**02**	**01**			
	स्त्री शिक्षा सम्बन्धी सन्दर्भ पुस्तकें: पाअलो फ्रेरे- उत्पीड़ितों का शिक्षाशास्त्र साधना सक्सेना- शिक्षा और जन आन्दोलन, विमला रामचन्द्र -जेंडर व शिक्षा, कृष्ण कुमार – चूड़ी बाजार में स्त्री	**06**		**01**		
योग		42	10	**08**	**60**	**100**

टिप्पणी:

1. पाठयचर्या की आवश्यकतानुसार व्याख्यान, ट्यूटोरियल एवं संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला के अनुपात में परिवर्तन संभव।
2. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
3. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

9. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित
विधियाँ	व्याख्यान, संवाद, प्रश्नोत्तरी, फिल्म, समूहचर्चा,सेमिनार
तकनीक	आई सी टी (**ICT**)
उपादान	MOODLE,LMS, YouTube,Film Screenimg

10. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित निम्नलिखित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारानियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓

11. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

12.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/ पाठ्य ग्रंथ	1. Dhillon, Manvinder. (2010). Indian Women Education and Development. Panchakula :SwastikPrakashan. 2. Sharma, S Ram. (1996). Education of Women and Empowerment (Vols.2).New Delhi: Gyan Publishing House. 3. Robbin, D. Crabtree, David, Alan Sapp, and Adela, C. Licona (2005). Feminist Pedagogy: Looking Back to Move Forward. John Hopkins University Press. 4. Siddiqui, M.H.(2005) Women and Education. New Delhi: Ashish publishing house. 5. U. &Sharma, B.M. (1995). Women's Education in Ancient and Medieval India, New Delhi: Inter India Publications.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. Sánchez-Casal, Susan & Amie, Macdonald (2002), 21st Century Feminist Classrooms: Pedagogies of Identity and Difference. New York and London: Palgrave Macmillan.

		2. Cohee, Gail E., Elisabeth Däumer, Theresa D. Kemp, Paula M. Krebs, Sue A. Lafky, and Sandra Runzo.(eds.).(1998) The Feminist Teacher Anthology: Pedagogies and Classroom Strategies. New York: Teachers College Press 3. Fisher, Bernice Malka. (2001). No Angel in the Classroom: Teaching Through Feminist Discourse. Lanham, 4. Sánchez-Casal, Susan & Amie, Macdonald (2002), 21st Century Feminist Classrooms: Pedagogies of Identity and Difference. New York and London: Palgrave Macmillan.
3	ई-संसाधन	1. Gender and Health Author(s): MeredethTurshen Source: Journal of Public Health Policy ,2007, Vol. 28, No. 3 (2007), pp. 319-321 Published by: Palgrave Macmillan Journals Stable URL: https://www.jstor.org/stable/4498968 2. Sixth International Women and Health Meeting Author(s): Debby Bonnin Source: Agenda: Empowering Women for Gender Equity , 1991, No. 9 (1991), pp. 29-32 Published by: Taylor & Francis, Ltd. on behalf of Agenda Feminist Media Stable URL: https://www.jstor.org/stable/4547948 3. Published by: Taylor & Francis, Ltd. on behalf of Oxfam GB Stable URL: https://www.jstor.org/stable/24697416 4. Gender and Education Author(s): Lucy E. Bailey and Karen Graves Source: Review of Research in Education , March 2016, Vol. 40, Education Research: A Century of Discovery (March 2016), pp. 682-722 Published by: American Educational Research Association Stable URL: https://www.jstor.org/stable/44668634 5. WOMEN'S EMPOWERMENT AND FERTILITY CHANGES Author(s): LY PHAN Source: International Journal of Sociology of the Family , Spring-Autumn 2013, Vol. 39, No. 1/2 (Spring-Autumn 2013), pp. 49-75 Published by: International Journals Stable URL: https://www.jstor.org/stable/43488406 6. Women’s Empowerment and Education Author(s): Nelly P. Stromquist Source: European Journal of Education , September 2015, Vol. 50, No. 3 (September 2015), pp. 307-324 Published by: Wiley Stable URL: https://www.jstor.org/stable/10.2307/26609280
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

घटक	घंटे
कक्षा/ व्याख्यान	**40**
ट्यूटोरियल/	10
संवाद कक्षा	10
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

1. **पाठ्यचर्या का नाम:** स्त्री आंदोलन के विभिन्न चरण
(Name of the Course): Different phases of Women's Movement

2. **पाठ्यचर्या का कोड:** BAWS006
(Code of the Course) BAWS006

3. **क्रेडिट(Credit):** 4

4. **प्रथम वर्ष**

5. **सेमेस्टर:**प्रथम**(Semester)**First

6. **पाठ्यचर्या विवरण**

स्त्रीवादी सैद्धांतिकी का स्त्री आंदोलन के साथ द्वन्द्वात्मक संबंध है। इसलिए स्त्रीवादी सैद्धांतिकी को गढ़ने में स्त्री आंदोलन की बड़ी भूमिका है। सभी स्त्रीवादी विचारधारायें स्त्री-पुरुष के मध्य समानता पर आधारित संबंधों की वकालत करती हैं। लेकिन इस लक्ष्य को हासिल करने को लेकर स्त्रीवादी विचारधाराओं में पर्याप्त मतभेद भी हैं। स्त्रीवाद की अलग-अलग धाराओं को समझने के लिए स्त्रीवाद की विभिन लहरों को समझना बेहद जरूरी है और स्त्रीवाद की हर लहर का अपना ऐतिहासिक महत्व भी है। इसी को ध्यान में रखते हुए इस पाठ्यचर्या में स्त्रीवाद की विभिन्न लहरों का समावेश किया गया है। स्त्रीवाद की प्रथम लहर जो कि उदारवादी चिंतन से प्रभावित थी, इसलिए पाठ्यचर्या में अवसर, समान शिक्षा व समान वैधानिक अधिकारों को शामिल किया गया है। इसी प्रकार द्वितीय लहर के स्त्रीवाद में यौनिकता, प्रजनन जैसे प्रमुख सवालों को पाठ्यचर्या में जगह दी गई है। तृतीय लहर के स्त्रीवाद में पर्यावरणीय स्त्रीवाद, दलित स्त्रीवाद जैसे मुद्दों को शामिल किया गया है। पाठ्यचर्या के अंतिम भाग में ऐसी कई सारी घटनाओं का समावेश किया गया है, जिन घटनाओं ने भारत में एक नई बहस को जन्म देने का काम किया था। इसको पढ़ने के बाद विद्यार्थी :-

1. प्रस्तुत पाठ्यचर्या में विद्यार्थी स्त्रीवाद की प्रथम लहर को समझेंगे।
2. प्रस्तुत पाठ्यचर्या में विद्यार्थी स्त्रीवाद की द्वितीय लहर को समझेंगे।
3. प्रस्तुत पाठ्यचर्या में विद्यार्थी स्त्रीवाद की तृतीय लहर को समझेंगे।
4. प्रस्तुत पाठ्यचर्या में विद्यार्थी महिला आंदोलन के समक्ष समकालीन मुद्दे व चुनौतियों को समझेंगे।

7. **अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)**

CLO 1	बोध	• विद्यार्थी स्त्रीवाद की प्रथम लहर को समझेंगे।

		• विद्यार्थी स्त्रीवाद की द्वितीय लहर को समझेंगे।
CLO 2	ज्ञान	• विद्यार्थी स्त्रीवाद की तृतीय लहर को समझेंगे।
CLO 3	चिंतन	• विद्यार्थी महिला आंदोलन के समक्ष समकालीन मुद्दे व चुनौतियों को समझेंगे।

8. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण		
मॉड्यूल-1	**स्त्रीवाद की प्रथम लहर**				**15**	**25**
	अवसर की समानता का अधिकार	**03**	**01**			
	समान शिक्षा का अधिकार	**04**	**01**			
	समान वैधानिक अधिकार	**03**	**01**			
मॉड्यूल- 2	**स्त्रीवाद की द्वितीय लहर**				**17**	**28.33**
	प्रजनन / यौनिकता का अधिकार	**02**	**01**			
	महिलाओं के विरूद्ध हिंसा	**03**		**01**		
	स्त्रियों की उत्पादक एवं पुनरूत्पादन भूमिकायें	**02**	**01**	01		
	CEDAW(सीडा)	**02**				
मॉड्यूल-3	**तृतीय लहर का नारीवाद**				**16**	**26.66**
	भिन्नता के स्वर (दलित नारीवाद, पर्यावरणीय नारीवाद)	**03**	**01**			
	यौनिक अधिकार आंदोलन	**02**		**02**		
	सार्वभौमिक बहनापा	**02**	**01**	**01**		
	भूमंडलीकरण एवं स्त्र आंदोलन	**03**		**01**		
मॉड्यूल-4	**महिला आंदोलन में समकालीन मुद्दे**				**12**	**20**
	महिलाओं मे विरूद्ध हिंसा के विविध रूप	**03**	**01**	02		
	मथुरा केस, रूपकुंवर केस, भवरी देवी केस, निर्भया	**03**				
	महिलाओं के विरूध हिंसा का प्रतिरोध	**03**	**01**			
	मुस्लिम महिलाओं के अधिकार	**02**	01	**01**		
योग		**40**	10	**10**	**60**	**100**

टिप्पणी:

1. पाठयचर्या की आवश्यकतानुसार व्याख्यान, ट्यूटोरियल एवं संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला के अनुपात में परिवर्तन संभव।
2. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उपशीर्षक रखे जा सकते हैं।

3. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

9.शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अधिगम	कक्षा आधारित अधिगम
विधियाँ	कक्षा व्याख्यान, विद्यार्थियों के साथ प्रश्नोत्तरी,सामूहिक परिचर्चा
तकनीक	पी.पी.टी, वृत्तचित्र, फिल्म आदि
उपादान	संबन्धित विषय पर लेखन कौशल का विकास

10.पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य **1**	लक्ष्य **2**	लक्ष्य **3**	लक्ष्य **4**	लक्ष्य **5**	लक्ष्य **6**	लक्ष्य **7**	लक्ष्य **8**
पाठ्यचर्या द्वारानियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	✗	✗	✗	✗	✓

11. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

1. *विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
2. #विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

7.

12.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/ पाठ्य ग्रंथ	1. राधा कुमार. (1997). स्त्री संघर्ष का इतिहास. नई दिल्ली: वाणी प्रकाशन. 2. रेखा, क. (2006). स्त्री चिंतन की चुनौतियाँ.नई दिल्ली: राजकमल प्रकाशन 3. John, M. E. (2008). Women Studies in India. New Delhi: Penguin India. 4. Madhu Vij, M. B. (2014). WOMEN'S STUDIES IN INDIA. New Delhi: Rawat Publisher.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. O'Brien, J. (2008). Encyclopedia of Gender and Society. USA: Seattle University, USA. 2. Tierney, H. (1999). Women's Studies Encyclopedia. USA: Greenwood Publishing Group. 3. आर्य,साधना, मेनन,निवेदिता, लोकनीता,जिनी.(2011). नारीवादी राजनीति: संघर्ष एवं मुद्देहिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय. 4. पिल्चर,जेन तथावेलेहम, इमेल्दा.(2004).की कानसेप्ट्स इन जेंडर स्टडीज.नयी दिल्ली:सेज प्रकाशन. 5. गांबले,सराह.(1998).द रुटलेज कमपेनियन ओफ फेमिनिस्म एण्ड पोस्ट फेमिनिज्म. 6. त्रिपाठी, क. (2010). औरत इतिहास रचा है तुमने. नई दिल्ली:कल्याणी शिक्षा परिषद . 7. प्रमार, शुभ्रा.(2015).नारीवादी सिद्दांत एवं व्यवहारहैदराबाद: ओरिएंट ब्लैकस्वान.
3	ई-संसाधन	1. Women's Studies and the Women's Movement in India: An Overview Author(s): Vina Mazumdar Source: Women's Studies Quarterly , Fall - Winter, 1994, Vol. 22, No. 3/4, Women's Studies: A World View (Fall - Winter, 1994), pp. 42-54 Published by: The Feminist Press at the City University of New York Stable URL: https://www.jstor.org/stable/40004254 2. Women's Movement in India: An Assessment Author(s): A. R. Desai Source: Economic and Political Weekly , Jun. 8, 1985, Vol. 20, No. 23 (Jun. 8, 1985), pp. 992-995 Published by: Economic and Political Weekly Stable URL: https://www.jstor.org/stable/4374491 3. Dalit Women Talk Differently: A Critique of 'Difference' and Towards a Dalit Feminist Standpoint Position Author(s): Sharmila Rege Source: Economic and Political Weekly , Oct. 31 - Nov. 6, 1998, Vol. 33, No. 44 (Oct. 31 - Nov. 6, 1998), pp. WS39-WS46 Published by: Economic and Political Weekly Stable URL: https://www.jstor.org/stable/4407323 4. MAJOR TRENDS OF FEMINISM IN INDIA Author(s): Sarbani Guha Ghosal Source: The Indian Journal of Political Science , Oct.-Dec., 2005, Vol. 66, No. 4 (Oct.-Dec., 2005), pp. 793-812 Published by: Indian Political Science Association Stable URL: https://www.jstor.org/stable/41856169 5. The Contemporary Women's Movement and Women's Education in India Author(s): Ila Patel Source: International Review of Education / Internationale

		ZeitschriftfürErziehungswissenschaft / Revue Internationale de l'Education ,1998, Vol. 44, No. 2/3, Social Movements and Education (1998), pp. 155-175 Published by: Springer Stable URL: https://www.jstor.org/stable/3445176
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

घटक	घंटे
कक्षा/व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल	05
संवाद कक्षा	05
कुल क्रेडिट घंटे	**30**

1. **पाठ्यचर्या का नाम:** जेंडर एवं हिंसा

(Name of the Course): Gender and Violence (Elective Paper)

2. **पाठ्यचर्या का कोड:** BAWSE2

(Code of the Course) BAWSE2

3. **क्रेडिट(Credit):**02
4. **प्रथम वर्ष** (First Year)
5. **सेमेस्टर:**द्वितीय सेमेस्टर **(Semester:** Second**)**

6.पाठ्यचर्या विवरण

यह पाठ्यचर्या विद्यार्थियोंको जेंडर आधारित हिंसा के मुद्दे और इसके विभिन्न रूप को समझनेमें मदद करता है। जेंडर आधारित हिंसा हर समाज में एक बड़ी समस्या है।समाज में महिलाओं के खिलाफ प्रचलित हिंसा के विभिन्न रूपहैं। यह पाठ्यचर्या विद्यार्थियोंको जेंडरआधारित हिंसा समाप्त करने हेतु बने कानूनों और आंदोलनों के बारे में जानकारीदेगी। इस पत्र के माध्यम से,भारत में आज़ादी से पहले और बाद में महिलाओं के खिलाफ हिंसा के खिलाफ बने कानूनों की आवश्यकता के संदर्भ में उठी बहसों और मुद्दों केबारे में विद्यार्थियों की समझ विकसित की जाएगी। इसको पढ़ने के बाद विद्यार्थी :-

1 विद्यार्थी हिंसा की संकल्पना से परिचित होंगे।
2 विद्यार्थी महिलाओं के विरूद्ध होने वाली विभिन्न प्रकार की हिंसा से अवगत होंगे।
3 विद्यार्थीसमाज में व्याप्त हिंसा के मनोविज्ञान से परिचित होंगे।

7.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)

CLO 1	बोध	• विद्यार्थी हिंसा की संकल्पना से परिचित होंगे।
CLO 2	ज्ञान	• विद्यार्थी महिलाओं के विरूद्ध होने वाली विभिन्न प्रकार की हिंसा से अवगत होंगे।

CLO 3	चिंतन	• विद्यार्थीसमाज में व्याप्त हिंसा के मनोविज्ञान से परिचित होंगे।

8.पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण		
मॉड्यूल-1	**हिंसा की संकल्पना**				**14**	**46.66**
	हिंसा क्या है?	**02**	**01**	01		
	हिंसा के प्रकार	**02**	**01**			
	संरचनात्मक हिंसा	**03**	**01**	01		
	हिंसा का मनोविज्ञान	**02**				
मॉड्यूल- 2	**महिलाओं के विरूद्ध हिंसा**				**16**	**53.34**
	निजी एवं सार्वजनिक स्थल पर महिलाओं के विरूद्ध	**03**	**01**			
	सम्मान के नाम पर हिंसा	**03**	**01**	**01**		
	पहचान का संकट हिसा एवं स्त्री	**03**	**01**	01		
	यौन दुर्व्यवहार	**02**				
योग		**20**	**05**	**05**	**60**	**100**

टिप्पणी:

1. पाठयचर्या की आवश्यकतानुसार व्याख्यान, ट्यूटोरियल एवं संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला के अनुपात में परिवर्तन संभव।
2. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उपशीर्षक रखे जा सकते हैं।
3. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

9. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित
विधियाँ	व्याख्यान, संवाद, प्रश्नोत्तरी, फिल्म, समूहचर्चा,सेमिनार
तकनीक	आई सी टी (**ICT**)
उपादान	MOODLE,LMS, YouTube,Film Screenimg

10.पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य **1**	लक्ष्य **2**	लक्ष्य **3**	लक्ष्य **4**	लक्ष्य **5**	लक्ष्य **6**	लक्ष्य **7**	लक्ष्य **8**
पाठ्यचर्या द्वारानियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓

11. मूल्यांकन/ परीक्षायोजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

.

12.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/ पाठ्य ग्रंथ	1. Devi, K. U. (2005). Violence Against Women - A Human Rights Perspective. Serials Publications. New Delhi. 2. Devi, L. (1998). Crime Atrocities & Violence Against Women & Related Laws of Justice, Institute for Sustainable Development, Lucknow and Anmol Publications. New Delhi 3. Eve, S. B. and Carl G. B. (1990). Domestic Violence: The Criminal Response. Sage Publications. Newbury Park. California. 4. Ghadially, R. (1988). Women in Indian Society, Sage Publication. New Delhi.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. Goel, A. (2004). Violence and Protective Measures for Women. Deep & Deep Publications Pvt. Ltd. New Delhi. 2. Kumar, R. (2000). Violence Against Women. Anmol Publications Pvt. Ltd. New Delhi. 3. Pandey, J.N. (2003). Constitutional Law of India. Central Law Agency. Allahabad. 4. Roy, M. (1977). Battered Women: A Psychological Study of Domestic Violence. Van Nostrand. New York. 5. Saxena. S. (2004). Crime against Women and Protective Laws. Deep & Deep Publications. New Delhi. S 6. chuler, M. (ed.) (1992). Freedom from Violence: Women's Strategies from Around the World. New York: UNIFEM.
3	ई-संसाधन	1. HVISTENDAHL, M. (2012). GENDER AND VIOLENCE. *Science*, *336*(6083), 839–840. http://www.jstor.org/stable/41584843 2. Kelleher, M. A. (2010). Introduction: Legal Texts and Gendered Contexts. In *The Measure of Woman: Law and Female Identity in the Crown of Aragon* (pp. 1–14). University of Pennsylvania Press. http://www.jstor.org/stable/j.ctt3fh6xt.5 3. Chowdhry, P. (1997). Enforcing Cultural Codes: Gender and Violence in Northern India. *Economic and Political Weekly*, *32*(19), 1019–1028. http://www.jstor.org/stable/4405393 4. Jacqueline Pitanguy. (1997). Reconceptualizing Human Rights Language: Gender and Violence. *Health and Human Rights*, *2*(3), 27–30. https://doi.org/10.2307/4065150 5. Mibenge, C. S. (2013). Introduction: Gender and Violence in the Market and Beyond. In *Sex and International Tribunals: The Erasure of Gender from the War Narrative* (pp. 1–20). University of Pennsylvania Press. http://www.jstor.org/stable/j.ctt3fj2p2.3
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

घटक	घंटे
कक्षा/व्याख्यान	**40**
ट्यूटोरियल	12
संवाद कक्षा	08
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

1. **पाठ्यचर्या का नाम:** स्त्री एवं स्वास्थ्य
   (Name of the Course): Women and health

2. **पाठ्यचर्या का कोड:** BAWS007
   (Code of the Course) BAWS007

3. **क्रेडिट(Credit): 04**

4. **द्वितीय वर्ष**

5. **सेमेस्टर:**तृतीय **(Semester:** Third)

6. पाठ्यचर्या विवरण

इस पाठ्यचर्या में महिलाओं के उन स्वास्थ्यगत मुद्दों का विश्लेषण किया जाएगा। महिलाओं को अपने सम्पूर्ण जीवन चक्र में कई स्वास्थ्यगत समस्याओं का सामना करना पड़ता है, जिसका महिलाओं केशारीरिक, मनोवैज्ञानिक, सांस्कृतिक जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ता है। यह पाठ्यचर्या विद्यार्थियों को सार्वजनिक स्वास्थ्य नीतियों से परिचयदेगी। इस पाठ्यचर्या के उपरांत विद्यार्थी स्त्री एवं स्वास्थ्य संबंधी समस्त विमर्शों से परिचित होंगे।इसको पढ़ने के बाद विद्यार्थी :-

1. चिकित्सा के इतिहास को महिलाओं के नजरिये से समझेंगे।
2. स्त्री स्वास्थ्य के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक कारकों को समझेंगे।
3. सार्वजनिक स्वास्थ्य नीतियों में लैंगिक गैरबराबरी की समझ विकसित होगी।
4. प्रजनन स्वास्थ्य और जनसंख्या नीति को समझेंगे।
5. स्वास्थ्य जरूरतों को विश्लेषित करने कीसमझ विकसित होगी।

7. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)

CLO 1	बोध	• चिकित्सा के इतिहास को महिलाओं के नजरिये से समझेंगे। • स्त्री स्वास्थ्य के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक कारकों को समझेंगे। • सार्वजनिक स्वास्थ्य नीतियों में लैंगिक गैरबराबरी की समझ विकसित
CLO 2	ज्ञान	• प्रजनन स्वास्थ्य और जनसंख्या नीति को समझेंगे।
CLO 3	चिंतन	• स्वास्थ्य जरूरतों को विश्लेषित करने की समझ विकसित होगी।

8. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण		
मॉड्यूल-1	**स्वास्थ्य की संकल्पना एवं आयाम**				**15**	**25**
	विश्व स्वास्थ्य संगठन एवं स्वास्थ्य	**03**	**01**	**01**		
	समान्व स्वास्थ्य एवं पुनरूत्पादन स्वास्थ्य	**03**	**01**			
	स्वास्थ्य संबंधी स्त्री वादी दृष्टि	**02**		**01**		
	स्वास्थ्य संबंधीं जेंडरगत भेदभाव	**02**	**01**			
मॉड्यूल- 2	**स्त्री स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले कारण**				**17**	**28.33**
	युवावस्था, गर्भावस्था एवं वृद्धावस्था, वर्जना,दोष (stigmas)	**02**	**01**	**01**		
	स्त्री स्वास्थ्य : सामाजिक-सांस्कृतिक	**03**	**01**	**01**		
	स्त्री स्वास्थ्य : आर्थिक-राजनीतिक पक्ष	**03**	**01**			
	स्त्री स्वास्थ्य: भारतीय सन्दर्भ	**02**				
मॉड्यूल-3	**स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुँच**				**16**	**26.66**
	मातृत्व एवं बाल सेवाएं : भारतीय परिदृश्य	**03**	**01**			
	भोजन, कुपोषण, रक्ताल्पता	**03**	**01**	**01**		
	राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति	**02**	**01**	**01**		
	राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन	**02**				
मॉड्यूल-4	**प्रजनन स्वास्थ्य एवं जनसंख्यानीति**				**12**	**20**
	जन्म नियंत्रण एवं जनसंख्य नियंत्रण	**03**	**01**	01		
	जनसंख्या नीति : विविध पड़ाव	**02**	**01**			
	गर्भपात अधिकार आंदोलन	**03**	**01**			
	प्रजनन की नई तकनीक (ART, सेरोगेसी)	**02**		**01**		
योग		**40**	12	**08**	**60**	**100**

टिप्पणी:

1. पाठयचर्या की आवश्यकतानुसार व्याख्यान, ट्यूटोरियल एवं संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला के अनुपात में परिवर्तन संभव।
2. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उपशीर्षक रखे जा सकते हैं।
3. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

9.शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादानः
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अधिगम	कक्षा आधारित अधिगम

विधियाँ	कक्षा व्याख्यान, विद्यार्थियों के साथ प्रश्नोत्तरी,सामूहिक परिचर्चा
तकनीक	पी.पी.टी, वृत्तचित्र, फिल्म आदि
उपादान	संबन्धित विषय पर लेखन कौशल का विकास

10.पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य **1**	लक्ष्य **2**	लक्ष्य **3**	लक्ष्य **4**	लक्ष्य **5**	लक्ष्य **6**	लक्ष्य **7**	लक्ष्य **8**
पाठ्यचर्या द्वारानियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓

11. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

1. *विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
2. #विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

12.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/ पाठ्य ग्रंथ	1. मृणाल पांडेय, (2003). *ओ उब्बीरी: भारतीय स्त्री का प्रजनन और यौन जीवन*.नई दिल्ली: राधाकृष्ण. 2. निरंतर. (2013). *स्वास्थ्य की खोज में: खुद को जानें: स्वास्थ्य शिक्षा श्रृंखला*. नई दिल्ली: निरंतर: जेंडर और शिक्षा संदर्भ समूह

		3. निरंतर. (2013). *जेंडर आधारित हिंसा और यौनिकता पर माड्यूल* नई दिल्ली: निरंतर: जेंडर और शिक्षा संदर्भ समूह 4. अहमद, अफ़ज़ाल. (2009).*गर्भपात: तथ्य, संदर्भ और तर्क*. दिल्ली: एजुकेशन पब्लिशिंग हाउस. 5. लीला दुबे (अनु. वन्दना मिश्रा). (2004). *लिंगभाव का मानव वैज्ञानिक अन्वेषण: प्रतिच्छेदी क्षेत्र*.दिल्ली: वाणी प्रकाशन. 6. Das Gupts Monica & Krishnan T.N. (1998). *Women and Health*. New Delhi: Oxford. 7. K. AjitDalal and Subha Ray. (2005). *Social Dimensions of Health*. Jaipur: Rawat Publications. 8. Krishnaraj,Maithrey (ed). (1999). *Gender, population and development*. New Delhi: Oxford. 9. Mohan Rao (Ed). (2004). *The Unheard Scream: Reproductive Health and Women's Rights in India*. New Delhi: Zubaan. 10. Petchesky,Rosalind Pollack. (2003). *Gendering Health and Human Rights*. London: Jed Book.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. David Werner. (2014). *Where There is no Doctor - A Health Care Handbook Paperback – 1*. Voluntary Health Association of India (VHAI). 2. K. Prak. (2019). *Park's Textbook of Preventive and Social Medicine*. Jabalpur: M/S.Banarside. 3. Patel, Tulsi. (Ed.). (2007). *Sex selective Abortion in India: Gender, Society and New Reproductive Technologies*. New Delhi: Sage. 4. Shiva, Vandana. (1988). *Staying Alive*. New Delhi: Kali for Women.
3	ई-संसाधन	1. https://epgp.inflibnet.ac.in/Home/ViewSubject?catid=456 2. GENDER INEQUALITY, ECONOMIC DEVELOPMENT, AND GLOBALIZATION: A STATE LEVEL ANALYSIS OF INDIA Author(s): Rashmi Umesh Arora Source: The Journal of Developing Areas , Spring 2012, Vol. 46, No. 1 (Spring 2012), pp. 147-164 Published by: College of Business, Tennessee State University Stable URL: https://www.jstor.org/stable/23215428 3. Gender and COVID-19 Advocacy brief Author(s): World Health Organization World Health Organization (2020) Stable URL: https://www.jstor.org/stable/resrep28109 4. Gender and Health Inequality Author(s): Jen'nan Ghazal Read and Bridget K. Gorman Source: Annual Review of Sociology ,2010, Vol. 36 (2010), pp. 371-386 Published by: Annual Reviews Stable URL: http://www.jstor.com/stable/25735083 5. Gender and Health Author(s): MeredethTurshen Source: Journal of Public Health Policy ,2007, Vol. 28, No. 3 (2007), pp. 319-321 Published by: Palgrave Macmillan Journals Stable URL: https://www.jstor.org/stable/4498968

4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1. **पाठ्यचर्याका नाम:**स्त्री एवं वैधानिक संरचना
   (Name of the Course): Women and Legal Structure

घटक	घंटे
कक्षा/ व्याख्यान	42
ट्यूटोरियल	12
संवाद कक्षा	06
कुल क्रेडिटघंटे	60

2. **पाठ्यचर्या का कोड:**BAWS08
   (Code of the Course) BAWS08
3. **क्रेडिट (Credit):**04
4. **द्वितीय वर्ष**
5. **सेमेस्टर:**प्रथम
   (Semester) First

6. **पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course):**

यह पाठ्यचर्या विद्यार्थियों को संविधान का आधारभूत ज्ञान उपलब्ध कराने के साथ महिलाओं के हित में बनाए गए कानूनों और उनकी आवश्यकता को केंद्र में रखकर बनाई गई है। इस पाठ्यचर्या से विद्यार्थी महिलाओंके हित में बने कानूनों के निर्मित होने की पूरी यात्रा से परिचित होंगे।साथ ही इन कानूनों के आने के बाद महिलाओं के जीवन और समाज में हुए बदलावों को समझ सकेंगे। इसको पढ़ने के बाद विद्यार्थी :-

1- विद्यार्थी संविधान के बारे में आधारभूत ज्ञान प्राप्त करेंगे।
2- विद्यार्थी संविधान निर्माण में महिलाओं की भूमिका के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे।
3- विद्यार्थी आज़ादी से पहले और बाद में महिलाओं के हित में बने कानूनों की आवश्यकता और निर्माण के लिए किये गए प्रयासों के बारे में जानेंगे।
4- विद्यार्थी महिलाओं से संबंधितविविध कानूनों का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

7 .अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

CLO 1	बोध	• विद्यार्थी संविधान के बारे में आधारभूत ज्ञान प्राप्त करेंगे। • विद्यार्थी संविधान निर्माण में महिलाओं की भूमिका के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे।
CLO 2	ज्ञान	• विद्यार्थी आज़ादी से पहले और बाद में महिलाओं के हित में बने कानूनों की आवश्यकता और निर्माण के लिए किये गए प्रयासों के बारे में जानेंगे।
CLO 3	चिंतन	• विद्यार्थी महिलाओं से संबंधित विविध कानूनों का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

8 .पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the **Course)**

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण		
मॉड्यूल-1	**भारत का संविधान: परिचय**				17	**28.33**
	संविधान की प्रस्तावना, दर्शन, मौलिक अधिकार	05	**01**			
	हाशियाकृत समाज हेतु प्रावधान	**03**	**01**	**01**		
	नागरिकों के अधिकार एवं कर्तव्य	03				
	संविधान निर्माण में महिलाएं	**02**	**01**			
मॉड्यूल- 2	**जेंडर न्याय, कानून और स्त्री प्रश्न**				**13**	**21.66**
	समाज सुधार आन्दोलन	**02**	**01**			
	हिंदू कोड बिल	**03**		**01**		
	औपचारिक समानता एवं वास्तविक समानता	02	**01**			
	समान नागरिक संहिता	**02**	**01**			
मॉड्यूल-3	**महिलाओं के विरुद्ध हिंसा एवं क़ानून**				**15**	**25**
	बलात्कार	**03**	**01**			
	दहेज़ हत्या	**03**	**01**	**01**		
	घरेलू हिंसा	**02**	**01**	**01**		
	साइबर अपराध	**02**				
मॉड्यूल-4	**कामकाजी महिलाओं से सम्बंधित विविध क़ानून एवं समकालीन मुद्दे**				**15**	**25**
	समान वेतन अधिनियम	**02**		01		
	मातृत्व अवकाश अधिनियम	**02**	**01**			
	महिलाओं के विरुद्ध कार्यक्षेत्र में यौन उत्पीड़न अधिनियम	**03**	**01**			
	समकालीन मुद्दे	03	01	**01**		
योग		42	12	**06**	**60**	**100**

टिप्पणी:

1. पाठयचर्या की आवश्यकतानुसार व्याख्यान, ट्यूटोरियल एवं संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला के अनुपात में परिवर्तन संभव।
2. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उपशीर्षक रखे जा सकते हैं।
3. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

9. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित

विधियाँ	व्याख्यान, संवाद, प्रश्नोत्तरी, फिल्म, समूहचर्चा,सेमिनार
तकनीक	आई सी टी (**ICT**)
उपादान	MOODLE,LMS, YouTube,Film Screenimg

10. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाममैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य **1**	लक्ष्य **2**	लक्ष्य **3**	लक्ष्य **4**	लक्ष्य **5**	लक्ष्य **6**	लक्ष्य **7**	लक्ष्य **8**
पाठ्यचर्या द्वारानियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓

11. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

3. *विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
4. #विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

12.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण(APA प्रारूप में)
1	आधार/ पाठ्य ग्रंथ	1. भारत का संविधान https://legislative.gov.in/sites/default/files/Constitution%20%20of%20India_Hindi.pdf 2. Haldar Devarati,Jaishankar H. (2016). Cyber Crime against Women in India.New Delhi: Sage Publication

		3. कुमार, र. (2014). स्त्री संघर्ष का इतिहास.नई दिल्ली: वाणी . 4. चंद्र, स. (2012). रखमाबाई स्त्री अधिकार और कानून .नई दिल्ली: राजकमल 5. रॉय, अनुपमा.(2017). नागरिकता का स्त्री पक्ष. नई दिल्ली:वाणी
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. Chorine, C., Desai, M., & Gonsalves, C. (1999). Women and the Law. Bombay: Socio Legal Information Centre. 2. Cossman, B. and R. Kapur (eds.) (1996).Subversive Sites. New Delhi: Sage. 3. Ghadially, R. (1988). Women in Indian Society. New Delhi: Sage. 4. Hasan, Z. (ed.). (1994)Forging Identities: Gender, Communities and the State. New Delhi: Kali for Women. 5. Menon, N. (1999). Women and Politics in India. New Delhi: Oxford. 6. Menon, N. (2004). Recovering Subversion: Feminist Politics Beyond the Law, New Delh: Permanent Black. 7. Sarkar, S., & Sarkar, T. (2011). Women and Social Reform in Modern India Vol.1. New Delhi: Permanent Black. 8. Sangari, K. (1999) Politics of the Possible, New Delhi, Tulika, Sinha, C. (2012). Debating Patriarchy. New Delhi: Oxford. 9. Sunder Rajan, R. (2004). The Scandal of the State: Women, Law and Citizenship in Postcolonial India, New Delhi: Permanent Black. 10. Thakkar, N. D. (2003). Women in Indian Socity. New Delhi: NBT. 11. Agnes, F. (2001). Law and Gender Inequality. New Delhi: Oxford. 12. Agnes, F. (2011). Family laws and Constitutional Claims. New Delhi: Oxford 13. Sinha Chitra(2012) Debating SocietyOxordPree: New delhi 14. जोशी, ग. (2006). भारत में स्त्री असमानता.नई दिल्ली: हिन्दी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय
3	ई-संसाधन	1. http://ncwapps.nic.in/frmLLawsRelatedtoWomen.aspx 2. https://www.jagori.org/sites/default/files/publication/Hum%20Sabla%20May%20to%20June%202009.pdf 3. Uniform Civil Code Author(s): Krishnayan Sen Source: Economic and Political Weekly , Sep. 11-17, 2004, Vol. 39, No. 37 (Sep. 11-17, 2004), p. 4196 Published by: Economic and Political Weekly Stable URL: https://www.jstor.org/stable/4415537 4. POLITICAL PARTICIPATION OF WOMEN IN INDIA Author(s): Manuka Khanna Source: The Indian Journal of Political Science , JAN. - MAR., 2009, Vol. 70, No. 1 (JAN. - MAR., 2009), pp. 55-64 Published by: Indian Political Science Association Stable URL: https://www.jstor.org/stable/41856495 5. Gender, Law and Sexual Assault Author(s): M. P. Singh Source: Economic and Political Weekly , Mar. 15-21, 1997, Vol. 32, No. 11 (Mar. 15-21, 1997), pp.

		543+545-550 Published by: Economic and Political Weekly Stable URL: https://www.jstor.org/stable/4405177 6. Legal Change and Gender Inequality: Changes in Muslim Family Law in India Author(s): Narendra Subramanian Source: Law & Social Inquiry , Summer, 2008, Vol. 33, No. 3 (Summer, 2008), pp. 631-672 Published by: Wiley on behalf of the American Bar Foundation Stable URL: https://www.jstor.org/stable/20108777 7. https://www.jagori.org/sites/default/files/publication/Hum-Sabla-for-Web_6-10-2012.pdf
4	अन्य	बंसल अवनि , हमारा संविधान https://www.youtube.com/playlist?list=PLzia1qLN9v2CvSqPUWQ_0RsNsCsF_he-e

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1. **पाठ्यचर्या का नाम:** जनसंचार माध्यमों में स्त्री प्रस्तुति
(Name of the Course): Portrayal of women in Mass communication medium
2. **पाठ्यचर्या का कोड:** BAWS009
(Code of the Course) BAWS009

घटक	घंटे
कक्षा/ व्याख्यान	**40**
ट्यूटोरियल	12
संवाद कक्षा	08
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

3. **क्रेडिट(Credit):** 4
4. **द्वितीय वर्ष**
5. **सेमेस्टर:**तृतीय**(Semester)**Third
6. **पाठ्यचर्या विवरण**

लोकतांत्रिक व्यवस्था में मीडिया से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के रक्षक और स्थापित सत्ता व्यवस्था की प्रथाओं और संरचनाओं केस्पष्ट आलोचक के रूप में कार्य करने की अपेक्षा की जाती है। उससे समाज में विद्यमान जातीय समीकरणों, धार्मिक असहिष्णुताओं, वर्गीय भेदभाव तथा जेंडर आधारित पूर्वाग्रहों को दर्शकों के समक्ष प्रस्तुत करते समय संवेदनशील दृष्टि बनाए रखने की उम्मीद होतीहै परंतु

यथार्थ इसके विपरीत है। वर्तमान दुनिया का परिदृश्य मीडिया द्वारा संरचित एवं संपोषित है जिसे उसने अपने निहित राजनीतिक हितों के लिए दर्शक वर्ग के मनो-मष्तिस्क में गढ़ा है। जेंडर संबंधों को प्रस्तुत करते समय प्रिंट मीडिया तथा विजुअल मीडिया जाने-अनजाने समाज में विद्यमान जेंडर पूर्वाग्रहों तथा रुढ़िबद्धता को प्रस्तुत करते हैं। मीडिया हमेशा से पितृसत्तात्मक मूल्यों के एजेंट की भूमिका निभाता आया है जिसके कारण महिलाओं का विकास और सशक्तीकरण संभव नहीं हो पाता। स्त्रियों की प्रस्तुतिकरन से लेकर मुद्दों को उठाने तथा स्त्रियों से संबंधित किसी विषय पर दर्शक वर्गके बीच कोई राय बनाने की प्रक्रिया में मीडिया परिधि की स्त्रियों को मानवीय गरिमा के साथ प्रस्तुत नहीं करता जिसकी वजह से परिधि की स्त्रियाँ सरकार द्वारा स्त्रियों के संबंध में चलाई जाने वाली कल्याणकारी योजनाओं के दायरे में अपेक्षित रूप से शामिल ही नहीं हो पातीं। मीडिया प्रतिनिधियों के रूप में आधुनिक कॉर्पोरेट घरानों में आज भी पुरुषों का ही वर्चस्व बना हुआ है और निर्णायक पद पुरुषों के अधीन हैं। वे मीडिया की व्यवस्था को नियंत्रित करके महिलाओं को यौनवस्तु तथा कमजोर प्राणी के रूप में चित्रित करने की कोशिश करते हैं। मीडिया में प्रस्तुत हो रही स्त्रियाँ भी एक निश्चित जाति, वर्ग एवं धार्मिक समुदाय से संबंधित होती हैं।इसको पढ़ने के बाद विद्यार्थी :-

1. विद्यार्थी माध्यम के रूप में सिनेमा और तकनीक के परिचय के बारे में जानेंगे।
2. वे भारत में सिनेमा और टेलीविजन के इतिहास के बारे में जानेंगे।
3. वे मीडिया के सामाजिक-राजनीतिक तंत्र को समझेंगे
4. वे दृश्यपटल में स्त्री के बारे में भी जानेंगे।

7 .अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

CLO 1	बोध	• सिनेमा और तकनीक के परिचय के बारे में जानेंगे। • भारत में सिनेमा और टेलीविजन के इतिहास के बारे में जानेंगे।
CLO 2	ज्ञान	• मीडिया के सामाजिक-राजनीतिक तंत्र को समझेंगे
CLO 3	चिंतन	• दृश्यपटल में स्त्री के बारे में भी जानेंगे।

8. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण		
मॉड्यूल-1	**संचार के मूलभूत तत्व**				**15**	**25**
	संचार क्या है?	**03**	**01**	**01**		
	संचार के प्रकार	**03**	**01**	**01**		
	जनसंचार की प्रक्रिया एवं सिद्धांत	**02**				
	मीडिया को देखने की स्त्री दृष्टि	**02**	**01**			
मॉड्यूल- 2	**भारत में सिनेमा**				**17**	**28.33**
	भारत में सिनेमा की विकास यात्रा	**02**	**01**			
	सिनेमा में प्रस्तुत स्त्रियाँ	**03**		**01**		

	सिनेमा में अच्छी और खराब स्त्री	**03**	**01**			
	स्त्री निर्मित सिनेमा	**02**				
मॉड्यूल-3	**भारत में टेलीविजन**				**16**	**26.66**
	भारत में टेलीविजन की विकास यात्रा	**03**	**01**			
	विज्ञापनों में स्त्री प्रस्तुतिकरण	**03**	**01**	**02**		
	समाचारों में स्त्री विषयक मुद्दे	**02**	**01**	**01**		
	धारावाहिकों में स्त्री छवि	**02**				
मॉड्यूल-4	**21वीं सदी में मीडिया और स्त्री**				**12**	**20**
	वैश्वीकरण का सिनेमा पर प्रभाव	**03**	**01**	01		
	सिनेमा में स्त्री की बदलती छवि	**02**	**01**			
	वेब सिरीज में स्त्रियों का प्रस्तुतीकरण	**03**	**01**			
	सोशल मीडिया और स्त्री	**02**	01	**01**		
योग		**40**	12	**08**	**60**	**100**

टिप्पणी:

1. पाठयचर्या की आवश्यकतानुसार व्याख्यान, ट्यूटोरियल एवं संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला के अनुपात में परिवर्तन संभव।
2. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
3. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

9. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित
विधियाँ	व्याख्यान, संवाद, प्रश्नोत्तरी, फिल्म, समूहचर्चा,सेमिनार
तकनीक	आई सी टी (**ICT**)
उपादान	MOODLE,LMS, YouTube,Film Screenimg

10.पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य **1**	लक्ष्य **2**	लक्ष्य **3**	लक्ष्य **4**	लक्ष्य **5**	लक्ष्य **6**	लक्ष्य **7**	लक्ष्य **8**

पाठ्यचर्या द्वारानियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✗	✓

11. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

5. *विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा
6. #विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

12.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/ पाठ्य ग्रंथ	1. Berger, john. (1972). Ways of seeing, UK: Penguin Books 2. Mulvey,laura. (1975). Visual pleasure and narrative cinema, Columbia: Columbia.edu 3. Berger,John,(1990), Ways of Seeing: Based on the BBC Television Series,London: Penguin Books 4. चॉम्स्की, नोम.(2006). जनमाध्यमों का माया लोक, नई दिल्ली: ग्रंथ शिल्पी 5. विलियम्स, रेमण्ड. (2000). संचार माध्यमों का वर्ग चरित्र, नई दिल्ली: ग्रंथ शिल्पी
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. Wolf,Naomi. 1990. The Beauty Myth.UK: Chatto &Windus 2. Saran, Renu, (2003),History of Indian Cinem.New Delhi: Diamond Pocket Books 3. Deshpande,Anirudh, (2013),Class, Power And Consciousness In Indian Cinema And Television. New York: Primus Books 4. विलियम्स, रेमण्ड. (2010). टेलीविजन. नई दिल्ली: ग्रंथ शिल्पी. 5. शिलर. हरबर्ट आई. (2002). संचार माध्यम और सांस्कृतिक वर्चस्व नई दिल्ली: ग्रंथ शिल्पी 6. गोल्डिंग, पीटर.(2010). जनमाध्यम. नई दिल्ली: ग्रंथ शिल्पी 7. पारख,जवरीमल्ल. (2006). हिन्दी सिनेमा का समाजशास्त्र. नई दिल्ली: ग्रंथ शिल्पी

		8. चतुर्वेदी,जगदीश्वर एवं सिंह, सुधा. (2010). डिजिटल युग में मासकल्चर और विज्ञापन. नई दिल्ली: अनामिका प्रकाशन.
3	ई-संसाधन	1. Contemporary Woman in Television Fiction: Deconstructing Role of 'Commerce' and 'Tradition' Author(s): Centre for Advocacy and Research Source: Economic and Political Weekly , Apr. 26 - May 2, 2003, Vol. 38, No. 17 (Apr. 26 - May 2, 2003), pp. 1684-1690 Published by: Economic and Political Weekly Stable URL: https://www.jstor.org/stable/4413493 2. Revisiting Television in India Author(s): SudhansubalaSahu Source: Sociological Bulletin , August 2018, Vol. 67, No. 2 (August 2018), pp. 204-219 Published by: Sage Publications, Inc. Stable URL: https://www.jstor.org/stable/10.2307/48566220 3. Women's Depiction by the Mass Media Author(s): Gaye Tuchman Source: Signs , Spring, 1979, Vol. 4, No. 3 (Spring, 1979), pp. 528-542 Published by: The University of Chicago Press Stable URL: https://www.jstor.org/stable/3173399 4. WOMEN'S ISSUES IN INDIA: ROLE AND IMPORTANCE OF MEDIA Author(s): Purnima Ojha Source: The Indian Journal of Political Science , Jan - March, 2011, Vol. 72, No. 1 (Jan - March, 2011), pp. 87-102 Published by: Indian Political Science Association Stable URL: https://www.jstor.org/stable/42761809 5. Revisiting 1947 through Popular Cinema: A Comparative Study of India and Pakistan Author(s): GITA VISWANATH and SALMA MALIK Source: Economic and Political Weekly , SEPTEMBER 5-11, 2009, Vol. 44, No. 36 (SEPTEMBER 5-11, 2009), pp. 61-69 Published by: Economic and Political Weekly Stable URL: https://www.jstor.org/stable/25663519
4	अन्य	

Template for the Course

घटक	घंटे
कक्षा/व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल	05
संवाद कक्षा	05
कुल क्रेडिट घंटे	**30**

1. **पाठ्यचर्या का नाम:** भाषा एवं जेंडर
   (Name of the Course): Language and Gender

   (Elective Paper)

2. **पाठ्यचर्या का कोड:** BAWSE3
   (Code of the Course) BAWSE3

3. **क्रेडिट(Credit):** 2
4. **द्वितीय वर्ष**
5. **सेमेस्टर:**तृतीय **(Semester: Third)**

6.पाठ्यचर्या विवरण

हमारे समाज में भाषा व्यक्तियों के मध्य संप्रेषण का सबसे सशक्त माध्यम मानी जाती है। भाषा समाज में व्याप्त सत्ता संबंधो को भी प्रतिबिंवित करता है। जिससे हमें सामाजिक संरचनाओं यथा जाति, वर्ग, धर्म एवं लैंगिक पहचानों का बोध होता है। साथ ही हम भाषा के ही माध्यम से असमानता एवं भेदभाव की भांवना को समझते हैं। हमारे जीवन में हम कई ऐसे शब्दों, मुहावरों एवं लोकोक्तियों से परिचित होते हैं जिनमें पितृसत्ताक विचारधारा निहित होती है और जेंडर की सामाजिक-सांस्कृतिक निर्मिति में इन भाषाओं एवं बोलियों की अहम भूमिका होती है। इसको पढ़ने के बाद विद्यार्थी :-

1. भाषा की संकल्पना एवं उसकी निर्मिति से परिचित
2. भाषा की सत्ता को समझ सकेंगे।
3. पितृसत्तात्मक भाषा एवं जेंडर भेदभाव से परिचित होंगे।
4. स्त्री भाषा की संभावना एवं उसकी सृजनात्मकता के विविध रूपों यथ कविता, कहानी, आत्मकथा में भाषा के प्रयोगों को पढ़ेगें।

7.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)

CLO 1	बोध	• विद्यार्थी भाषा की संकल्पना एवं उसकी निर्मिति से परिचित होंगे। • भाषा की सत्ता को समझ सकेंगे।

CLO 2	ज्ञान	• पितृसत्तात्मक भाषा एवं जेंडर भेदभाव से परिचित होंगे।
CLO 3	चिंतन	• स्त्री भाषा की संभावना एवं उसकी सृजनात्मकता के विविध रूपों तथा कविता, कहानी, आत्मकथा में भाषा के प्रयोगों को पढ़ेगें।

8.पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण		
मॉड्यूल-1	**जेंडर, भाषा और सत्ता**				**14**	**46.66**
	भाषा संप्रेषण के रूप में	**02**	**01**	01		
	भाषा और सत्ता का अंतरसंबंध	**02**	**01**			
	भाषा और सत्ता एवं पितृसत्ता	**03**	**01**	01		
	जेंडर की निर्मित में भाषा की भूमिका	**02**				
मॉड्यूल- 2	**स्त्री भाषा**				**16**	**53.33**
	कविता एवं स्त्री (अनामिका)	**02**	**01**			
	कथा लेखन परंपरा एवं स्त्री	**03**		**01**		
	आत्मकथा लेखन एवं स्त्री	**02**	**01**	01		
	हिन्दी उपन्यास लेखन एवं स्त्री	**02**				
	कविता एवं स्त्री (अनामिका)	**02**		01		
योग		**20**	**05**	**05**	**60**	**100**

टिप्पणी:

1. पाठयचर्या की आवश्यकतानुसार व्याख्यान, ट्यूटोरियल एवं संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला के अनुपात में परिवर्तन संभव।

2. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उपशीर्षक रखे जा सकते हैं।
3. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

9. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित
विधियाँ	व्याख्यान, संवाद, प्रश्नोत्तरी, फिल्म, समूहचर्चा,सेमिनार
तकनीक	आई सी टी (ICT)
उपादान	MOODLE,LMS, YouTube,Film Screenimg

10.पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य **1**	लक्ष्य **2**	लक्ष्य **3**	लक्ष्य **4**	लक्ष्य **5**	लक्ष्य **6**	लक्ष्य **7**	लक्ष्य **8**
पाठ्यचर्या द्वारानियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	✓	✓	✗	✗	✓

11. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

12.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/ पाठ्य ग्रंथ	1 Bodine, Ann (1975). Androcentrism in prescriptive grammar: Singular 'they,' sex-indefinite 'he,' and 'he or she'. Language in Society, 4: 129-46. 2 Cameron, D. (1992). Feminism and Linguistic Theory. 2nd edition. London: Macmillan. 3 Cameron, Deborah and Don Kulick (2003). Talking sex and thinking sex: the linguistic and discursive construction of sexuality. In Deborah Cameron and Don Kulick Language and Sexuality. Cambridge and New York: Cambridge University Press. (pp 15-43). 4 Chakravarty, Radha (2008). Feminism and contemporary Women Writers: Rethinking Subjectivity. New Delhi: Routledge.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1 Mann, Rajwanti (2011). Social Radicalism in Urdu literature: A Study of Gender Issues and Problems, 1930-1960. New Delhi: Manohar. 2 Petievich, Carla (2007). When men Speak as Women: Vocal masquerade in Indo-Muslim Poetry. New Delhi: Oxford University Press. 3 Roy, Anindyo (2006).Civility, Literature and Culture in British India, 1822-1922. London and New York: Routledge. 4 Stuart Blackburn and Vasudha Dalmia (ed). (2010). India's Literary History: Essays on the nineteenth Cenuty. Delhi: Permanent Black.
3	ई-संसाधन	1. Talbot, M., Atkinson, K., & Atkinson, D. (2003). ACKNOWLEDGEMENTS. In *Language and Power in the Modern World* (pp. vi–vi). Edinburgh University Press. http://www.jstor.org/stable/10.3366/j.ctt1r24nd.3 2. Bergvall, V. L. (1999). Toward a Comprehensive Theory of Language and Gender. *Language in Society*, *28*(2), 273–293. http://www.jstor.org/stable/4168929 3. Eckert, P., & Sally Mcconnell-Ginet. (1999). New Generalizations and Explanations in Language and Gender Research. *Language in Society*, *28*(2), 185–201. http://www.jstor.org/stable/4168924 4. Eckert, P., & McConnell-Ginet, S. (1992). Think Practically and Look Locally: Language and Gender as Community- Based Practice. *Annual Review of Anthropology*, *21*, 461–490. http://www.jstor.org/stable/2155996 5. Cameron, D. (1998). Gender, Language, and Discourse: A Review Essay. *Signs*, *23*(4), 945–973. http://www.jstor.org/stable/3175199

4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1. **पाठ्यचर्याका नाम: जेंडर, यौनिकता एवं आधुनिकता**
   (Name of the Course): Gender, Sexuality and Modernity

घटक	घंटे
कक्षा/ व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल	12
संवाद कक्षा	**08**
कुल क्रेडिटघंटे	60

2. पाठ्यचर्याकाकोड: BAWS10
(Code of the Course)

3. क्रेडिट(Credit): 04

4. द्वितीय वर्ष

5. सेमेस्टर:चतुर्थ**(Semester:** Fourth)

6 . पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course):

यह पाठ्यचर्या विद्यार्थियों में जेंडर और यौनिकता की समझ का विकास करने हेतु निर्मित की गयी है। समाज में जातिगत एवं जेंडरगत विभेद के कारण यौनिकता पर ख़ास तरीके से नियंत्रण रखा जाता है। इस नियंत्रण में विविध यौनिक पहचानों से जुड़े लोग अक्सर हिंसा के शिकार बनाये जाते हैं। समाज में जाति व्यवस्था की मजबूती के कारण बाजार भी विषम लिंगी संबंधों को एक आदर्श स्थिति के रूप में प्रस्तुत करता है। इस कारण यौनिकता से संबंधित विविधताएं और उनकी चुनौतियां चर्चा का विषय नहीं बनती। इस पाठ्यचर्या में यौनिकता से संबंधी विविध मुद्दों जैसे कि समाजीकरण,शरीर पर अधिकार, यौनिक पहचान, जाति, हिंसा, स्वास्थ्य, प्रजनन, बाजार के नियंत्रण आदि को बहस के केंद्र में लाया गया है।इसको पढ़ने के बाद विद्यार्थी :-

1- विद्यार्थीजेंडर और यौनिकता के सम्बन्ध को समझेंगे।
2- विविध यौनिकताओं एवं यौनिक अधिकारों की जानकारी प्राप्त करेंगे।
3- यौनिकता पर बाजार के नियंत्रण से पैदा हुई चुनौतियों को समझेंगे।
4- यौनिक स्वास्थ्य और प्रजनन तकनीक के बारे में समझ विकसित करेंगे।

7 .अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

CLO 1	बोध	• जेंडर और यौनिकता के सम्बन्ध को समझेंगे। • यौनिकताओं एवं यौनिक अधिकारों की जानकारी प्राप्त करेंगे।
CLO 2	ज्ञान	• यौनिकता पर बाजार के नियंत्रण से पैदा हुई चुनौतियों को समझेंगे।
CLO 3	चिंतन	• यौनिक स्वास्थ्य और प्रजनन तकनीक के बारे में समझ विकसित करेंगे।

8. **पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)**

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण		
मॉड्यूल-1	**जेंडर एवं यौनिकता**				**15**	**25**
	यौनिकता की समझ	**03**	**01**	**01**		
	यौनिकता के आयाम	**03**	**01**			
	जेंडर एवं यौनिकता में अंतर्संबध	**02**		**01**		
	विविध जेंडर एवं यौनिकताएं	**02**	**01**			
मॉड्यूल- 2	**यौन नियंत्रण की विविध स्वरूप एवं रचनाएं**				**17**	**28.33**
	विवाह संस्था	**02**	**01**			
	मातृत्व	**03**		**01**		
	जाति एवं वर्ग	**03**	**01**			
	हिंसा	**02**		**01**		
मॉड्यूल-3	**आधुनिकता एवं यौनिकता**				**16**	**26.66**
	यौन अधिकार आंदोलन : परिचय	**03**	**01**			
	इतिहास एवं विकास	**03**	**01**	**01**		
	यौनिकता संबंधो समकालीन विमर्श	**02**	**01**	**01**		
	प्रमुख नेतृत्व	**02**				
मॉड्यूल-4	**यौनिकता , आन्दोलन एवं अधिकार**				**12**	**20**
	यौनिकता की अभिव्यक्ति का सिनेमा	**03**	**01**	01		
	विद्यार्थियों के अनुभव	**02**	**01**			
	वेब सीरीज	**03**	**01**			
	विद्यार्थियों की गतिविधि	**02**	01	**01**		
योग		**40**	12	**08**	**60**	**100**

टिप्पणी:

1. पाठयचर्या की आवश्यकतानुसार व्याख्यान, ट्यूटोरियल एवं संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला के अनुपात में परिवर्तन संभव।
2. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उपशीर्षक रखे जा सकते हैं।
3. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

9. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित
विधियाँ	व्याख्यान, संवाद, प्रश्नोत्तरी, फिल्म, समूहचर्चा,सेमिनार
तकनीक	आई सी टी (ICT)
उपादान	MOODLE,LMS, YouTube,Film Screenimg

10. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य **1**	लक्ष्य **2**	लक्ष्य **3**	लक्ष्य **4**	लक्ष्य **5**	लक्ष्य **6**	लक्ष्य **7**	लक्ष्य **8**
पाठ्यचर्या द्वारानियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓

11. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):
सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

1. *विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
2. #विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

12.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/ पाठ्य ग्रंथ	1. चक्रवर्ती, उमा. (2011). जाति समाज में पितृसत्ता. नई दिल्ली: ग्रंथशिल्पी . 2. दुबे, लीला. (2004). लिंगभाव का मानववैज्ञानिक अन्वेषण: एक प्रतिच्छेदी क्षेत्र. नई दिल्ली: वाणी. 3. नागर,ए.लाल.(2010).ये कोठेवलियाँ.नयी दिल्लीलोकभारती:.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. Mary E John. (2008). Women's Studies in India: A Reader.New Delhi: Penguin. 2. Joseph Bristow. (1997). Sexuality. NewYork: Routledge. 3. नायर,जानकी,जॉन,मैरी ई .(2008). कामसूत्र से कामसूत्र तक . नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन . 4. रणजीत, अभिज्ञान,पूर्वा भारद्वाज . (2011). जेंडर और शिक्षा रीडर भाग 2 . नई दिल्ली: निरंतर.` 5. साधना आर्यएवं अन्य. (2001). नारीवादी राजनीति . नई दिल्ली : हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय. 2. सिंह शरद (2020) थर्ड जेंडर विमर्श . नई दिल्ली: सामयिक प्रकाशन.
3	ई-संसाधन	1. https://www.jagori.org/sites/default/files/publication/Hum-Sabla.pdf 2. https://www.jagori.org/sites/default/files/publication/hum-sabla_apr-june08-1.pdf 3. https://creaworld.org/wp-content/resources/publications/hindi-publications/yaunikta%20aur%20Adhikar.pdf 4. https://creaworld.org/wp-content/resources/publications/hindi-publications/Yaunik-Adhikaron-Par-Vichar-Vimarsh.pdf 5. https://creaworld.org/wp-content/resources/publications/hindi-publications/SRHM-Issue-2-2007---Prajanan-Swaasthya-Va-Adhikar.pdf
4	अन्य	**फिल्में:** दरमियाँ, दायरा, फिलहाल, इज़्ज़तनगर की असभ्य बेटियाँ आदि

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

घटक	घंटे

कक्षा/व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल	12
संवाद कक्षा	08
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

1. **पाठ्यचर्या का नाम:** जाति, वर्ग एवं जेंडर
(Name of the Course): Caste class and gender

2. **पाठ्यचर्या का कोड:** BAWS011
(Code of the Course) BAWS011

3. क्रेडिट(Credit): 4

4. द्वितीय वर्ष

5. सेमेस्टर:चतुर्थ **(Semester)Fourth**

6. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

प्रस्तुत पाठ्यक्रम जेंडर को जाति एवं वर्ग की श्रेणियों के अंतरसंबंधों के साथ समझने का बोध पैदा करती है। यह पाठ्यक्रम इसलिए बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि यह भारत के संदर्भ में पितृसत्ता और जाति व्यवस्था के अंतरसंबंधों का समझने का मार्ग प्रशस्त करता है। भारत में पितृसत्ता का कोई एक रूप नहीं है और यह कहीं न कहीं जाति की संरचना से अभिन्न रूप से जुड़ा है। भारत में पितृसत्ता का स्वरूप विभिन्न हिस्सों में अलग-अलग व विभिन्न जातीय समूहों में अलग-अलग दिखाई देता है। इसलिए इस पाठ्यक्रम में जाति व्यवस्था के विभिन्न सैद्धांतिक पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई है, जिससे विद्यार्थी जाति के विभिन्न सिद्धांतों को जान पाएंगे। इसी के साथ-साथ इस पाठ्यक्रम की महत्वपूर्ण विशेषता जनजाति समाज में स्त्रियों की उत्पादन में भूमिका व उनकी सामाजिक स्थिति में आ रहे बदलावों को समझना है। प्रस्तुत पाठ्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य वर्ग की अवधारणा एवं जाति के साथ उसके अंतरसंबंधों को समझना भी है।इसको पढ़ने के बाद विद्यार्थी :-

1. विद्यार्थी जाति के विभिन्न सिद्धांतों के बारे में जानेंगे।
2. वे जाति और जेंडर के अंतरसंबंधों के बारे में जानेंगे।
3. वे जनजाति और जाति के अंतरसंबंधों एवं जनजाति समाज में स्त्रियों की सामाजिक स्थिति को समझेंगे।
4. वे वर्ग की अवधारणा के बारे में भी जानेंगे।

7 .अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

CLO 1	बोध	• जाति के विभिन्न सिद्धांतों के बारे में जानेंगे। • जाति और जेंडर के अंतरसंबंधों के बारे में जानेंगे।
CLO 2	ज्ञान	• जनजाति और जाति के अंतरसंबंधों एवं जनजाति समाज में स्त्रियों की सामाजिक स्थिति को समझेंगे।
CLO 3	चिंतन	• वर्ग की अवधारणा के बारे में भी जानेंगे।

8. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण		
मॉड्यूल-1	**भारतीय समाज में जाति**				**15**	**25**
	जाति का परिचय	**03**	**01**	**01**		
	जाति व्यवस्था का उद्भव एवं विकास	**02**	**01**			
	प्रमुख विचारकों की नजर में जाति (बी.आर. अंबेडकर, फुले, पेरियार)	**04**		**01**		
	जाति पर आधारित समकालीन मुद्दे	**02**	**01**			
मॉड्यूल- 2	**वर्ग की अवधारणा**				**17**	**28.33**
	वर्ग का परिचय	**04**	**01**	**01**		
	पूर्व-औपनिवेशिक भारत में वर्ग	02		**01**		
	औपनिवेशिक भारत में वर्ग	02	**01**			
	उत्तर-औपनिवेशिक भारत में जाति, वर्ग एवं राजनीति	03				
मॉड्यूल-3	**जाति, वर्ग एवं जेंडर में अंतरसंबंध**				**16**	**26.66**
	जाति व जेंडर में अंतरसंबंध	02	**01**			
	वर्ग व लिंग में अंतरसंबंध	02	**01**	01		
	जाति, वर्ग एवं जेंडर में अंतरसंबंध	03	**01**	01		
	जाति और जेंडर के अंतरसंबंधों का सिनेमा में प्रस्तुतीकरण	**02**				
मॉड्यूल-4	**जनजाति समाज और जेंडर प्रश्न**				**12**	**20**
	जनजाति समाज की परंपरागत संरचना	**03**	**01**	01		
	जनजाति समाज में रूपांतरण एवं जेंडर प्रश्न	02	**01**			
	अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के लिए संवैधानिक प्रावधान	02	**01**			
	जनजाति : विकास एवं कल्याण से जुड़े मुद्दे	**02**		**01**		
योग		**40**	12	**08**	**60**	**100**

टिप्पणी:

1. पाठयचर्या की आवश्यकतानुसार व्याख्यान, ट्यूटोरियल एवं संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला के अनुपात में परिवर्तन संभव।
2. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उपशीर्षक रखे जा सकते हैं।
3. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

9. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित
विधियाँ	व्याख्यान, संवाद, प्रश्नोत्तरी, फिल्म, समूहचर्चा,सेमिनार
तकनीक	आई सी टी (**ICT**)
उपादान	MOODLE,LMS, YouTube,Film Screenimg

10.पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य **1**	लक्ष्य **2**	लक्ष्य **3**	लक्ष्य **4**	लक्ष्य **5**	लक्ष्य **6**	लक्ष्य **7**	लक्ष्य **8**
पाठ्यचर्या द्वारानियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	✓	✓	✗	✓	✓

11. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):
सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

3. *विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

12.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/ पाठ्य ग्रंथ	1. चक्रवर्ती उमा. (2011). जाति समाज में पितृसत्ता, नई दिल्ली: ग्रंथ शिल्पी. 2. भीमराव अम्बेडकर.(2008). जाति भेद का उच्छेद, नई दिल्ली: गौतम बुक सेंटर. 3. Dumont, Louise.(1996), Homo Hirarchicus, Oxford: Oxford university press.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1 Meillasoux, Claude, (1973) 'Are There CastesIn India,' Economy AndSociety. pp. 89-111 2 Guru, Gopal, (1995). Dalit Women Speak Differently, Economic And Political Weekly, Volume 30, Oct- 14-21, 3 Rege, Sharmila. (2006). Writing Caste, Writing Gender: Reading Dalit women's Testimonies, New Delhi: Zubaan 4 Hasnain, Nadeem.(2009). Tribal India, New Delhi:Jawaharlal Publisher And Distributors 5 Sachchidananda.(1970).Tribe Caste Continuum: A Case Study OfThe Gond In Bihar, Anthropos, Bd. 65, H. 5/6. pp. 973-99 6 Horace,miner.(1952). the folk-urban continuum, American Sociological Review, Vol. 17, No. 5, pp. 529-537 7 Jun,DN.(1988).Significance of Women's Position in Tribal Society, Economic and Political Weekly, Vol. 23, No. 26, pp.1311-1312 8 K,Mann.(1993). Tribal Women Development and Integration,Indian Anthropologist. Vol. 23, No. 2 pp. 17-31 9 Bottomore,T.B.(1995). Classes in Modern Society, New York: Harper Collins Publishers 10 KrishnaRaj,Maithreyi&Kanchi,Aruna. (2008). Women Farmer in India, New Delhi: National book trust
3	ई-संसाधन	1. www.stopfundinghate.org/resources/AmbedkarAnnihilation of Castes.pdf 2. Chakravarti, U. (1993). Conceptualising Brahmanical Patriarchy in Early India: Gender, Caste, Class and State. *Economic and Political Weekly*, *28*(14), 579–585. http://www.jstor.org/stable/4399556 3. REGE, S., DEVIKA, J., KANNABIRAN, K., JOHN, M. E., SWAMINATHAN, P., & SEN, S. (2013). Intersections of Gender and Caste. *Economic and Political Weekly*, *48*(18), 35–36. http://www.jstor.org/stable/23527306

		4. KRISHNARAJ, M. (2011). Women and Water: Issues of Gender, Caste, Class and Institutions. *Economic and Political Weekly*, *46*(18), 37–39. http://www.jstor.org/stable/41152341 5. Vaid, D. (2012). The Caste-Class Association in India: An Empirical Analysis. *Asian Survey*, *52*(2), 395–422. https://doi.org/10.1525/as.2012.52.2.395
4	अन्य	1. Documentary, Izzat Nagar Ki AsabhyBetiyanDirectedBy Nakul Sahni 2010 2. Sairat (movie), Director- Nagraj Manjule 2016 3. Ankur (movie), Director- ShyamBenegal 1974

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

घटक	घंटे
कक्षा/व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल	12
संवाद कक्षा	08
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

1. **पाठ्यचर्या का नाम:** स्त्री एवं सामाजिक समावेशन
(Name of the Course): Women and Social Inclusion

2. **पाठ्यचर्या का कोड:** BAWS012
(Code of the Course) BAWS012

3. **क्रेडिट(Credit):** 4

4. **तृतीय वर्ष**

5. **सेमेस्टर:**चतुर्थ सेमेस्टर(**Semester:** Fourth)

6. **पाठ्यचर्या विवरण**

इस पत्र का उद्देश्य समाज के सीमांत समुदायों से संबंधित महिलाओंके बारे में विद्यार्थियों को अवगत कराना है| इस पत्र का लक्ष्यसामाजिकन्याय और संसाधनों तक पहुंचकी स्थिति से परिचित करवाना है| इस पत्र मेंजेंडर के नजरिए से सामाजिक बहिष्कार से संबंधित बुनियादीअवधारणाओं और सिद्धांतों से परिचित होते हुए विद्यार्थी सामाजिक रूप से बहिष्कृत और हाशिए के समूहों से संबंधित मुद्दों को समझेंगे|महिलाओं के हाशिए पर जाने से संबंधित मुद्दों से निपटने के लिए रणनीति विकसितकरने की प्रक्रिया को समझेंगे।इसके अतिरिक्त इस पत्र का मुख्य उद्देश्यसामाजिक समावेशन की आवश्यकता एवं प्रासंगिकता से विद्यार्थियों को अवगत कराना है इसको पढ़ने के बाद विद्यार्थी :-

1. सामाजिक समावेशन की आवश्यकता एवं प्रासंगिकता से परिचित होंगे|
2. परिधि की स्त्रियों की समस्याओं एवं उनसे संबंधितमुद्दों की पहचान करना सीखेंगे।
3. जाति,जनजाति एवं अल्पसंख्यक आदि आधारित समावेशन से परिचित होंगे।
4. सामाजिक बहिष्करण के कारण के कारणों को समझेंगे।

7. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

CLO 1	बोध	• सामाजिक समावेशन की आवश्यकता एवं प्रासंगिकता से परिचित होंगे। • परिधि की स्त्रियों की समस्याओं एवं उनसे संबंधित मुद्दों की पहचान करना सीखेंगे।
CLO 2	ज्ञान	• जाति, जनजाति एवं अल्पसंख्यक आदि आधारित समावेशन से परिचित होंगे।
CLO 3	चिंतन	• सामाजिक बहिष्करण के कारण के कारणों को समझेंगे।

8. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण		
मॉड्यूल-1	**सामाजिक समावेशन**				**15**	**25**
	सामाजिक बहिष्करण के मायने	**03**	**01**	**01**		
	सामाजिक समावेशन के अवरोधक तत्व : गरीबी, लैंगिक पहचान, जाति, धार्मिक पहचान	04	**01**			
	सामाजिक समावेशन की आवश्यकता एवं प्रासंगिकता	03		**01**		
	समावेशन की विधियां	**02**	**01**			
मॉड्यूल- 2	**परिधि की स्त्रियाँ**				**17**	**28.33**
	परिधि की स्त्रियों की पहचान	**02**	**01**			
	जीवन परिस्थियतियां	02		**01**		
	सामाजिक बहिष्करण के कारण	**03**	**01**	**01**		
	स्त्री समावेशन के प्रयास	**02**				
मॉड्यूल-3	**पहचान आधारित समावेशन**				**16**	**26.66**
	जाति आधारित समावेशन	**03**	**01**			
	जनजाति आधारित समावेशन	02	**01**	01		
	अल्पसंख्याक आधारित समावेशन	02	**01**	01		
	कामगार आधारित समावेशन	**02**				
मॉड्यूल-4	**दिव्यांग स्त्रियों का समावेशन**				**12**	**20**
	शारीरिक दिव्यांग महिलायें	**03**	**01**	01		
	मानसिक दिव्यांग महिलायें	**02**	**01**			
	यौन हिंसा की शिकार महिलायें	**03**	**01**			
	अवरोधक तत्व	**02**	01	**01**		

योग		40	12	08	60	100

टिप्पणी:

1. पाठयचर्या की आवश्यकतानुसार व्याख्यान, ट्यूटोरियल एवं संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला के अनुपात में परिवर्तन संभव।
2. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
3. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

9. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित
विधियाँ	व्याख्यान, संवाद, प्रश्नोत्तरी, फिल्म, समूहचर्चा,सेमिनार
तकनीक	आई सी टी (ICT)
उपादान	MOODLE,LMS, YouTube,Film Screenimg

10.पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य **1**	लक्ष्य **2**	लक्ष्य **3**	लक्ष्य **4**	लक्ष्य **5**	लक्ष्य **6**	लक्ष्य **7**	लक्ष्य **8**
पाठ्यचर्या द्वारानियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓

11. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):
सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

4. *विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।**12.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ**

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/ पाठ्य ग्रंथ	1 Briggs, G. W. (1920). The Chamars. Calcutta: Association Press. 2 Chakravarti, U. (2003). Gendering Caste Through a Feminist Lens. Calcutta 3 Channa, Subhadra Mitra(2014.). Gender in South Asia: Social Imagination and Constructed realities. New Delhi: Cambridge University Press, 4 Couldry, Nick(2010). Why Voice Matters: Culture and Politics after Neoliberalism. London: Sage, 5 Engineer, Ali Asghar.(1995) Problems of Muslim Women in India. Bombay: Orient Longman, 6 Ghadially, Rehana. (1991) All for Izzat: The Practice of Female Circumcision among Bohra Muslims in India. Women Living Under Muslim Law: dossier no. 16 (1991): 13-17. Hasan, Zoya (ed.)(1994). Forging Identities: Gender, Communities and the State. New Delhi: Kali for Women, 7 Hashia, Hasina (ed.).(1998) Muslim Women in India Since Independence: Feminist Perspectives. New Delhi: Institute of Objective Studies 8 Aloysius et al. (2012) Dalit women speak out: caste, class and gender violence in India. New Delhi :Zubaan, 9 Jacobsh, D. R. (2010). Sikhism and Women: History, Texts and Empire. New York: OUP. 10 Jeffrey, Patricia and Basu, Amrita (ed.).(1998) Appropriating Gender, Women's Activism and Politicised Religion in South Asia. New York: Routledge,. 11 Kothari, R. (2005). Rethinking Democracy. New Delhi: Orient Longman.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1 Lateef, Shahida. (1990.) Muslim Women in India, Political and Private Realities: 1890s-1980s. New Delhi: Kali for Women, 2 Nandy, A. (1995). An Anti-Secularist Manifesto. India International Centre Quarterly, 22 (1), 35-64. 3 Narayan, B. (2006). Women Heroes and Dalit Assertion in North India: Culture, Identity and Politics. New Delhi: Sage. 4 Olivelle, P. (Ed.). (1999). Dharmasutras: The Law Codes of Ancient India. (P. Olivelle, Trans.) New York: Oxford University Press. 5 Paul, D. Y. (1979). Women in Buddhism: Images of the Feminine in Mahayana Tradition. Berkeley: Asian Humanities Press.

		6 R., Kathryn. Blackstone. (1998). Women in the footsteps of the Buddha: Struggles for Liberation in the Therigatha. England: Curzon Press. Rao, Anupama. Rethinking caste and gender. New Delhi : Kali for Women 7 Rege, Sharmila.(2013)Writing Caste, Writing Gender: Narrating Dalit Women's Destinies. New Delhi :Zubaan,. 8 Sharma, R. S. (1996). Aspects of Political Ideas and Institutions in Ancient India (4th Edition ed.). Delhi: Motilal Banarsidas.
3	ई-संसाधन	1. Nevile, A. (2007). Amartya K. Sen and Social Exclusion. *Development in Practice*, *17*(2), 249–255. http://www.jstor.org/stable/25548203 2. Sugunakararaju, S. R. T. P. (2012). SOCIAL MOVEMENTS AND HUMAN RIGHTS IN INDIA: AN OVERVIEW. *The Indian Journal of Political Science*, *73*(2), 237–250. http://www.jstor.org/stable/41856586 3. Das, N. K. (2009). Identity Politics and Social Exclusion in India's Northeast. A Critique of Nation-Building and Redistributive Justice. *Anthropos*, *104*(2), 549–558. http://www.jstor.org/stable/40467193 4. Singh, P. (2014). Persons with Disabilities and Economic Inequalities in India. *Indian Anthropologist*, *44*(2), 65–80. http://www.jstor.org/stable/43899390 5. Lareau, A., & Horvat, E. M. (1999). Moments of Social Inclusion and Exclusion Race, Class, and Cultural Capital in Family-School Relationships. *Sociology of Education*, *72*(1), 37–53. https://doi.org/10.2307/2673185
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

घटक	घंटे
कक्षा/व्याख्यान	43
ट्यूटोरियल	10
संवाद कक्षा	07
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

1. **पाठ्यचर्या का नाम:** प्रमुख नारीवादी चिंतक
   (Name of the Course): Major Feminist Thinkers
   (Elective Paper)
2. **पाठ्यचर्या का कोड:** BAWSE4
   (Code of the Course) BAWSE4
3. **क्रेडिट(Credit):** 04
4. **द्वितीय वर्ष**
5. **सेमेस्टर:** चतुर्थ सेमेस्टर (**Semester:** Fourth)

6. पाठ्यचर्या विवरण

प्रस्तुत पाठ्यचर्या के माध्यम से विद्यार्थी आधुनिक काल की प्रमुख नारीवादियों के विचारों एवं उनके कार्यों से परिचित हो सकेंगे। यह पाठ्यचर्या इस लिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें उन्नीसवीं शताब्दी में भारत में महिला नेतृत्वकर्ताओं द्वारा महिला शिक्षा की दिशा में किए गए उल्लेखनीय प्रयासों का समावेश किया गया है। प्रस्तुत पाठ्यचर्या में नारीवाद की विभिन्न धाराओं की प्रतिनिधि महिला चिंतकों के विचारों को शामिल किया गया है। इसी के साथ-साथ उक्त पाठ्यचर्या में हाशिये की महिलाओं के मुद्दों एवं अधिकारों संबंधी विषयों पर विस्तार से बात गई है।इसको पढ़ने के बाद विद्यार्थी :-

1. विद्यार्थी विभिन्न नारीवादी चिंतकों के महिला संबंधी विचारोंको समझ सकेंगे।
2. पंडिता रमाबाई, रकमाबाई,रूकैया सखावत हुसैन, सावित्रीबाई फुले, ताराबाई शिंदेआदि नारीवादियों के चिंतन में स्त्री विषयक विचारों का मूल्यांकन कर सकेंगे।
3. विद्यार्थी विभिन्न अंतरराष्ट्रीय नारीवादी विचारक जैसे मेरी वोल्स्टनक्राफ्ट, सीमोन द बोउवार, एलिसन एम. जैगर, एलेक्जेंड्रा कोल्लोंताई के महिला अधिकारों संबंधी कार्योंएवं विचारों से परिचित होंगें।
4. शर्मिला रेगे, रजनी तिलक, एलिस वाकर, फ्लेविया एग्नस के नारीवादी विचारों में दर्ज भिन्नता के स्वर को समझ सकेंगे।
5. आनन्दी बाई जोशी, दुर्गाबाई देशमुख, मेघा पाटकर, इरोम शर्मिला आदि प्रमुख नारीवादी हस्ताक्षरों के कार्यों से परिचित हो सकेंगे।

7. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)

CLO 1	बोध	• विद्यार्थी विभिन्न नारीवादी चिंतकों के महिला संबंधी विचारोंको समझ सकेंगे। • पंडिता रमाबाई, रकमाबाई,रूकैया सखावत हुसैन, सावित्रीबाई फुले, ताराबाई शिंदेआदि नारीवादियों के चिंतन में स्त्री विषयक विचारों का मूल्यांकन कर सकेंगे।
CLO 2	ज्ञान	• विद्यार्थी विभिन्न अंतरराष्ट्रीय नारीवादी विचारक जैसे मेरी वोल्स्टनक्राफ्ट, सीमोन द बोउवार, एलिसन एम. जैगर, एलेक्जेंड्रा कोल्लोंताई के महिला अधिकारों संबंधी कार्योंएवं विचारों से परिचित होंगें। • शर्मिला रेगे, रजनी तिलक, एलिस वाकर, फ्लेविया एग्नस के नारीवादी विचारों में दर्ज भिन्नता के स्वर को समझ सकेंगे।
CLO 3	चिंतन	• आनन्दी बाई जोशी, दुर्गाबाई देशमुख, मेघा पाटकर, इरोम शर्मिला आदि प्रमुख नारीवादी हस्ताक्षरों के कार्यों से परिचित हो सकेंगे।

8. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण		
मॉड्यूल-1	**स्त्री अधिकारों की प्रस्तावना**				**15**	**25**
	मेरी वोल्स्टनक्राफ्ट	**02**	**01**			
	पंडिता रमाबाई /रकमाबाई	**04**	**01**	01		

	रूकैया सखावत हुसैन	**02**	**01**			
	सावित्रीबाई फुले / ताराबाई शिंदे	**03**				
मॉड्यूल- 2	**स्त्री मुक्ति का स्वप्न**				**15**	**25**
	सीमोन द बोउवार	**03**	**01**			
	महादेवी वर्मा	**02**		**01**		
	एलिसन एम. जैगर	**03**	**01**	01		
	एलेक्जेंड्रा कोल्लोंताई	**03**				
मॉड्यूल-3	**भिन्नता के स्वर**				**15**	25
	शर्मिला रेगे	**03**	**01**			
	रजनी तिलक	**02**	**01**	**01**		
	एलिस वाकर	**02**	**01**			
	फ्लेविया एग्नस	**03**		01		
मॉड्यूल-4	**प्रमुख नारीवादी हस्तक्षेप**				**15**	**25**
	आनन्दीबाई जोशी	**03**	**01**	01		
	दुर्गाबाई देशमुख	**02**				
	मेघा पाटकर	**03**	**01**			
	इरोम शर्मिला	**03**		**01**		
योग		43	10	**07**	**60**	**100**

टिप्पणी:

1. पाठयचर्या की आवश्यकतानुसार व्याख्यान, ट्यूटोरियल एवं संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला के अनुपात में परिवर्तन संभव।
2. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
3. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

9. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित
विधियाँ	व्याख्यान, संवाद, प्रश्नोत्तरी, फिल्म, समूहचर्चा,सेमिनार
तकनीक	आई सी टी (ICT)

उपादान	MOODLE,LMS, YouTube,Film Screenimg

10.पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य **1**	लक्ष्य **2**	लक्ष्य **3**	लक्ष्य **4**	लक्ष्य **5**	लक्ष्य **6**	लक्ष्य **7**	लक्ष्य **8**
पाठ्यचर्या द्वारानियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓

11. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दोउत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

12. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/ पाठ्य ग्रंथ	1. आर्य साधना। निवेदिता मेनन। जिनी लोकनीता। (संपा), 2006। नारीवादी राजनीति, नई दिल्ली: हिन्दी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय। 2. कुमार, र. (2014).स्त्री संघर्ष का इतिहास .नई दिल्ली : वाणी . 3. रेखा, क. (2006). स्त्री चिंतन की चुनौतियाँ.नई दिल्ली: राजकमल प्रकाशन 4. Roy K. (ed.), (2001).Women in Early Indian Societies, New Delhi, Oxford University Press. 5. Scott J. (ed.),(1996) Feminism and History, New York, Oxford University Press.

2	संदर्भ-ग्रंथ	1. Gopal Guru. (1995). Dalit Women Talk Differently. *Economic and Political Weekly*, *30*(41/42), 2548–2550. http://www.jstor.org/stable/4403327 2. Sharmila Rege. (2000). "Real Feminism" and Dalit Women: Scripts of Denial and Accusation. *Economic and Political Weekly*, *35*(6), 492–495. http://www.jstor.org/stable/4408912 3. Durgabai. (1995). *India International Centre Quarterly*, *22*(4), 79–93. http://www.jstor.org/stable/23003866 4. Thapar, S. (1993). Women as Activists; Women as Symbols: A Study of the Indian Nationalist Movement. *Feminist Review*, *44*, 81–96. https://doi.org/10.2307/1395197
3	ई-संसाधन	1. Chaudhary, A. (2018). From Aspirations to Accomplishments: A Tribute to Rajni Tilak. *Indian Literature*, *62*(5 (307)), 44–47. https://www.jstor.org/stable/26792189 2. Whitsitt, S. (2000). In Spite of It All: A Reading of Alice Walker's "Everyday Use." *African American Review*, *34*(3), 443–459. https://doi.org/10.2307/2901383 3. Dolgopol, U. (1995). Women's Voices, Women's Pain. *Human Rights Quarterly*, *17*(1), 127–154. http://www.jstor.org/stable/762350 4. Flavia Agnes. (2002). Law, Ideology and Female Sexuality: Gender Neutrality in Rape Law. *Economic and Political Weekly*, *37*(9), 844–847. http://www.jstor.org/stable/4411809 5. Flavia Agnes. (1995). Hindu Men, Monogamy and Uniform Civil Code. *Economic and Political Weekly*, *30*(50), 3238–3244. http://www.jstor.org/stable/4403569
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

घटक	घंटे
कक्षा/ व्याख्यान	**42**
ट्यूटोरियल	**12**
संवाद कक्षा	06
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

1. **पाठ्यचर्या का नाम: जेंडर एवं विकास का राजनीतिक अर्थशास्त्र**
(Name of the Course): Political Economy of Gender and Development

2. **पाठ्यचर्या का कोड:** BAWS013
(Code of the Course) BAWS013

3. क्रेडिट(Credit): 4

4. तृतीय वर्ष

5. सेमेस्टर:पंचम सेमेस्टर**(Semester:** Fifth**)**

6. पाठ्यचर्या विवरण

प्रस्तुत पाठ्यक्रमजेंडर और विकास के राजनैतिक अर्थशास्त्र को समझने का बोध पैदा करता है। दुनिया के हर समाज के साथ-साथ भारतीय समाज में लिंग, जाति, वर्ग के आधार पर क्षेत्रीय भिन्नताएँ साफ दिखती हैं। इस वजह से विकास की विभिन्न प्रक्रियाओं का समाज के भिन्न-भिन्न तबकों पर अलग-अलग असर पड़ता है। इस पाठ्यक्रम में इस बात की विस्तार के साथ चर्चा की गई है कि क्या तीसरी दुनिया के देशों में आधुनिकीकरण की परियोजना का स्त्रियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है? इस पाठ्यक्रम में राजनैतिक अर्थशास्त्र पर विस्तार के साथ बात की गई है जिससे विद्यार्थी पूंजीवादी व्यवस्था के पितृसत्तात्मक पहलू को समझ सकेंगे। इस पाठ्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य नवउदारवाद की सैद्धांतिकी को समझना है। भारत में विकास के नवउदारवादी मॉडल ने स्त्री श्रम के अनौपचारिकीकरण को विस्तार दिया है तो वहीं दूसरी तरफ मुक्त व्यापार पर आधारित बाजारीकरण से स्त्रियों के वस्तुकरण को और बल मिला है। इसको पढ़ने के बाद विद्यार्थी :-

1. विद्यार्थी राजनैतिक अर्थशास्त्र की बुनियादी अवधारणाओं के बारे में जानेंगे।
2. वे मुख्यधारा के आर्थिक सिंद्धातों एवं उनकी स्त्रीवादीआलोचना के बारे में जानेंगे।
3. वे विकास की बहसों को समझेंगे।
4. वे मानव विकास की अवधारणाओं के बारे में भी जानेंगे।

7. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)

CLO 1	बोध	• विद्यार्थी राजनैतिक अर्थशास्त्र की बुनियादी अवधारणाओं के बारे में जानेंगे।

		• मुख्यधारा के आर्थिक सिंद्धातों एवं उनकी स्त्रीवादी आलोचना के बारे में जानेंगे।
CLO 2	ज्ञान	• विकास की बहसों को समझेंगे।
CLO 3	चिंतन	• मानव विकास की अवधारणाओं के बारे में भी जानेंगे।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण		
मॉड्यूल-1	**राजनैतिक अर्थशास्त्र के मूलभूत तत्व**				14	**23.34**
	राजनैतिक अर्थशास्त्र की बुनियाद	04	**01**			
	उत्पादन, श्रम एवं मूल्य	03	**01**			
	उत्पादन की पद्ति: संगठित एवं असंगठित क्षेत्र में महिलायें	02				
	उत्पादक एवं गैर-उत्पादक कार्य पर स्त्रीवादी बहस	**02**	**01**			
मॉड्यूल- 2	**जेंडर, विकास और भारतीय राष्ट्र राज्य**				**14**	**23.34**
	राष्ट्र राज्य और अर्थव्यवस्था : एक परिचय	03	**01**	**01**		
	पंचवर्षीय योजनाएं एवं विकास के आयाम	02		**01**		
	समान पारिश्रमिक अधिनियम (1976) - कार्य एवं भुगतान में लैंगिक भेदभाव	02	**01**			
	जेंडर संवेदनशीलता के क्षेत्र में राज्य के प्रयास	**02**	01			
मॉड्यूल-3	**विकास की बहसों का स्त्रीवादी विमर्श**				**16**	**26.66**
	विकास के विमर्श में स्त्रीवादी हस्तक्षेप	**03**	**01**			
	मानव विकास के विभिन्न आयाम	03	**01**	01		
	स्त्री एवं विकास के मुद्दों पर आयोजित विभिन्न सम्मेलन	03	**01**	01		
	सेल्फ हेल्प ग्रुप	**02**				
मॉड्यूल-4	**नव-उदारवाद एवं स्त्री**				16	**26.66**
	नव-उदारवाद की बुनियादी मान्यताएं	**03**	**01**	01		
	नव-उदारवाद का स्त्रीवादी मूल्यांकन	03	**01**			
	वैश्वीकरण और स्त्री श्रम	**03**	**01**			
	वैश्वीकरण पर स्त्रियों का प्रतिरोध	**02**		01		
योग		42	12	06	**60**	**100**

टिप्पणी:

1. पाठयचर्या की आवश्यकतानुसार व्याख्यान, ट्यूटोरियल एवं संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला के अनुपात में परिवर्तन संभव।
2. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उपशीर्षक रखे जा सकते हैं।
3. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

9. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित
विधियाँ	व्याख्यान, संवाद, प्रश्नोत्तरी, फिल्म, समूहचर्चा,सेमिनार
तकनीक	आई सी टी (**ICT**)
उपादान	MOODLE,LMS, YouTube,Film Screenimg

10.पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य **1**	लक्ष्य **2**	लक्ष्य **3**	लक्ष्य **4**	लक्ष्य **5**	लक्ष्य **6**	लक्ष्य **7**	लक्ष्य **8**
पाठ्यचर्या द्वारानियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓

11. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

12.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/ पाठ्य ग्रंथ	1. Smith Adam(1982): An Inquiry Into The Nature And Causes Of The Wealth Of Nations. UK: Penguin Books. 2. Eagleton Matthew. 2016.Neoliberalism: The Key Concepts.UK:Routledge. 3. Amin Samir. 2014. Capitalism In Age OfGlobalization: The Management Of Contemporary Society.London: Zed Books Ltd
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. Moghadam Valentine. 2011.The Women, Gender and Development Reader, London: Zed Books Ltd. 2. Kabeer Naila. Sudarshan Ratna.Milward Kirsty. (Ed.), 2013. Organizing Women Workers In The Informal Economy: Beyond The Weapons Of The Weak, London:ZedBooks Ltd. 3. Bhattacharya Tithi. (ed). 2017. Social Reproduction Theory: Remapping Class, Recentering Oppression, London: pluto press 4. देसाई,नीरा,ठक्कर ,ऊषा. (2009). भारतीय समाज में महिलाएं, नई दिल्ली: राष्ट्रीय पुस्तक न्यास. 5. खेतान,प्रभा. (2001). बाज़ार के बीच बाज़ार के खिलाफ.नई दिल्ली: वाणी प्रकाशन. 6. दुबे. अभय कुमार. (संपा). (2007). भारत का भूमंडलीकरण नई दिल्ली: वाणी प्रकाशन. 7. मेहता, जया. (2000). भूमंडलीकरण में महिलाओं का श्रम. होशंगाबाद: दिशा संवाद
3	ई-संसाधन	1. Downs, A. (1957). An Economic Theory of Political Action in a Democracy. *Journal of Political Economy*, *65*(2), 135–150. http://www.jstor.org/stable/1827369 2. Roseberry, W. (1988). Political Economy. *Annual Review of Anthropology*, *17*, 161–185. http://www.jstor.org/stable/2155910 3. West, E. G. (1969). The Political Economy of Alienation: Karl Marx and Adam Smith. *Oxford Economic Papers*, *21*(1), 1–23. http://www.jstor.org/stable/2662349 4. Cornwall, A. (1997). Men, Masculinity and "Gender in Development." *Gender and Development*, *5*(2), 8–13. http://www.jstor.org/stable/4030434 5. Mukhopadhyay, M., &MaitrayeeMukhopadhayay. (1995). Gender Relations, Development Practice and "Culture." *Gender and Development*, *3*(1), 13– http://www.jstor.org/stable/4030419
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

घटक	घंटे
कक्षा/व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल	12
संवाद कक्षा	08
कुल क्रेडिट घंटे	60

1.पाठ्यचर्याका नाम: जेंडर संवेदनशील योजना और नीति निर्माण

(Name of the Course): Gender sensitive planning and policy making

2.पाठ्यचर्या का कोड: BAWS014

(Code of the Course)BAWS014

3.क्रेडिट(Credit): 2

4.तृतीय वर्ष

5. सेमेस्टर: पंचम सेमेस्टर (Semester: Fifth)

6. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

प्रस्तुत पाठ्यचर्या में जेंडर संवेदनशील योजनाओं और नीति निर्माण के सन्दर्भ में जानकारी उपलब्ध कराई गयी है। आज के दौर में ऐसी योजनाओं और नीतियों की सख्त आवश्यकता है, जिससे समाज जेंडर संवेदनशीलता की राह पर अपने कदम बढ़ा पाए। किसी भी देश का विकास तब तक नहीं हो सकता, जब तक कि उसका समाज जेंडर संवेदनशील नहीं है। इन प्रयासों हेतु ऐसी योजनाओं की आवश्यकता होती है, जो इस बात को सुनिश्चित कर सके कि इसका लाभ समाज के हर तबके को बराबरी से हो पाए। खासतौर पर हाशियाकृत समाज उनमें भी महिलाओं को केंद्र में रखकर योजनायें बनाना अत्यावश्यक हैविद्यार्थियों को इसी बात के ज्ञान और प्रशिक्षण हेतु यह पाठ्यचर्या निर्मित की गयी है।" गरीबी का चेहरा एक महिला का चेहरा है" यह वाक्य महिलाओं की वास्तविक स्थिति को उजागर करता है। विभिन्न नीतियों या योजनाओं के निर्माण के समय जेंडरगत मुद्दों को कैसे ध्यान में रखा जाए, उन्हें शामिल किया जाये, महिलायें इन योजनाओं का हिस्सा कैसे बनेगी, उन्हें नेतृत्व में कैसे शामिल किया जाए यह पाठ्यचर्या इन्हीं सारी बातों का ज्ञान प्रदान करती है। इस पाठ्यचर्या का पढ़ने के बादविद्यार्थीयों में :-

1. जेंडर संवेदनशीलता के प्रति समझ का विकास होगा।
2. महिलाओं के विकास हेतु कार्यरत संस्थाओं, योजनाओं की जानकारी का ज्ञान होगा।
3. जेंडर बजटिंग का ज्ञान होगा।
4. जेंडर संवेदनशील नीतियों के कार्यान्वयन एवं मूल्यांकन का ज्ञानहोगा।

7.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

CLO 1	बोध	• विद्यार्थीयों में जेंडर संवेदनशीलता के प्रति समझ का विकास होगा। • महिलाओं के विकास हेतु कार्यरत संस्थाओं, योजनाओं की जानकारी का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
CLO 2	ज्ञान	• जेंडर बजटिंग का ज्ञान होगा।

8.पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल**	**संवाद/ प्रशिक्षण**		
मॉड्यूल-1	**जेंडर संवेदनशीलता : परिचय**				**15**	**25**
	जेंडर असंवेदनशीलता के विविध स्वरूप एवं कारण	**03**	**01**	01		
	जेंडर संवेदनशीलता की आवश्यकता	**03**	**01**	01		
	गरीबी और महिलायें	**02**				
	महिलाओं के विकास हेतु प्रमुख संस्थाएं	**02**	**01**			
मॉड्यूल- 2	**विविध योजनायें, नीतियां एवं जेंडर संवेदनशीलता**				**15**	**25**
	विविध योजनाओं में महिलाओं का समावेशन	**02**	**01**			
	महिलाओं के हित में बनी विविध योजनायें	**03**		**01**		
	जेंडर बजटिंग	**03**	**01**			
	नीतियों का कार्यान्वयन एवं मूल्यांकन	**02**	**01**	01		
मॉड्यूल-3	**जेंडर संवेदनशीलता हेतु विविध प्रयास**				**15**	**25**
	जेंडर संवेदनशील स्थलों का निर्माण	**03**	**01**			
	उच्च शिक्षन संस्थानों के प्रयास	**03**	**01**	**01**		
	गैर सरकारी संगठनों के प्रयास	**02**	**01**	**01**		
	जेंडर संवेदशीलता हेतु कार्यरत प्रमुख व्यक्तित्व	**02**				
मॉड्यूल-4	**जेंडर संवेदनशीलता हेतु नीति निर्माण**				**15**	**25**
	जी.एस.कैश	**02**	**01**	01		
	विमेन सेल	**02**	**01**			
	यौन उत्पीड़न के विरूद्ध अधिनियम	**04**	**01**			
	जीरो टालरेंस	**02**		**01**		
योग		**40**	12	**08**	**60**	**100**

टिप्पणी:

4. पाठयचर्या की आवश्यकतानुसार व्याख्यान, ट्यूटोरियल एवं संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला के अनुपात में परिवर्तन संभव।
5. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उपशीर्षक रखे जा सकते हैं।
6. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

9. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित
विधियाँ	व्याख्यान, संवाद, प्रश्नोत्तरी, फिल्म, समूहचर्चा,सेमिनार
तकनीक	आई सी टी (**ICT**)
उपादान	MOODLE,LMS, YouTube,Film Screenimg

10. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य **1**	लक्ष्य **2**	लक्ष्य **3**	लक्ष्य **4**	लक्ष्य **5**	लक्ष्य **6**	लक्ष्य **7**	लक्ष्य **8**
पाठ्यचर्या द्वारानियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓

11. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

12.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र। सं।	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)

1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1 साधना आर्य,&एवं अन्य. (2001). नारीवादी राजनीति.नई दिल्ली: हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय. 2 Moser, Caroline.(1993.) Gender Planning and Development Theory, Practice and Training .UK:Rutledge Publication
2	संदर्भ-ग्रंथ	1 Susan, S.(2005).Gender and Planning: A Reader. Rutledge University Press 2 Shah, MitaAshis.(2014).Gender Budgeting Contemporary issues and Remedies.Avishkar Publisher 3 Verma,Vinoy, Nath, Madhuri.(2004).Women and Rural development Programme
3	ई-संसाधन	1. https://wwwlyoutubelcom/watch?v=uqDCnBglJ18&ab_channel=Vidya-mitra 2. Wolpe, A. (1994). A Framework for Gender Sensitivity. *Agenda: Empowering Women for Gender Equity*, *21*, 10–15. https://doi.org/10.2307/4065816 3. Kivivuori, J. (2014). Understanding Trends in Personal Violence: Does Cultural Sensitivity Matter? *Crime and Justice*, *43*(1), 289–340. https://doi.org/10.1086/677664 4. Tole, S., &Shashidhara, L. S. (2018). MEETING REPORT: Gender-sensitization in Indian science: attitudes and action items. *Current Science*, *114*(12), 2425–2427. http://www.jstor.org/stable/26495748
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

घटक	घंटे
कक्षा/ व्याख्यान	**40**
ट्यूटोरियल	12
संवाद कक्षा	08
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

3. **पाठ्यचर्या का नाम:** स्त्री और अर्थव्यवस्था
   (Name of the Course): Women and Economy

4. **पाठ्यचर्या का कोड:** BAWS015
   (Code of the Course) BAWS015

5. **क्रेडिट(Credit):** 4

6. **तृतीय वर्ष**

7. **सेमेस्टर:** पंचम सेमेस्टर **(Semester)**Fifth

8. पाठ्यचर्या विवरण

प्रस्तुत पाठ्यचर्याका उद्देश्य विद्यार्थियों को जेंडर भूमिकाओं को प्रभावित करने वाले आर्थिक और सामाजिक कारकों से परिचित कराना है। पाठ्यक्रम विद्यार्थियोंमें आर्थिक गतिविधि और वैश्वीकरण के बदलते पैटर्न के तहत लैंगिक असमानताओं की समझको विकसित करने में मदद करेगा।इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थामें महिलाओं के सामने आने वाले समसामयिक मुद्दों के बारे में जागरूक करना है।प्रस्तुत पाठ्यचर्याअर्थव्यवस्था और महिलाओं के बीच महत्वपूर्ण अंतर्संबंध एवंमहिलाओं के श्रम के महत्व को समझने में सहायक होगा, जिसे अब तक अप्रासंगिक और गैर मात्रात्मक माना जाता है।इसको पढ़ने के बाद विद्यार्थी :-

1 कृषक अर्थव्यवस्था,औद्योगिकअर्थव्यवस्था,समाजवादी अर्थव्यवस्था एवं लोक कल्याणकारी अर्थव्यवस्था से परिचित होंगे।
2 भारतीय अर्थव्यवस्था में स्त्री श्रम की अदृश्यता को समझेंगे।
3 स्त्री सशक्तिकरण एवं क्षमता निर्माण को समझेंगे।
4 श्रम व्यवस्था में निजी एवं सार्वजनिक की परिधि से परिचित होंगे।
5 स्त्रियों के आर्थिक सशक्तीकरण हेतु कार्य करने वाली संस्थाओं से परिचित होंगे।

7.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

CLO 1	बोध	• कृषक अर्थव्यवस्था,औद्योगिकअर्थव्यवस्था,समाजवादी अर्थव्यवस्था एवं लोक कल्याणकारी अर्थव्यवस्था से परिचित होंगे। • भारतीय अर्थव्यवस्था में स्त्री श्रम की अदृश्यता को समझेंगे। • स्त्री सशक्तिकरण एवं क्षमता निर्माण को समझेंगे।

CLO 2	ज्ञान	• श्रम व्यवस्था में निजी एवं सार्वजनिक की परिधि से परिचित होंगे।
CLO 3	चिंतन	• स्त्रियों के आर्थिक सशक्तीकरण हेतु कार्य करने वाली संस्थाओं से परिचित होंगे।

8. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण		
मॉड्यूल-1	**अर्थव्यवस्था के विविध स्वरूप**				**19**	**31.66**
	कृषक अर्थव्यवस्था	**04**	**01**	01		
	औद्योगिकीकृत अर्थव्यवस्था	**04**	**01**			
	समाजवाद अर्थव्यवस्था का मॉडल	**03**		01		
	लोक कल्याणकारी अर्थव्यवस्था	**03**	**01**			
मॉड्यूल- 2	**अर्थव्यवस्था में स्त्री (भारतीय अर्थव्यवस्था में स्त्री)**				**15**	**25**
	भारतीय अर्थव्यवस्था में स्त्री श्रम की अदृश्यता	**02**	**01**			
	श्रम और बाजार व्यवस्था में स्त्री	**03**		**01**		
	सकल घरेलू उत्पादन में महिलाओं की भूमिका	**03**	**01**			
	श्रम व्यवस्था में निजी एवं सार्वजनिक की परिधि	**02**	**01**	01		
मॉड्यूल-3	**अर्थव्यवस्था एवं स्त्री सशक्तिकरण**				**11**	**18.33**
	स्त्री सशक्तिकरण एवं क्षमता निर्माण	**02**	**01**			
	अर्थव्यवस्था में स्त्री	**04**	**01**			
	निर्णय का अधिकार एवं स्त्री सशक्तिकरण	**02**		**01**		
मॉड्यूल-4	**स्त्रियों के आर्थिक सशक्तीकरण हेतु संस्थाये**				**15**	**25**
	सेवा	**02**	**01**	01		
	वर्किंग विमेन फोरम	**02**	**01**			
	स्वयं सहायता समूह	**02**	**01**	01		
	स्त्री उद्यमिता	**02**	01	**01**		
योग		**40**	12	**08**	**60**	**100**

टिप्पणी:

1. पाठयचर्या की आवश्यकतानुसार व्याख्यान, ट्यूटोरियल एवं संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला के अनुपात में परिवर्तन संभव।
2. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उपशीर्षक रखे जा सकते हैं।
3. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

9. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादानः
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित
विधियाँ	व्याख्यान, संवाद, प्रश्नोत्तरी, फिल्म, समूहचर्चा,सेमिनार
तकनीक	आई सी टी (ICT)
उपादान	MOODLE,LMS, YouTube,Film Screening

10. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य **1**	लक्ष्य **2**	लक्ष्य **3**	लक्ष्य **4**	लक्ष्य **5**	लक्ष्य **6**	लक्ष्य **7**	लक्ष्य **8**
पाठ्यचर्या द्वारानियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

11. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	

निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

12. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्रा सं।	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/ पाठ्य ग्रंथ	1. Engels, F., & Morgan, L. H. (1978).The origin of the family, private property and the state. Moscow: Foreign Languages Publishing House. 2. XaXa V. (2004).Women& Gender in the Study of Tribes in India. Indian Journal of Gender Studies, 11:3, pp. 345-67. 3. Boserup, E. (1970). Women's role in development. London: Earthscan. 4. Benería, L., Berik, G., &Floro, M. (2015). Gender, development and globalization: Economics as if all people mattered.UK:Routledge. 5. Ghosh, J. (2009). Never Done & Poorly Paid: Women's Work in Globalising India. Women Unlimited. New Delhi, India.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. Goodman, J. (Ed.). (2000). Global perspectives on gender and work: Readings and interpretations. Rowman & Littlefield Publishers. 2. Loutfi, M. F. (2001). Women, Gender and Work: What Is Equality and How Do We Get There?. Washington, DC :International Labour Office, 3. Loutfi, M. F. (1980). Rural women. Unequal partners in development. Rural women. Unequal partners in development. 4. Visvanathan, N., Duggan, L., Nisonoff, L., &Wiegersma, N. (Eds.).(1997). The Women, Gender, and Development Reader.New Africa Books
3	ई-संसाधन	1. BOERI, N. (2018). CHALLENGING THE GENDERED ENTREPRENEURIAL SUBJECT: Gender, Development, and the Informal Economy in India. *Gender and Society*, *32*(2), 157–179. https://www.jstor.org/stable/26597059 2. Kosambi, M. (1999). Gender Issues and State Intervention in India. *Feminist Review*, *63*, 98–100. http://www.jstor.org/stable/1395592 3. Arora, R. U. (2012). GENDER INEQUALITY, ECONOMIC DEVELOPMENT, AND GLOBALIZATION: A STATE LEVEL ANALYSIS OF INDIA. *The Journal of Developing Areas*, *46*(1), 147–http://www.jstor.org/stable/23215428

		4. COVID-19 at Home: Gender, Class, and the Domestic Economy in India AmitaBaviskar, Raka Ray Feminist Studies, Volume 46, Number 3, 2020, pp. 561-571 (Article) Published by Feminist Studies, Inc. DOI: For additional information about this article [Access provided at 21 Sep 2022 01:31 GMT with no institutional affiliation]https://doi.org/10.1353/fem.2020.0029 5. PATIL, S. H. (1993). COLLAPSE OF COMMUNISM AND EMERGENCE OF GLOBAL ECONOMY : INDIA'S EXPERIMENT WITH NEW ECONOMIC POLICY. *India Quarterly*, *49*(4), 17–30. http://www.jstor.org/stable/45072592
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

घटक	घंटे
कक्षा/व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल	12
संवाद कक्षा	08
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

1. **पाठ्यचर्या का नाम:** सामाजिक चिंतन में स्त्रियाँ
   (Name of the Course): Women in Social Thought (Elective Paper)
2. **पाठ्यचर्या का कोड:** BAWSE5
   (Code of the Course) BAWSE5
3. **क्रेडिट(Credit):** 4
4. **तृतीय वर्ष**
5. **सेमेस्टर:**पंचम सेमेस्टर **(Semester:** Fifth)

6. पाठ्यचर्या विवरण

इस पाठ्यचर्या से विद्यार्थी महत्वपूर्ण सामाजिक चिंतकों के विचारों से परिचित हो सकेंगे। प्रस्तुतपाठ्यचर्या में महत्वपूर्ण ग्रीक सामाजिक चिंतकों के महिला संबंधी विचारों का समावेश किया गया है। इसके अतिरिक्त प्राचीन ग्रंथों में महिलाओं की सामाजिक स्थिति को समझने का प्रयास इस पाठ्यक्रम में किया गया है। उक्त पाठ्यक्रम में आधुनिक सामाजिक चिंतकों की स्त्री विषयक दृष्टिकोण को भी समझने का भी प्रयास किया गया है। इस पाठ्यचर्या में विद्यार्थी अग्रणी भारतीय चिंतकों के स्त्री विषयक विचारों से अवगत होंगें। इसको पढ़ने के बाद विद्यार्थी :-

1. विद्यार्थी सामाजिक चिंतकों के महिला संबंधी विचारोंको समझ सकेंगे।
2. अरस्तु, प्लेटो, रूसो एवं लॉक के चिन्तिन में स्त्री विषयक विचारों का मूल्यांकनकर सकेंगे।
3. जे.एस. मिल, गांधी,फुले, पेरियार, अम्बेडकर, सर सैय्यद अहमद आदि में स्त्री विषयक विचारों का मूल्यांकनकर सकेंगे।
4. श्रम का लैंगिक विभाजन एवं अवमूल्यन से परिचित हो सकेंगे।

7.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)

8. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण		
मॉड्यूल-1	**तार्किकता, तर्क एवं जेंडर अस्मिता**				**14**	**23.33**
	अरस्तु के चिन्तन में स्त्री	**02**	**01**	01		
	प्लेटो के चिन्तन में स्त्री	**02**	**01**			
	मनुस्मृति में स्त्री	**03**	**01**	01		
	अर्थशास्त्र में स्त्री	**02**				
मॉड्यूल- 2	**चेतना, अधिकार एवं समानता**				**15**	**25**
	रूसो के चिन्तन में स्त्री	**02**	**01**			
	लॉक के चिन्तन में स्त्री	**02**		**01**		
	जे. एस. मिलके चिन्तन में स्त्री	**03**	**01**			
	गांधी के चिन्तन में स्त्री	**03**	**01**	**01**		
मॉड्यूल-3	**श्रम का लैंगिक विभाजन एवं अवमूल्यन**				**15**	**25**
	मार्क्स के चिन्तन में स्त्रियां	**03**	**01**	**01**		
	परिवार, निजी सम्पत्ति और राज्य की उत्पत्ति	**03**	**01**			
	लोहिया के चिन्तन में स्त्री	**02**	**01**	**01**		
	वोल्गा से गंगा/संस्कृति के चार अध्याय	**02**				
मॉड्यूल-4	**निम्नवर्गीय प्रसंग**				**16**	**26.66**
	फुले में चिन्तन में नारी	**03**	**01**	01		
	पेरियार के चिन्तन में नारी	**03**	**01**			

	अम्बेडकर के चिन्तन में नारी	**03**	**01**	01		
	सर सैय्यद अहमद में चिन्तन में नारी	**02**				
योग		40	12	**08**	**60**	**100**

टिप्पणी:

1. पाठयचर्या की आवश्यकतानुसार व्याख्यान, ट्यूटोरियल एवं संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला के अनुपात में परिवर्तन संभव।
2. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उपशीर्षक रखे जा सकते हैं।
3. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

9. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित
विधियाँ	व्याख्यान, संवाद, प्रश्नोत्तरी, फिल्म, समूहचर्चा,सेमिनार
तकनीक	आई सी टी (ICT)
उपादान	MOODLE,LMS, YouTube,Film Screening

10.पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य **1**	लक्ष्य **2**	लक्ष्य **3**	लक्ष्य **4**	लक्ष्य **5**	लक्ष्य **6**	लक्ष्य **7**	लक्ष्य **8**
पाठ्यचर्या द्वारानियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	✓	✓	✗	✗	✓

11. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन	**सत्रांत परीक्षा** (75%)

CLO 1	बोध	• विद्यार्थी सामाजिक चिंतकों के महिला संबंधी विचारोंको समझ सकेंगे। • अरस्तु, प्लेटो, रूसो एवं लॉक के चिन्तिन में स्त्री विषयक विचारों का मूल्यांकनकर सकेंगे।
CLO 2	ज्ञान	• जे. एस. मिल, गांधी, फुले, पेरियार, अम्बेडकर, सर सैय्यद अहमद आदि में स्त्री विषयक विचारों का मूल्यांकनकर सकेंगे।
CLO 3	चिंतन	• श्रम का लैंगिक विभाजन एवं अवमूल्यन से परिचित हो सकेंगे।

(25%)					
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

12.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र। सं।	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/ पाठ्य ग्रंथ	1. University of Notre Dame, & Mill, John Stuart,1806-1873. (n.d.). *Early essays by John Stuart Mill*. London : George Bell and Sons. https://jstor.org/stable/community.32823326 2. आर्य,साधना, मेनन, निवेदिता, लोकनीता,जिनी.(2011). नारीवादी राजनीति: संघर्ष एवं मुद्देहिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय. 3. कुमार, र. (2014).स्त्री संघर्ष का इतिहास .नई दिल्ली : वाणी . 4. Communist Party, Karl Marx, & Friedrich Engels. (n.d.). *Manifesto of the Communist Party*. https://jstor.org/stable/al.sff.document.boo00000000.026.021.000a
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. V. Geetha. (1998). Periyar, Women and an Ethic of Citizenship. *Economic and Political Weekly*, *33*(17), WS9–WS15. 2. VIJAYA, K. (1993). ROLE OF WOMEN IN SELF-RESPECT MOVEMENT. *Proceedings of the Indian History Congress*, *54*, 591–597. 3. Gopal Guru. (1995). Dalit Women Talk Differently. *Economic and Political Weekly*, *30*(41/42), 2548–2550.

		4. Omvedt, G. (1971). Jotirao Phule and the Ideology of Social Revolution in India. *Economic and Political Weekly*, *6*(37), 1969–1979.
3	ई-संसाधन	1. Annas, J. (1976). Plato's "Republic" and Feminism. *Philosophy*, *51*(197), 307–321. http://www.jstor.org/stable/3749607 2. Calvert, B. (1975). Plato and the Equality of Women. *Phoenix*, *29*(3), 231–243. https://doi.org/10.2307/1087616 3. Asha Jayant, &Rothermund, I. (1989). Women, Emancipation and Equality. *Economic and Political Weekly*, *24*(30), 1722–1723. http://www.jstor.org/stable/4395143 4. Halder, D., & Jaishankar, K. (2008). PROPERTY RIGHTS OF HINDU WOMEN: A FEMINIST REVIEW OF SUCCESSION LAWS OF ANCIENT, MEDIEVAL, AND MODERN INDIA. *Journal of Law and Religion*, *24*(2), 663–687. http://www.jstor.org/stable/25654333 5. NORVELL, L. (1997). GANDHI AND THE INDIAN WOMEN'S MOVEMENT. *The British Library Journal*, *23*(1), 12–27. http://www.jstor.org/stable/42554439
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

घटक	घंटे
कक्षा/व्याख्यान	**40**
ट्यूटोरियल	12
संवाद कक्षा	08
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

1. **पाठ्यचर्या का नाम:** राष्ट्रवाद, उपनिवेशवाद एवं जेंडर
(Name of the Course): Nationalism, Colonialism and Gender

2. **पाठ्यचर्या का कोड:** BAWS016
(Code of the Course) BAWS016

3. **क्रेडिट(Credit):** 04

4. **तृतीय वर्ष**

5. **सेमेस्टर:** षष्ठम सेमेस्टर **(Semester)**Sixth

6. **पाठ्यचर्या विवरण**

पाठ्यचर्या के इस पत्र के अंतर्गत विद्यार्थी भारत में ब्रिटिश उपनिवेशवाद, राष्ट्र वाद तथा भारत महिला प्रश्नों का उदय राष्ट्रवाद की अपनी परिकल्पना के साथ किस प्रकार हुआ,यह समझ विकसित कर सकेंगे।19वीं सदी के प्रारंभ से ही स्त्रियों की सामाजिक एवं राजनीतिक स्थिति बहस के केंद्र में थी। राष्ट्रवादी विमर्श के प्रथम चरण में, महिला प्रश्नों का उद्भव नए शिक्षित मध्यम वर्ग के बीच एक प्रकार के पहचान की संकट के तौर पर हुआ। यह वो मध्यम वर्ग था जो औपनिवेशिक शिक्षा व्यवस्था का प्रथम उत्पाद था। भारत की पराधीन एवं पीड़ित महिला छवि के प्रति सहानुभूति का छद्म रचकर औपनिवेशिक सत्ता भारत की सांस्कृतिक परंपरा को दमनकारी एवं बर्बर रूप में प्रस्तुत करने के लिए लगातार नए तर्कों का सहारा ले रही थी। 19वीं सदी में भारत और इंग्लैंड के बीच सांस्कृतिक टकराव के केंद्र में भारतीय एवं पाश्चात्य स्त्रियाँ थीं जिनकी तुलना के माध्यम से भारत को निकृष्टतम बताया जा रहा था। यह औपनिवेशवादी दृष्टिकोण पूरे भारत की पौरुषवादी राष्ट्रवादी मानसिकता को बेहद आहत करने वाला था। यह स्थिति किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं थी कि कोई बाहरी व्यक्ति या सत्ता भारतीयों के आंतरिक मसलों में हस्तक्षेप करे।यहीं से शुरुआत होती है स्त्री प्रश्नों पर अपनी अलग अलग प्रतिक्रिया देने की। इस पत्रके अंतर्गत विद्यार्थी इस पूरी विकास यात्रा का अध्ययन करेंगे।इसको पढ़ने के बाद विद्यार्थी :-

1. उपनिवेशवाद, राष्ट्रवाद तथा जेंडर के अंतर्संबंधों से परिचित होंगे।
2. भारत मेंराष्ट्रवाद की विकासयात्रासे परिचित हो सकेंगे।
3. भारत में समाज सुधार आंदोलनों के इतिहास से परिचित हो सकेंगें।
4. औपनिवेशिक भारत में स्त्रीहित में बने विभिन्न कानूनों से परिचित होंगे।
5. राष्ट्रीय आंदोलन में स्त्रियों के योगदान एवं उनकी भूमिका से परिचित होंगे।

7.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

CLO 1	बोध	• उपनिवेशवाद, राष्ट्रवाद तथा जेंडर के अंतर्संबंधों से परिचित होंगे। • भारत मेंराष्ट्रवाद की विकासयात्रासे परिचित हो सकेंगे। • भारत में समाज सुधार आंदोलनों के इतिहास से परिचित हो सकेंगें।
CLO 2	ज्ञान	• औपनिवेशिक भारत में स्त्रीहित में बने विभिन्न कानूनों से परिचित होंगे।
CLO 3	चिंतन	• राष्ट्रीय आंदोलन में स्त्रियों के योगदान एवं उनकी भूमिका से परिचित होंगे।

8. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण		
मॉड्यूल-1	**भारत में राष्ट्रवाद का उदय**				**15**	**25**
	उपनिवेशवाद: भारतीय अर्थ सन्दर्भ	**03**	**01**	01		
	भारतीय राष्ट्रवाद की विकास यात्रा	**03**	**01**			
	विविध राष्ट्रवादी विचार	**02**		01		
	महत्वपूर्ण पड़ाव / बहसें	**02**	**01**			
मॉड्यूल- 2	**राष्ट्रवाद एवं स्त्री**				**15**	**25**

	राष्ट्रवाद की प्रस्तावना में स्त्री	**02**	**01**			
	औपनिवेशिक काल में स्त्री केन्द्रित पत्र-पत्रिकायें (स्त्री दर्पण एवं चांद फांसी अंक)	**03**		**01**		
	राष्ट्रवाद एवं स्त्री प्रश्न	**03**	**01**	01		
	स्त्रियों की राष्ट्र संबंधी संकल्पनाएं	**02**	**01**			
मॉड्यूल-3	**राष्ट्रवादी विमर्श में महिलाओं की भूमिका**				**15**	**25**
	एनी बेसेंट	**03**	**01**			
	कस्तूरबा गांधी: गांधी की सहयात्री	**03**	**01**	**01**		
	दक्षिणानी वेलायुधन	**02**	**01**	**01**		
	अरूणा आसफ अली	**02**				
मॉड्यूल-4	**विविध अभिव्यक्तियों में राष्ट्रवाद एवं स्त्री**				**15**	**25**
	लोक कथाओं एवं गीतों में राष्ट्र	**03**	**01**	01		
	राष्ट्र, रंगमंच एवं स्त्री	**02**	**01**			
	सिनेमा, राष्ट्रवाद एवं स्त्री	**03**	**01**			
	राष्ट्रवाद की अन्य अभिव्यक्तियां	**02**		**01**		
योग		**40**	12	**08**	**60**	**100**

टिप्पणी:

1. पाठयचर्या की आवश्यकतानुसार व्याख्यान, ट्यूटोरियल एवं संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला के अनुपात में परिवर्तन संभव।
2. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उपशीर्षक रखे जा सकते हैं।
3. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

9. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित
विधियाँ	व्याख्यान, संवाद, प्रश्नोत्तरी, फिल्म, समूहचर्चा,सेमिनार
तकनीक	आई सी टी (**ICT**)
उपादान	MOODLE,LMS, YouTube,Film Screenimg

10. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारानियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	✓	✗	✗	✗	✓

11. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

12. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र। सं।	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/ पाठ्य ग्रंथ	1. Dhruvarajan, V., and Vickers, J. (eds.) (2002) *Gender, Race, and Nation: A Global Perspective*. Toronto: University of Toronto Press. 2. Kaplan, C., Alarcon, N., and Moallem, M. (eds.) (1999) *Between Woman and Nation: Nationalisms, Transnational Feminisms, and the State*. Durham: Duke University Press. 3. Mayer, T. (ed.) (2000). *Gender Ironies of Nationalism: Sexing the Nation*. London: Routledge.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. Colonialism, Nationalism, and Colonialized Women: The Contest in India Author(s): Partha Chatterjee Source: American Ethnologist , Nov., 1989, Vol. 16, No. 4 (Nov., 1989), pp. 622-633 Published by: Wiley on behalf of the American Anthropological Association 2. Anthias, F. and Yuval-Davis, N. (1994) Women and the Nation-State. In J. Hutchinson and A. Smith (eds.) *Nationalism*. Oxford: Oxford University Press,

3	ई-संसाधन	1. Kanika Sharma, Withholding Consent to Conjugal Relations within Child Marriages in Colonial India: Rukhmabai's Fight, Law and History Review, 10l1017/S0738248020000024, 38, 1, (151-175), (2020) 2. Ghosh, D. (2004). Gender and Colonialism: Expansion or Marginalization? *The Historical Journal*, *47*(3), 737–755. http://www.jstor.org/stable/4091763 3. Arvin, M., Tuck, E., & Morrill, A. (2013). Decolonizing Feminism: Challenging Connections between Settler Colonialism and Heteropatriarchy. *Feminist Formations*, *25*(1), 8–34. http://www.jstor.org/stable/43860665 4. BOSE, C. E. (2015). PATTERNS OF GLOBAL GENDER INEQUALITIES AND REGIONAL GENDER REGIMES. *Gender and Society*, *29*(6), 767–791. http://www.jstor.org/stable/43670023 5. Chatterjee, P. (1989). Colonialism, Nationalism, and Colonialized Women: The Contest in India. *American Ethnologist*, *16*(4), 622–633. http://www.jstor.org/stable/645113 6. Sinha, M. (2000). Refashioning Mother India: Feminism and Nationalism in Late-Colonial India. *Feminist Studies*, *26*(3), 623–644. https://doi.org/10.2307/3178643
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

घटक	घंटे
कक्षा/ व्याख्यान	**40**
ट्यूटोरियल	12
संवाद कक्षा	08
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

1. पाठ्यचर्या का नाम: साम्राज्यवाद एवं स्त्री
(Name of the Course): Imperialism and Women

2. पाठ्यचर्या का कोड: BAWS017
(Code of the Course) BAWS017

3. **क्रेडिट(Credit):** 4

4. **तृतीय वर्ष**

5. **सेमेस्टर:**षष्ठम सेमेस्टर**(Semester:** Sixth**)**

6. पाठ्यचर्या विवरण

भारत में उपनिवेशवाद के पश्चात साम्राज्यवाद की स्थितियों का सामना किया। साम्राज्यवाद एक ऐसी प्रक्रिया थी जिसने हमें आर्थिक तौर पर सार्वधिक प्रभावित किया। इस पाठ्यचर्या के अन्तर्गत विद्यार्थियां को ब्रिटिश साम्राज्यके इतिहास एवं विकास से परिचित होने का अवसर प्राप्त होगा। साथ ही वे साम्राज्यवाद वैश्वीकण एवं सैन्यककरण के अन्तर्सबंधों से परिचित होंगे। इस समस्त घटनाक्रमों के कारण स्त्रियां किस प्रकार प्रभावित हुई, इसकी भी समझ विद्यार्थियों में विकसित हो सकेगी। इसको पढ़ने के बाद विद्यार्थी :-

1. सम्राज्यवाद की प्रवृत्तियों से अवगत होंगे।
2. वैश्वीकरण की प्रक्रिया से अवगत होंगे।
3. वैश्वीकरण, पितृसत्ता एवं स्त्री के संबंधों की समझ विकसित होगी।
4. वैकल्पिक विश्व की अवश्यकता एवं उसकी प्रासंगिकता को समझ सकेंगे।
5. शांति अभियानों में स्त्रियों को भूमिका को समझ सकेंगे।

7.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

CLO 1	बोध	• सम्राज्यवाद की प्रवृत्तियों से अवगत होंगे। • वैश्वीकरण की प्रक्रिया से अवगत होंगे। • वैश्वीकरण, पितृसत्ता एवं स्त्री के संबंधों की समझ विकसित होगी।
CLO 2	ज्ञान	• वैकल्पिक विश्व की अवश्यकता एवं उसकी प्रासंगिकता को समझ सकेंगे।
CLO 3	चिंतन	• शांति अभियानों स्त्रियों को भूमिका को समझ सकेंगे।

8. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण		
मॉड्यूल-1	**साम्राज्यवाद: एक परिभाषा**				**15**	**25**
	साम्राज्यवाद का विकास	**03**	**01**	**01**		
	ब्रिटिश साम्राज्यवाद का इतिहास	**03**	**01**			
	साम्राज्यवाद एवं स्त्रियां	**02**		01		
	साम्राज्यवाद के दुष्परिणाम	**02**	**01**			
मॉड्यूल- 2	**वैश्वीकरण और स्त्री**				**15**	**25**
	वैश्वीकरण: नव साम्राज्यवाद	**02**	**01**			
	वैश्वीकरण,पितृसत्ता एवं जेंडर	**03**		**01**		
	वैश्वीकरण का स्त्री पक्ष	**03**	**01**			

	वैश्वीकरण का स्त्रीश्रम पर प्रभाव	02	01	01		
मॉड्यूल-3	**सैन्यीकरणएवं स्त्री**				15	25
	सैन्यीकरण: एक परिभाषा	03	01			
	सैन्यीकरण के विविध पक्ष	03	01	01		
	सैन्यीकरण का स्त्रियों पर प्रभाव	02	01			
	सैन्यीकरण के विरुद्धस्त्री प्रतिरोध	02		01		
मॉड्यूल-4	**वैकल्पिकदुनिया की तलाश**				15	25
	वैकल्पिक विश्व: संभावनाएं	03	01	01		
	वैकल्पिक विश्व का स्वप्न एवं स्त्री	02	01			
	शांति अभियानों में महिलाओं की भूमिका	03	01			
	प्रमुख स्त्री नेतृत्व	02		01		
योग		40	12	08	60	100

टिप्पणी:

1. पाठयचर्या की आवश्यकतानुसार व्याख्यान, ट्यूटोरियल एवं संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला के अनुपात में परिवर्तन संभव।
2. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उपशीर्षक रखे जा सकते हैं।
3. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

9. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित
विधियाँ	व्याख्यान, संवाद, प्रश्नोत्तरी, फिल्म, समूहचर्चा,सेमिनार
तकनीक	आई सी टी (ICT)
उपादान	MOODLE,LMS, YouTube,Film Screening

10. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य **1**	लक्ष्य **2**	लक्ष्य **3**	लक्ष्य **4**	लक्ष्य **5**	लक्ष्य **6**	लक्ष्य **7**	लक्ष्य **8**

पाठ्यचर्या द्वारानियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	✗	✗	✓	✓	✓

11. मूल्यांकन/ परीक्षायोजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

12. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र। सं।	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/ पाठ्य ग्रंथ	1. Cynthia,Encloe.(2014). Bananas, Beaches and Bases: Making Feminist Sense of International Politics. USA: University of California Press. 2. Baylis,John and Smith,Steve (eds.) (2005).The Globalization of World Politics. New Delhi: Oxford University Press 3. Menon, Nivedita (ed). (2000). Gender and Politics in India. Delhi: Oxford University Press 4. Cynthia, Enloe.(2000).Maneuvers: The International Politics Of Militarizing Women's Lives First. California: University Of California Press 5. Chomsky,Noam.(2002). Manufacturing Consent: The Political Economy OfThe Mass Media. New York: Pantheon
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. Butalia,Urvashi.(2017).The Other Side of Silence: Voices from the Partition of India. Gurgaon: Penguin Random House India. 2. Ahmed,Aijaz.(2001). On The National And Colonial Questions. New Delhi: LeftWord Classics. 3. Kolas,Ashild.(2018). Women, PeaceAnd Security In Northeast India. New Delhi:Zubaan Books.

3	ई-संसाधन	1. Enloe, C. (1984). “Women and Militarization”—A Seminar. *The Radical Teacher*, *26*, 2–7. http://www.jstor.org/stable/20709439 2. Youngs, G. (2004). Feminist International Relations: A Contradiction in Terms? Or: Why Women and Gender Are Essential to Understanding the World “We” Live in. *International Affairs (Royal Institute of International Affairs 1944-)*, *80*(1), 75–87. http://www.jstor.org/stable/3569295 3. Dye, T. R., & Zeigler, H. (1989). Socialism and Militarism. *PS: Political Science and Politics*, *22*(4), 800–813. https://doi.org/10.2307/419471 4. Khattak, S. G. (2008). Women’s Concerns in International Relations: The Crossroads of Politics and Peace in South Asia. *Pakistan Horizon*, *61*(3), 49–68. http://www.jstor.org/stable/23725985 5. Moghadam, V. (2001). Globalization, Militarism, and Women’s Collective Action. *NWSA Journal*, *13*(2), 60–67. http://www.jstor.org/stable/4316810
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

घटक	घंटे
कक्षा/व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल	12
संवाद कक्षा	08
कुल क्रेडिट घंटे	60

1. **पाठ्यचर्याका नाम:** धर्म और जेंडर
(Name of the Course): Religion and Gender

2. **पाठ्यचर्या का कोड:** BAWS18
(Code of the Course) BAWS18

3. **क्रेडिट(Credit): 4**
4. **तृतीय वर्ष**
5. **सेमेस्टर: षष्टम(Semester**: Sixth**)**

6. **पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)**

प्रस्तुत पाठ्यचर्या में धर्म और जेंडर के बीच के संबंधों को समझाने का प्रयास किया गया। है। धर्म की महिलाओं के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका रही है। अपने तमाम कष्टों, पीडाओं का समाधान उन्होंने धर्म की शरण में ही खोजा। धर्म उनके रोजमर्रा के जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। पर धर्म के माध्यम से ही कई बार महिलाओं की अधीनता का स्तर समाज में बढाने का प्रयास भी किया जाता रहा है।अनेकों धर्मों में हम महिला और पुरुषों के बीच एक विभेद देखते हैं, वहीं कुछ धर्म हमें स्त्री पुरुष समानता की बात कहते हुए भी दिखते हैं। इस पाठ्यचर्या में धर्म महिलाओं के बारे में, समाज में जेंडर विभेद के बारे में विचार को केंद्र में रखा गया है। साथ ही धर्म के शास्त्रीय और लोक पक्ष के महिलाओं के जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों को भी केंद्र में रखा गया है। इस पाठ्यचर्या के अंतर्गत विविध धर्मों में महिलाओं की स्थिति के बारे में भी विचार किया गया है। इसको पढ़ने के बाद विद्यार्थी :-

1. विद्यार्थियों को विविध धर्मों का ज्ञान प्राप्त होगा।

2. विविध धर्मों में महिलाओं की स्थिति की जानकारी प्राप्त होगी।
3. धर्म में व्याप्त जेंडर विभेद के मुद्दों की समझ पैदा होगी।
4. महिलाओं के जीवन में धर्म की भूमिका और धर्म से जुड़ाव के कारणों की समझ पैदा होगी।

7.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

CLO 1	बोध	• विद्यार्थियों को विविध धर्मों का ज्ञान प्राप्त होगा। • विविध धर्मों में महिलाओं की स्थिति की जानकारी प्राप्त होगी।
CLO 2	ज्ञान	• धर्म में व्याप्त जेंडर विभेद के मुद्दों की समझ पैदा होगी।
CLO 3	चिंतन	• महिलाओं के जीवन में धर्म की भूमिका और धर्म से जुड़ाव के कारणों की समझ पैदा होगी।

8.पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण		
मॉड्यूल-1	**धर्म के विविध स्वरूप**				**15**	**25**
	धर्म विचारधारा के रूप में	**03**	**01**	01		
	धर्म व्यवस्था के रूप में	**03**	**01**			
	धार्मिक आंदोलन में स्त्रियां (भक्ति आंदोलन)	**02**		01		
	प्रमुख धार्मिक ग्रंथ-बहिशते जेवर एवं गीता प्रेस	**02**	**01**			
मॉड्यूल- 2	**विभिन्न धर्मों में महिलाओं की स्थिति**				**15**	**25**
	हिन्दू धर्म एवं महिलायें	**02**	**01**	01		
	इस्लाम एवं महिलायें	**02**		**01**		
	ईसाई धर्म एवं महिलायें	**02**	**01**			
	बौद्ध और जैन धर्म में महिलायें	**04**	**01**			
मॉड्यूल-3	**धर्म एवं पितृसत्ता**				**15**	**25**
	धर्म का सामाजिक-सांस्कृति प्रभाव	**03**	**01**			
	धर्म, पितृसत्ता एवं स्त्री	**03**	**01**	**01**		
	धर्म प्रचारकों के रूप में महिलायें	**02**	**01**			
	महिला आन्दोलन और धर्म	**02**		**01**		
मॉड्यूल-4	**समसामायिक सन्दर्भों में धर्म की भूमिका**				**15**	**25**
	धार्मिक पहचान की राजनीति और स्त्री	**03**	**01**	01		
	धर्म विषयक निजी कानून	**02**	**01**			
	वैश्वीकरण, धर्म और स्त्री	**03**	**01**			

	सिनेमा, धर्म और स्त्री	**02**		**01**		
योग		**40**	12	**08**	**60**	**100**

टिप्पणी:

1. पाठयचर्या की आवश्यकतानुसार व्याख्यान, ट्यूटोरियल एवं संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला के अनुपात में परिवर्तन संभव।
2. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उपशीर्षक रखे जा सकते हैं।
3. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

9. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित
विधियाँ	व्याख्यान, संवाद, प्रश्नोत्तरी, फिल्म, समूहचर्चा,सेमिनार
तकनीक	आई सी टी (**ICT**)
उपादान	MOODLE,LMS, YouTube,Film Screening

10.पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य **1**	लक्ष्य **2**	लक्ष्य **3**	लक्ष्य **4**	लक्ष्य **5**	लक्ष्य **6**	लक्ष्य **7**	लक्ष्य **8**
पाठ्यचर्या द्वारानियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	✓	✓	✗	✗	✓

11. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

12. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1) सेन,इलीना ,इमाम, जेबा (2018)धर्म और जेंडर . नई दिल्ली: राजकमल. 2) थापर, रोमिला,(2003).समय समय की शकुंतला , यादव राजेंद्र एवं अन्य, पित्रसत्ता के नये रूप . नई दिल्ली:राजकमल प्रकाशन 3) संगारी कुमकुम . मीराबाई एवं भक्ति की अध्यात्मिक अर्थनीति ,नई दिल्ली: वाणी प्रकाशन. 4) Chakravarti, U. and K.Sangari (Eds.) (2001), From Myths to Market, New delhi: Manohar Publication
2	संदर्भ-ग्रंथ	1) चक्रवर्ती,उमा.(2001).अल्टेकेरियन अवधारणा के परे: प्रारंभिक भारतीय इतिहास में जेंडर संबंधों की नई समझ,आर्य साधना एवं अन्य(संपा.),नारीवादी राजनीति,हिंदी माध्यम कार्यावय निदेशालय,दिल्ली विश्वविद्यालय. 2) रॉय कुमकुम.(2001).जहां स्त्रियों की पूजा होती है वहां देवताओं का वास होता है, हिंदू स्त्री की कपोल कल्पित पुरखिन, आर्य साधना एवं अन्य(संपा.),नारीवादी राजनीति,हिंदी माध्यम कार्यावय निदेशालय,दिल्ली विश्वविद्यालय, 3) Chandrakala Padia. (2009).Women in Dharmshastra.Jaipur:Rawat. 4) Jaini, Padmanabh.(1991).Gender and salvation.California :University of California Press. 5) HonerI.B.(1930). Women Under Primitive Buddhisam Part II,Chaper 2 (The eight chief rules of the Alms women).Gutenberg :Gutenberg Publisher.
3	ई-संसाधन	1) ChakravartiUma,The Rise of Buddhism as Experienced by Women, URL(http://www.manushi-india.org/pdfs_issues/PDF%20files%208/6.%20The%20Rise%20of%20Buddhism....pdf) 2) Chakravarti, U,Conceptualising Brahmanical Patriarchy in EartlyIndia.Gender,Caste,Class and State,EPWVol.28,No.14(Apr.3,1993),pp.579-585,URL(http://www.jstor.org/stable/4399556)

		3) Chakravarti, U,The World of the Bhaktin in South Indian Traditions-The body and BeyondURL(http://www.manushi-india.org/pdfs_issues/pdf_files-50-51-52/the_world_of_the_bhaktin_in_south_indian.pdf 4) Roy Kumkum, of Theras and Theiis: Visions of Liberation in the Early Buddhist Tradition,URL(http://iias.org/sites/default/files/article/Kumkum%20Roy.pdf)
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1. **पाठ्यचर्या का नाम:** कृषि ग्रामीण आजीविका में लैंगिक मुद्दे
   (Name of the Course): Gender Issues in Agriculture Rural Livelihoods

2. **पाठ्यचर्या का कोड:** BAWS19

   (Code of the Course):BAWS19

3. **क्रेडिट(Credit): 04**

4. **चतुर्थ वर्ष**

5. **सेमेस्टर:**सप्तम सेमेस्टर **(Semester:** Seventh**)**

घटक	घंटे
कक्षा/व्याख्यान	**40**
ट्यूटोरियल	12
संवाद कक्षा	08
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

6. **पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)**

प्रस्तुत पाठ्यचर्या विद्यार्थी में ग्रामीण जीवन मेंकृषि और आजीविका में लैंगिक मुद्दों के बारे में समझ के विकास हेतु निर्मित की गयी है। हमारा देश ग्राम प्रधान देश है, जिसकी बड़ी आबादी ग्रामीण इलाकों में रहती है। ग्रामीण इलाकों में आजीविका का मुख्य साधन कृषि कार्य होता है।इसके अतिरिक्त कुछ घरेलू उद्योग और सरकार की विविध नीतियाँ ग्रामीण इलाकों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराती हैं।लेकिन ग्रामीण इलाकों का सामाजिक परिवेश महिलाओं के कार्यक्षेत्र को बहुत सीमित करता है।आज भी ग्रामीण इलाकों में स्त्रियों को पुरुषों के बराबर रोजगार के अवसर नहीं मिल पाते हैं।प्रस्तुत पाठ्यचर्या ग्रामीण रोजगार के क्षेत्र में व्याप्त जेंडर असमानता को उजागर करती है, तथा विद्यार्थियों को इसके समाधान खोजने को प्रेरित करती है। इसको पढ़ने के बाद विद्यार्थी :-

1. विद्यार्थियों के बीच ग्रामीण इलाकों में कृषि और रोजगार की स्थिति के बारे में समझ पैदा होगी।
2. भूमंडलीकरण के कृषि और रोजगार पर पड़ने वाले प्रभाव की समझ पैदा होगी।
3. ग्रामीण इलाकों में लैंगिक भेदभाव से संबंधित मुद्दों और उनके महिलाओं के जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों पर समझ विकसित होगी।

4. ग्रामीण इलाकों में सरकारी और गैर सरकारी योजनाओं के माध्यम से रोजगार की बेहतर स्थितियों हेतु प्रयासों की जानकारी प्राप्त होगी।

7.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

CLO 1	बोध	• ग्रामीण इलाकों में कृषि और रोजगार की स्थिति के बारे में समझ पैदा होगी। • भूमंडलीकरण के कृषि और रोजगार पर पड़ने वाले प्रभाव की समझ पैदा होगी।
CLO 2	ज्ञान	• ग्रामीण इलाकों में लैंगिक भेदभाव से संबंधित मुद्दों और उनकेमहिलाओं के जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों पर समझ विकसित होगी।
CLO 3	चिंतन	• ग्रामीण इलाकों में सरकारी और गैर सरकारी योजनाओं के माध्यम से रोजगार की बेहतर स्थितियों हेतु प्रयासों की जानकारी प्राप्त होगी।

8.पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण		
मॉड्यूल-1	**भारतीय कृषि व्यवस्था एवं आजीविका**				18	**30**
	भारतीय कृषि व्यवस्था का इतिहास	04	**01**	**01**		
	औपनिवेशिक काल में कृषि	**03**	**01**			
	उत्तर औपनिवेशिक काल में कृषि	03		**01**		
	ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका के संकट	03	**01**			
मॉड्यूल- 2	**भूमंडलीकरण, कृषि एवं आजीविक**				**14**	**23.33**
	भूमंडलीकरणकी संकल्पना	**02**	**01**			
	भूमंडलीकरण का कृषि पर प्रभाव	**03**		**01**		
	लघु उद्योगों पर भूमंडलीकरण का प्रभाव	02	**01**			
	भूमंडलीकरणएवं आजीविक के विकल्प	**02**	01	**01**		
मॉड्यूल-3	**कृषि में महिलाओं की स्थिति**				15	25
	कृषि के क्षेत्र में लैंगिक भेदभाव	**03**	**01**			
	कृषि में महिलाओं की सहभागिता और योगदान	**03**	**01**	01		
	किसान आत्महत्याओं का महिलाओं पर प्रभाव	**02**	**01**			
	ग्रामीण महिलाओं की आर्थिक चुनौतियां	02		**01**		

मॉड्यूल-4	**ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं हेतु प्रमुख प्रयास**				13	**21.33**
	ग्रामीण महिलाओं का सशक्तीकरण	**02**	**01**	01		
	भारत सरकार की विविध योजनाएं	**02**	**01**			
	गैर सरकारी संगठनों के कार्य	**02**	**01**			
	स्वयं सहायता समूह एवं लघु कुटीर उद्योग	**02**		**01**		
योग		**40**	12	**08**	**60**	**100**

टिप्पणी:

4. पाठयचर्या की आवश्यकतानुसार व्याख्यान, ट्यूटोरियल एवं संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला के अनुपात में परिवर्तन संभव।
5. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उपशीर्षक रखे जा सकते हैं।
6. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं

9. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित
विधियाँ	व्याख्यान, संवाद, प्रश्नोत्तरी, फिल्म, समूहचर्चा,सेमिनार
तकनीक	आई सी टी (**ICT**)
उपादान	MOODLE,LMS, YouTube,Film Screening

9.पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

10.पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य **1**	लक्ष्य **2**	लक्ष्य **3**	लक्ष्य **4**	लक्ष्य **5**	लक्ष्य **6**	लक्ष्य **7**	लक्ष्य **8**

पाठ्यचर्या द्वारानियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓

11. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

12. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र। सं।	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1 Menon, N. (1999). Women and Politics in India. New Delhi: Oxford. 2 Shakuntala, Shridhara.(2009).Women in Rural and Agricultural Development .Zaccheus Entertainment.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. जोशी, ग. (2006).भारत में स्त्री असमानता.नई दिल्ली: हिन्दी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय 2. साधना आर्य,&एवं अन्य. (2001). नारीवादी राजनीति . नई दिल्ली : हिंदीमाध्यम कार्यान्वय निदेशालय. 3. अग्रवाल, संगीता .कृषि में महिलाओं की भूमिका 4. साईनाथ,पी .(2009) तीसरी फसल .तीसरी दुनिया
3	ई-संसाधन	1. Malik, S., & Naeem, K. (2020). *Impact of COVID-19 Pandemic on Women: Health, livelihoods & domestic violence*. Sustainable Development Policy Institute. http://www.jstor.org/stable/resrep24350 2. Kgopotso Mokgope. (2000). The Mismatch between Land Policy and Improved Livelihood Opportunities for Women. *Agenda: Empowering Women for Gender Equity*, *46*, 82–87. https://doi.org/10.2307/4066284 3. HINZE, C. F. (2021). Gender and Economic Livelihood. In *Radical Sufficiency: Work, Livelihood, and a US Catholic Economic Ethic* (pp. 77–118). Georgetown University Press. https://doi.org/10.2307/j.ctv1gm00s7.7 4. Tacoli, C. (1998). *BRIDGING THE DIVIDE: RURAL-URBAN INTERACTIONS AND LIVELIHOOD STRATEGIES*. International

		Institute for Environment and Development. http://www.jstor.org/stable/resrep01719 5. Ho, E. Y. L. (2005). Women in India. In *Anita Desai* (pp. 20–42). Liverpool University Press. https://doi.org/10.2307/j.ctv5rf48b.7
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

घटक	घंटे
कक्षा/व्याख्यान	**40**
ट्यूटोरियल	12
संवाद कक्षा	08
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

1. **पाठ्यचर्या का नाम:** भूमंडलीकरण, बाजारवाद एवं स्त्री
   (Name of the Course): Globalization, Marketization and Women

2. **पाठ्यचर्या का कोड:** BAWS20
   (Code of the Course) BAWS20

3. **क्रेडिट(Credit):** 4
4. **चतुर्थ वर्ष**

5. **सेमेस्टर:**सप्तम सेमेस्टर **(Semester:** Seventh)

6. पाठ्यचर्या विवरण

भूमंडलीकरण का अध्ययन आम तौर पर एक ऐसी प्रक्रिया के रूप में किया जाता है, जो समाज के हर पहलू पर राष्ट्रों और लोगों को व्यापक रूप से प्रभावित करती है।भूमंडलीकरणके कारण महिलाओं पर कुछ सकारात्मक प्रभावों के साथ – साथ नकारात्मक प्रभाव भी देखने को मिलते हैं| भूमंडलीय व्यवस्था में स्त्री श्रम का शोषण हो रहा है, साथ ही साथ उसे उपभोक्तावाद, बाजारवाद आने के कारण स्त्रियों का बाजारीकरण, हिंसा जैसी अन्य चुनौतियों का सामना भी करना पड़ रहा है| इसको पढ़ने के बाद विद्यार्थी :-

1 भूमंडलीकरण कीपरिभाषा एवं संकल्पनासे परिचित होंगे|
2 भूमंडलीकरण,भारतीय समाज और महिलाओं पर पड़ने वाले प्रभाव से परिचित होंगे|
3 भूमंडलीकरण और बाज़ारवाद के अंतर्संबंधों से परिचित होंगे|
4 उपभोक्तावाद और बदलती पारिवारिक संरचना से परिचित होंगे|
5 स्त्रियों के खिलाफ बढ़ती हिंसा और मीडिया की भूमिका से परिचित होंगे|

7.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

CLO 1	बोध	• भूमंडलीकरण कीपरिभाषा एवं संकल्पनासे परिचित होंगे| • भूमंडलीकरण,भारतीय समाज और महिलाओं पर पड़ने वाले प्रभाव से परिचित होंगे|

		• भूमंडलीकरण और बाज़ारवाद केअंतर्सबंधों से परिचित होंगे|
CLO 2	ज्ञान	• उपभोक्तावाद और बदलती पारिवारिक संरचना से परिचित होंगे|
CLO 3	चिंतन	• स्त्रियों के खिलाफ बढ़ती हिंसा और मीडिया की भूमिका से परिचित होंगे|

8. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण		
मॉड्यूल-1	**भूमंडलीकरण कीसंकल्पना**				**14**	**23.33**
	भूमंडलीकरण:की संकल्पना	**02**	**01**			
	वैश्विक व्यवस्था के रूप में भूमंडलीकरण	**02**	**01**	01		
	भूमंडलीकरण का समाजशास्त्रीयपक्ष	**03**		01		
	भूमंडलीकरण और स्त्री की बदलती छवि	**02**	**01**			
मॉड्यूल- 2	**भूमंडलीकरण, भारतीय समाज और स्त्री**				**14**	**23.33**
	भूमंडलीकृत व्यवस्था में भारत	**02**	**01**			
	श्रम का भूमंडलीकरण	**03**		**01**		
	भूमंडलीकरण और स्त्री श्रम	**02**	**01**	**01**		
	अनौपचारिक क्षेत्र में स्त्री श्रम	**02**	**01**			
मॉड्यूल-3	**बाज़ारवाद व स्त्री**				**15**	**25**
	बाजारवाद : एक परिचय	**03**	**01**			
	भूमंडलीकरण और बाज़ारवाद	**02**	**01**	**01**		
	बाजार के बीच स्त्री	**02**	**01**			
	स्त्री देह का बाजार	**03**		**01**		
मॉड्यूल-4	**बाजार, उपभोक्तावाद और भारतीय समाज**				**17**	**28.33**
	इक्कीसवीं सदी में भारतीय गाँव : बदलते सत्ता-संबंध	**03**	**01**	01		
	उपभोक्तावाद और बदलती पारिवारिक संरचना	**03**	**01**			
	बाजार का विस्तार वाया मीडिया	**03**	**01**			
	स्त्रियों के खिलाफ बढ़ती हिंसा और मीडिया की भूमिका	**03**		**01**		
योग		**40**	12	**08**	**60**	**100**

टिप्पणी:

1. पाठयचर्या की आवश्यकतानुसार व्याख्यान, ट्यूटोरियल एवं संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला के अनुपात में परिवर्तन संभव।
2. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उपशीर्षक रखे जा सकते हैं।
3. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

9. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित
विधियाँ	व्याख्यान, संवाद, प्रश्नोत्तरी, फिल्म, समूहचर्चा,सेमिनार
तकनीक	आई सी टी (ICT)
उपादान	MOODLE,LMS, YouTube,Film Screening

10.पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य **1**	लक्ष्य **2**	लक्ष्य **3**	लक्ष्य **4**	लक्ष्य **5**	लक्ष्य **6**	लक्ष्य **7**	लक्ष्य **8**
पाठ्यचर्या द्वारानियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓

11. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

12. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/ पाठ्य ग्रंथ	1. Abney, David, and Arancha González Laya. (2018). "This Is Why Women Must Play a Greater Role in the Global Economy. " *World Economic Forum*. 2. Bayes, Jane H. , and NayerehTohidi, (eds).(2001). *Globalization, Gender and Religion: The Politics of Implementing Women's Rights in Catholic and Muslim Contexts*. New York: Palgrave. 3. Hutton, Will, and Anthony Giddens. (2001). *On the Edge: Living with Global Capitalism*. London: Vintage. 4. Drache, Daniel, and Lesley A. Jacobs. 2015. Linking Global Trade and Human Rights: New Policy Space in Hard Economic Times. New York: Cambridge University Press. 5. Wacker, Konstantin M. , Arusha Cooray, and Isis Gaddis. 2012. "Globalization and Female Labor Force Participation in Developing Countries: An Empirical (Re-)Assessment. " *Courant Research Centre: Poverty, Equity and Growth - Discussion Papers* : 545–83.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. Erauw, Gregg. 2009. "Trading Away Women's Rights: a Feminist Critique of the Canada-Colombia Free Trade Agreement. " *The Canadian Yearbook of International Law*: 161–96. 2. Gaddis, Isis & Stephan Klasen. 2014. "Economic development, structural change, and women's labor force participation," *Journal of Population Economics* 27(3): 639-681. 3. Hornberger, Kusi, Joseph Battat, and Peter Kusek. 2011. "Attracting FDI: How Much Does Investment Climate Matter?" *The World Bank Group: Viewpoint*(327).

		4. Neumayer, Eric, and Indra De Soysa. (2011). "Globalization and the Empowerment of Women: An Analysis of Spatial Dependence via Trade and Foreign Direct Investment. " *World Development* 39(7): 1065–75. 5. Lemke, Jayme S.(2016). "Interjurisdictional Competition and the Married Women's Property Acts. " *Public Choice* 166(3-4): 291–313. 6. Ouedraogo, Rasmané, and Elodie Marlet. (2018). "Foreign Direct Investment and Women Empowerment: New Evidence on Developing Countries. " *IMF*. (November 17, 2018). 7. Rees, R. ,Riezman, R. G.(2012). Globalization, gender and growth. *Review of Income and Wealth* 58(1):107–117 8. Ricardo, David. (1821). *On the Principles of Political Economy and Taxation*. London: John Murray. 9. Richards, David L.,andRonald,Gelleny. (2007). "Women's Status and Economic Globalization. " *International Studies Quarterly* 51(4): 855–76. 10. Stanton, Elizabeth Cady, and Lucretia Mott. 1997. "Modern History Sourcebook: The Declaration of Sentiments, Seneca Falls Conference, 1848. " *Internet History Sourcebooks*. https://sourcebooks. fordham. edu/mod/Senecafalls. asp (November 14, 2018).
3	ई-संसाधन	1. https://wwwǀrachanakarǀorg/2015/06/blog-post_83ǀhtml 2. https://wwwǀapnimaatiǀcom/2022/03/blog-post_72ǀhtml 3. http://gadyakoshǀorg/gk/%E0%A4%AD%E0%A5%82%E0%A4%AE%E0%A4%82%E0%A4%A1%E0%A4%B2%E0%A5%80%E0%A4%95%E0%A4%B0%E0%A4%A3_%E0%A4%95%E0%A5%87_%E0%A4%B8%E0%A5%8D%E0%A4%A4%E0%A5%8D%E0%A4%B0%E0%A5%80_%E0%A4%AA%E0%A5%8D%E0%A4%B0%E0%A4%B6%E0%A5%8D%E0%A4%A8_/_%E0%A4%AA%E0%A5%8D%E0%A4%B0%E0%A4%AD%E0%A4%BE_%E0%A4%96%E0%A5%87%E0%A4%A4%E0%A4%BE%E0%A4%A8_/_%E0%A4%AA%E0%A5%83%E0%A4%B7%E0%A5%8D%E0%A4%A0_1 4. Kingfisher, C. (2002). Introduction: The Global Feminization of Poverty. In C. Kingfisher (Ed.), *Western Welfare in Decline: Globalization and Women's Poverty* (pp. 3–12). University of Pennsylvania Press. http://www.jstor.org/stable/j.ctt3fhwvt.3 5. Kremer, M. (2006). Globalization of Labor Markets and Inequality. *Brookings Trade Forum*, 211–228. http://www.jstor.org/stable/25063209
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

घटक	घंटे
कक्षा/ व्याख्यान	**40**
ट्यूटोरियल	12
संवाद कक्षा	08
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

1. **पाठ्यचर्या का नाम:** भारत में महिलाओं के संवैधानिक एवं विधिक अधिकार
   (Name of the Course): Constitutional and statutory rights of women in India
2. **पाठ्यचर्या का कोड:** BAWS21
   (Code of the Course) BAWS21
3. **क्रेडिट(Credit):** 4
4. **चतुर्थ वर्ष**
5. **सेमेस्टर:**सप्तम **(Semester:** Seventh)

6.पाठ्यचर्या विवरण

यह पाठ्यचर्या विद्यार्थियों को संविधान का आधारभूत ज्ञान उपलब्ध कराने के साथ महिलाओं के हित में बनाए गए कानूनोंऔर उनकी आवश्यकता को केंद्र में रखकर बनाई गई है। इस पाठ्यचर्या से विद्यार्थी समाज के हाशियाग्रस्त समाज के प्रमुख हिस्से महिलाओं के जीवन में उनके हित में बने कानूनों के निर्मित होने की पूरी यात्रा को समझेंगे। इसके अतिरिक्त इन कानूनों के आने के बाद महिलाओं के जीवन और समाज में आए बदलाव के बारे में ज्ञान प्राप्त करेंगे। इसको पढ़ने के बाद विद्यार्थी :-

1. विद्यार्थी संविधान के बारे में आधारभूत ज्ञान प्राप्त करेंगे।
2. विद्यार्थी संविधान निर्माण में महिलाओं की भूमिका के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे।
3. विद्यार्थी आज़ादी से पहले औरआज़ादी के बाद में महिलाओं के हित में बने कानूनों की आवश्यकता और निर्माण के लिए किये गए प्रयासों के बारे में जानेंगे।
4. राजनैतिक प्रक्रियाओं में महिलाओं की भूमिका से परिचित होंगे।

7.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

CLO 1	बोध	• संविधान के बारे में आधारभूत ज्ञानप्राप्त करेंगे। • संविधान निर्माण में महिलाओं की भूमिका के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे।
CLO 2	ज्ञान	• आज़ादी से पहले और आज़ादी के बाद में महिलाओं के हित में बने कानूनों की आवश्यकता और निर्माण के लिए किये गए प्रयासों के बारे में जानेंगे।
CLO 3	चिंतन	• राजनैतिक प्रक्रियाओं में महिलाओं की भूमिका से परिचित होंगे।

8.पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण		
मॉड्यूल-1	**भारतीय संविधान**				**17**	**28.33**
	मौलिक अधिकारों की संकल्पना	**03**	**01**	01		
	संविधान के नीति निर्देशक तत्व	**03**	**01**			
	संविधान निर्माण में महिलाओं की भूमिका	**03**		01		
	संवैधानिक मूल्य एवं जेंडर न्याय	**03**	**01**			
मॉड्यूल- 2	**वैधानिक प्रावधानों की समझ**				**17**	**28.3**
	कानून की भूमिका	**03**	**01**			
	जेंडर समानता का अधिकार	**03**		**01**		
	वैधानिक प्रावधानों के समक्ष चुनौतियां	**03**	**01**			
	वैधानिक प्रावधान एवं स्त्री सशक्तिकरण	**03**	01	01		
मॉड्यूल-3	**महिला विषयक वैधनिक प्रावधान**				**13**	**21.66**
	उत्तराधिकार अधिनियम	**02**	**01**			
	गर्भपात अधिनियम	**02**	**01**	01		
	समान परिश्रमिक अधिनियम	**02**	**01**	01		
	महिला आर्थिक अधिनियम	**02**		01		
मॉड्यूल-4	**राजनैतिक प्रक्रियाओं में महिलाओं की भूमिका**				**13**	**21.66**
	73^{वा} संविधान संशोधन	**02**	**01**	01		
	पंचायती राज व्यवस्था एवं महिलायें	**02**	**01**			
	संसदीय व्यवस्था में स्त्री प्रतिनिधित्व	**02**				
	प्रमुख स्त्री प्रतिनिधित्व	**02**	01	**01**		
योग		**40**	12	**08**	**60**	**100**

टिप्पणी:

1. पाठयचर्या की आवश्यकतानुसार व्याख्यान, ट्यूटोरियल एवं संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला के अनुपात में परिवर्तन संभव।
2. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उपशीर्षक रखे जा सकते हैं।
3. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

9. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित
विधियाँ	व्याख्यान, संवाद, प्रश्नोत्तरी, फिल्म, समूहचर्चा,सेमिनार
तकनीक	आई सी टी (ICT)
उपादान	MOODLE,LMS, YouTube,Film Screening

10.पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य **1**	लक्ष्य **2**	लक्ष्य **3**	लक्ष्य **4**	लक्ष्य **5**	लक्ष्य **6**	लक्ष्य **7**	लक्ष्य **8**
पाठ्यचर्या द्वारानियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓

11. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

12.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**

1	आधार/ पाठ्य ग्रंथ	1. भारत का संविधान https://legislative.gov.in/sites/default/files/Constitution%20%20of%20India_Hindi.pdf 2. Haldar Devarati,Jaishankar H. (2016)Cyber Crime against Women in India.New Delhi: Sage Publication 3. कुमार, र. (2014).स्त्री संघर्ष का इतिहास .नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन. 4. चंद्र, स. (2012).रखमाबाई स्त्री अधिकार और कानून .नई दिल्ली : राजकमल प्रकाशन. 5. रॉय, अनुपमा .(2017).नागरिकता का स्त्री पक्ष. नई दिल्ली :वाणी प्रकाशन.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. Chorine, C., Desai, M., & Gonsalves, C. (1999). Women and the Law. Bombay: Socio Legal Information Centre. 2. Cossman, B. and R.Kapur (eds.) (1996).Subversive Sites. New Delhi: Sage. 3. Ghadially, R. (1988). Women in Indian Society. New Delhi: Sage. 4. Hasan, Z. (ed.). (1994)Forging Identities: Gender, Communities and the State. New Delhi: Kali for Women. 5. Menon, N. (1999). Women and Politics in India. New Delhi: Oxford. 6. Menon, N. (2004). Recovering Subversion: Feminist Politics Beyond the Law, New Delhi: Permanent Black. 7. Sarkar, S., & Sarkar, T. (2011). Women and Social Reform in Modern India Vol.1. New Delhi: Permanent Black. 8. Sangari, K. (1999) Politics of the Possible, New Delhi, Tulika, Sinha, C. (2012). Debating Patriarchy. New Delhi: Oxford. 9. Sunder Rajan, R. (2004). The Scandal of the State: Women, Law and Citizenship in Postcolonial India, New Delhi: Permanent Black. 10. Thakkar, N. D. (2003). Women in Indian Socity. New Delhi: NBT. 11. Agnes, F. (2001). Law and Gender Inequality. New Delhi: Oxford. 12. Agnes, F. (2011). Family laws and Constitutional Claims. New Delhi: Oxford 13. Sinha,Chitra(2012) Debating SocietyOxordPree: New delhi 14. जोशी, ग. (2006).भारत में स्त्री असमानता.नई दिल्ली: हिन्दी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय.
3	ई-संसाधन	1) http://ncwapps.nic.in/frmLLawsRelatedtoWomen.aspx 2) https://www.jagori.org/sites/default/files/publication/Hum%20Sabla%20May%20to%20June%202009.pdf **3)** https://www.jagori.org/sites/default/files/publication/Hum-Sabla-for-Web_6-10-2012.pdf
4	अन्य	बंसल अवनि , हमारा संविधान https://www.youtube.com/playlist?list=PLzia1qLN9v2CvSqPUWQ_0RsNsCsF_he-e

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1. **पाठ्यचर्याका नाम:**शोध प्रविधि
   (NameoftheCourse) Research Methodology

2. **पाठ्यचर्याकाकोड:**BAWS22
   (CodeoftheCourse)

3. **क्रेडिट (Credit):** 04
4. **चतुर्थ वर्ष**
5. **सेमेस्टर:**अष्टम (**Semester:** Eighth)

घटक	घंटे
कक्षा/व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल	12
संवाद कक्षा	08
कुल क्रेडिटघंटे	60

6. **पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course):**

सामाजिक विज्ञान के विद्यार्थियों के लिए शोध प्रविधि का ज्ञान होना अत्यंत महत्वपूर्ण है। शोध प्रविधि का तात्पर्य है किसी समस्या पर अनुसंधान करने की प्रक्रिया में उसके व्यवहारगत एवं तकनीकी पहलूओं से परिचित होना। अर्थात् उसकी प्रविधि, तकनीक एवं सिद्धांतों की सही समझ होना । इस पाठ्यचर्या के अन्तर्गत विद्यार्थियों को शोध प्रविधि के सम्पूर्ण पक्षों से अवगत कराया जाएगा ताकि वे शोध की अधुनातक प्रविधियों एवं प्रवृतियों से परिचित हो सकें एवंएक सार्थक शोध की दिशा में बढ़ सकें। इसको पढ़ने के बाद विद्यार्थी :-

1. विद्यार्थी शोध की संकल्पना से परिचित होंगे।
2. शोध के सैद्धांतिक एवं तकनीकी पहलूओं को समझ सकेंगे।
3. सामाजिक विज्ञान शोध प्रविधि एवं स्त्रीवादी शोध प्रविधि में अंतर को समझेंगे।
4. स्त्रीवादी शोध प्रविधि और उसके आवश्याक तत्वों पर जानकारी प्राप्त करेंगे।

7.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

CLO 1	बोध	• शोध की संकल्पना से परिचित होंगे। • शोध के सैद्धांतिक एवं तकनीकी पहलूओं को समझ सकेंगे।
CLO 2	ज्ञान	• सामाजिक विज्ञान शोध प्रविधि एवं स्त्रीवादी शोध प्रविधि में अंतर को समझेंगे।
CLO 3	चिंतन	• स्त्रीवादी शोध प्रविधि और उसके आवश्याक तत्वों पर जानकारी प्राप्त करेंगे।

8.पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents ofthe Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण		
मॉड्यूल-1	**प्रविधि**				**15**	**25**
	शोध की संकल्पना	**03**	**01**	01		
	शोध की विशेषताएं	**03**	**01**			
	शोध के उद्देश्य	**02**		01		

	विभिन्न प्रकार	**02**	**01**			
मॉड्यूल- 2	**शोध के विविध चरण**				**15**	**25**
	समस्या चयन की प्रविधि	**02**	**01**			
	साहित्य का पुनरावलोकन	**03**		**01**		
	शोध के स्त्रोंतों का संकलन	**03**	**01**			
	आंकड़ा विश्लेषण की प्रविधि	**02**		01		
मॉड्यूल-3	**शोध की विभिन्न प्रविधियां**				**15**	**25**
	वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक शोध	**03**	**01**			
	अनुप्रयुक्त एवं तात्विक शोध	**03**	**01**	**01**		
	परिमाणात्मक एवं शोध	**02**	**01**	**01**		
	अवधारणात्मक एवं आनुभविक शोध	**02**				
मॉड्यूल-4	**शोध लेखन की प्रक्रिय**				**15**	**25**
	शोध की नैतिकता एवं साहित्यिक कदाचार	**03**		01		
	वैज्ञानिक शोध प्रविधि	**02**	**01**			
	संक्षेपिका का निर्माण	**03**	**01**			
	शोध प्रतिवेदन का लेखन की प्रविधि	**02**	01	**01**		
योग		**40**	12	**08**	**60**	**100**

टिप्पणी:

1. पाठयचर्या की आवश्यकतानुसार व्याख्यान, ट्यूटोरियल एवं संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला के अनुपात में परिवर्तन संभव।
2. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उपशीर्षक रखे जा सकते हैं।
3. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

9. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित
विधियाँ	व्याख्यान, संवाद, प्रश्नोत्तरी, फिल्म, समूहचर्चा,सेमिनार
तकनीक	आई सी टी (**ICT)**
उपादान	MOODLE,LMS, YouTube,Film Screening

10. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाममैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य **1**	लक्ष्य **2**	लक्ष्य **3**	लक्ष्य **4**	लक्ष्य **5**	लक्ष्य **6**	लक्ष्य **7**	लक्ष्य **8**
पाठ्यचर्या द्वारानियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	✓	✗	✗	✗	✓

11. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

12. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र। सं।	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/ पाठ्य ग्रंथ	1. Fred N. Kerlinger. (2015). Foundations of BehavoiuralResearch.New Delhi: Surjeet. 2. Harding. Sandra. (1987).Feminism and methodology.Indiana University Press, 3. Reinharz, Shulamith. (1992). Feminist Methods in Social Research.Oxford :Oxford University Press, 4. राम आहूजा. (2003).सामाजिक सर्वेक्षण एवं अनुसंधान. जयपुर : रावत .
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. Denzin N.and Y. Lincoln (eds.).(2000). Handbook of Qualitative Research. California:Sage Publications, 2. Harding, Sandra.(1993).Rethinking Standpoint Epistemology: What is strong Objectivity, Alcoff Linda and other Feminist Epistemologies. Routledge 3. Jaggor,Allison.(2008). JustMethods. Paradigm Publishers, 4. Fonow, Mary Margaret, Cook, Judith.(Ed.).(1991).A,Beyond Methodology. Indiana :Indiana University Press, 5. Keller, E. F. and H. Longino.(1996). Feminism and Science. Oxford:Oxford University Press.

		6. Krishnaraj,Maithreyi.(2005). Research in Women Studies: Need for a Critical Appraisal, Economic and Political Weekly. 7. Lal,Jayati. (1999).Situating Locations: Biberhessesharlene and other,The Politics of self Identity and "other" in Living and Writing the Text, Feminist Approaches to Theory and Methodology . Oxford 8. Laxmi C. S.(2000). Songs and their Singers. New Delhi:Kali for Women. 9. Laxmi C. S.(2003).Mirrors and Gestures. . New Delhi:Kali for Women. 10. S Anandhi, Velayudhan Meera, Rethinking Feminist Methodologies, EPW
3	ई-संसाधन	1. https://www.youtube.com/watch?v=aomHmLuEQnY&ab_channel=Vidya-mitra 2. https://www.youtube.com/watch?v=B8Uz_0trUPo&ab_channel=Vidya-mitra 3. RegeSharmila, Dalit Women Talk Differently: A Critique of 'Difference' and Towards a Dalit Feminist Standpoint Position:, Economic and Political Weekly, Vol Ι 33, No Ι 44 (Oct Ι 31 - Nov Ι 6, 1998), pp Ι WS39-WS46 , URL: http://www Ι jstor Ι org/stable/4407323 4. ANDREWS, B. W. (2016). RESEARCH METHODOLOGY. *Counterpoints*, *502*, 15–21. http://www.jstor.org/stable/45157386 5. Dibden, J. (2019). Research Methodology. In *Drawing in the Land: Rock Art in the Upper Nepean, Sydney Basin, New South Wales* (Vol. 49, pp. 71–86). ANU Press. http://www.jstor.org/stable/j.ctvdjrrj4.11 6. Groenewold, G., & Lessard-Phillips, L. (2012). Research methodology. In M. Crul, J. Schneider, & F. Lelie (Eds.), *The European Second Generation Compared: Does the Integration Context Matter?* (pp. 39–56). Amsterdam University Press. http://www.jstor.org/stable/j.ctt46mz12.6
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

6. पाठ्यचर्या का नाम: सामाजिक चिंतन में स्त्रियाँ

(Name of the Course): Women in Social Thought

7. पाठ्यचर्या का कोड: BAWS23

(Code of the Course) BAWS23

घटक	घंटे
कक्षा/ व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल	12
संवाद कक्षा	08
कुल क्रेडिट घंटे	60

8. **क्रेडिट(Credit):** 4

9. **चतुर्थ वर्ष**

10. **सेमेस्टर:**अष्टम सेमेस्टर **(Semester:** Eight)

6. पाठ्यचर्या विवरण

इस पाठ्यचर्या से विद्यार्थी महत्वपूर्ण सामाजिक चिंतकों के विचारों से परिचित हो सकेंगे। प्रस्तुतपाठ्यचर्या में महत्वपूर्ण ग्रीक सामाजिक चिंतकों के महिला संबंधी विचारों का समावेश किया गया है। इसके अतिरिक्त प्राचीन ग्रंथों में महिलाओं की सामाजिक स्थिति को समझने का प्रयास इस पाठ्यक्रम में किया गया है। उक्त पाठ्यक्रम में आधुनिक सामाजिक चिंतकों की स्त्री विषयक दृष्टिकोण को भी समझने का भी प्रयास किया गया है। इस पाठ्यचर्या में विद्यार्थी अग्रणी भारतीय चिंतकों के स्त्री विषयक विचारों से अवगत होंगें। इसको पढ़ने के बाद विद्यार्थी :-

5. विद्यार्थी सामाजिक चिंतकों के महिला संबंधी विचारोंको समझ सकेंगे।
6. अरस्तु, प्लेटो, रूसो एवं लॉक के चिन्तिन में स्त्री विषयक विचारों का मूल्यांकनकर सकेंगे।
7. जे. एस. मिल, गांधी, फुले, पेरियार, अम्बेडकर, सर सैय्यद अहमद आदि में स्त्री विषयक विचारों का मूल्यांकनकर सकेंगे।
8. श्रम का लैंगिक विभाजन एवं अवमूल्यन से परिचित हो सकेंगे।

7.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)

CLO 1	बोध	• विद्यार्थी सामाजिक चिंतकों के महिला संबंधी विचारोंको समझ सकेंगे। • अरस्तु, प्लेटो, रूसो एवं लॉक के चिन्तिन में स्त्री विषयक विचारों का मूल्यांकनकर सकेंगे।
CLO 2	ज्ञान	• जे. एस. मिल, गांधी, फुले, पेरियार, अम्बेडकर, सर सैय्यद अहमद आदि में स्त्री विषयक विचारों का मूल्यांकनकर सकेंगे।
CLO 3	चिंतन	• श्रम का लैंगिक विभाजन एवं अवमूल्यन से परिचित हो सकेंगे।

8. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (**Contents of theCourse**)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण		
मॉड्यूल-1	**तार्किकता, तर्क एवं जेंडर अस्मिता**				**14**	**23.33**
	अरस्तु के चिन्तन में स्त्री	**02**	**01**	01		
	प्लेटो के चिन्तन में स्त्री	**02**	**01**			
	मनुस्मृति में स्त्री	**03**	**01**	01		

	अर्थशास्त्र में स्त्री	**02**				
मॉड्यूल- 2	**चेतना, अधिकार एवं समानता**				**15**	**25**
	रूसो के चिन्तन में स्त्री	**02**	**01**			
	लॉक के चिन्तन में स्त्री	**02**		**01**		
	जे. एस. मिलके चिन्तन में स्त्री	**03**	**01**			
	गांधी के चिन्तन में स्त्री	**03**	**01**	**01**		
मॉड्यूल-3	**श्रम का लैंगिक विभाजन एवं अवमूल्यन**				**15**	**25**
	मार्क्स के चिन्तन में स्त्रियां	**03**	**01**	**01**		
	परिवार, निजी सम्पत्ति और राज्य की उत्पत्ति	**03**	**01**			
	लोहिया के चिन्तन में स्त्री	**02**	**01**	**01**		
	वोल्गा से गंगा/संस्कृति के चार अध्याय	**02**				
मॉड्यूल-4	**निम्नवर्गीय प्रसंग**				**16**	**26.66**
	फुले में चिन्तन में नारी	**03**	**01**	01		
	पेरियार के चिन्तन में नारी	**03**	**01**			
	अम्बेडकर के चिन्तन में नारी	**03**	**01**	01		
	सर सैय्यद अहमद में चिन्तन में नारी	**02**				
योग		40	12	**08**	**60**	**100**

टिप्पणी:

4. पाठयचर्या की आवश्यकतानुसार व्याख्यान, ट्यूटोरियल एवं संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला के अनुपात में परिवर्तन संभव।
5. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उपशीर्षक रखे जा सकते हैं।
6. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

9. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित

विधियाँ	व्याख्यान, संवाद, प्रश्नोत्तरी, फिल्म, समूहचर्चा,सेमिनार
तकनीक	आई सी टी (ICT)
उपादान	MOODLE,LMS, YouTube,Film Screenimg

10.पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य **1**	लक्ष्य **2**	लक्ष्य **3**	लक्ष्य **4**	लक्ष्य **5**	लक्ष्य **6**	लक्ष्य **7**	लक्ष्य **8**
पाठ्यचर्या द्वारानियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	✓	✓	✗	✗	✓

11. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

12.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र। सं।	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**

1	आधार/ पाठ्य ग्रंथ	5. University of Notre Dame, & Mill, John Stuart,1806-1873. (n.d.). *Early essays by John Stuart Mill*. London : George Bell and Sons. https://jstor.org/stable/community.32823326 6. आर्य,साधना, मेनन, निवेदिता, लोकनीता,जिनी.(2011). नारीवादी राजनीति: संघर्ष एवं मुद्देहिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय. 7. कुमार, र. (2014).स्त्री संघर्ष का इतिहास .नई दिल्ली : वाणी . 8. Communist Party, Karl Marx, & Friedrich Engels. (n.d.). *Manifesto of the Communist Party*. https://jstor.org/stable/al.sff.document.boo00000000.026.021.000a
2	संदर्भ-ग्रंथ	5. V. Geetha. (1998). Periyar, Women and an Ethic of Citizenship. *Economic and Political Weekly*, *33*(17), WS9–WS15. 6. VIJAYA, K. (1993). ROLE OF WOMEN IN SELF-RESPECT MOVEMENT. *Proceedings of the Indian History Congress*, *54*, 591–597. 7. Gopal Guru. (1995). Dalit Women Talk Differently. *Economic and Political Weekly*, *30*(41/42), 2548–2550. 8. Omvedt, G. (1971). Jotirao Phule and the Ideology of Social Revolution in India. *Economic and Political Weekly*, *6*(37), 1969–1979.
3	ई-संसाधन	6. Annas, J. (1976). Plato's "Republic" and Feminism. *Philosophy*, *51*(197), 307–321. http://www.jstor.org/stable/3749607 7. Calvert, B. (1975). Plato and the Equality of Women. *Phoenix*, *29*(3), 231–243. https://doi.org/10.2307/1087616 8. Asha Jayant, &Rothermund, I. (1989). Women, Emancipation and Equality. *Economic and Political Weekly*, *24*(30), 1722–1723. http://www.jstor.org/stable/4395143 9. Halder, D., & Jaishankar, K. (2008). PROPERTY RIGHTS OF HINDU WOMEN: A FEMINIST REVIEW OF SUCCESSION LAWS OF ANCIENT, MEDIEVAL, AND MODERN INDIA. *Journal of Law and Religion*, *24*(2), 663–687. http://www.jstor.org/stable/25654333 10. NORVELL, L. (1997). GANDHI AND THE INDIAN WOMEN'S MOVEMENT. *The British Library Journal*, *23*(1), 12–27. http://www.jstor.org/stable/42554439
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

घटक	घंटे

कक्षा/व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल	12
संवाद कक्षा	08
कुल क्रेडिटघंटे	60

1. **पाठ्यचर्याका नाम:** स्त्री एवं साहित्य
   (Name of the Course): Women and Literature
2. **पाठ्यचर्याकाकोड:** BAWS028
   (Code of the Course)

3. **क्रेडिट(Credit):** 4
4. **पचंम वर्ष**
5. **सेमेस्टर:**नवम सेमेस्टर **(Semester:** Ninth)

6. पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course):

स्त्री अध्ययन के इस पाठ्यचर्या के अंतर्गत विद्यार्थी स्त्री एवं साहित्य के अंतर्संबंधों से परिचित हो सकेंगेहिंदी में स्त्री प्रश्न पर मौलिक लेखन आज भी काफी कम मात्रा में मौजूद है। स्त्री विमर्श की सैद्धांतिक अवधारणाओं एवं साहित्य में प्रचलित स्त्री विमर्श की प्रस्थापनाओं की भिन्नता या एकांगीपन के संदर्भ में पहला प्रश्न यह उठता है कि हिंदी साहित्य जगत में स्त्री विमर्श के मायने क्या हैं साहित्य, जिसे कथा, कहानी, आलोचना, कविता इत्यादि मानवीय संवेदनाओं की वाहक विधा के रूप में देखा जाता है वह दलित, स्त्री, अल्पसंख्यक तथा अन्य हाशिए के विमर्शों को किस रूप में चित्रित करता है? साहित्य अपने यर्थाथवादी होने के दावे के बावजूद क्या स्त्री विमर्श की मूल अवधारणाओं को रेखांकित कर उस पर आम जन के बीच किसी किस्म की संवेदना को विकसित कर पाने में सफल हो पाया है? स्त्री के प्रश्न हाशिए के नहीं बल्कि जीवन के केंद्रीय प्रश्न हैं। किंतु हिंदी साहित्य की मुख्यधारा जिसे वर्चस्वशाली पुरुष लेखन भी कहा जा सकता है, में स्त्री प्रश्नों अथवा स्त्री मुद्दों की लगातार उपेक्षा की जाती रही है। इसका अर्थ यह नहीं है कि स्त्री अथवा स्त्री प्रश्न सिरे से गायब हैं बल्कि यह है कि स्त्री की उपस्थिति या तो यौन वस्तु (Sexual object) के रूप में है।साहित्य की पितृसत्तात्मक परंपरा में लगातार स्त्री प्रश्नों का हास होतादिख रहा है। स्त्री विमर्श को देह केंद्रित विमर्श के समकक्ष रखकर स्त्री-विमर्श चलाने के दायित्वों का निर्वाह किया रहा है। इस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी इन समस्त पहलूओं को सूक्ष्मता से समझ सकेंगे। इसको पढ़ने के बाद विद्यार्थी :-

1. विद्यार्थी सामाजिक जीवन एवं साहित्य में अंतर्निहित पितृसत्तात्मक विचारधाराओं को समझ सकेंगे।
2. विद्यार्थी प्रस्तुतीकरण तथा प्रतिनिधित्व के सिद्धंत से परिचित होंगे।
3. विभिन्न साहित्यिक कृतियों की स्त्रीवादी समीक्षा कर सकेंगे।
4. भारतीय महाकाव्यों में स्त्रियों की उपस्थिति एवं अवस्थिति से परिचित होंगे।
5. भातीय दर्शन की भक्ति एवं सूफी परंपरा में स्त्री संतों का इतिहास जान सकेंगे
6. आधुनिक हिंदी साहित्य की विभिन्न विधाओं में स्त्रियों की उपस्थिति एवं उनके प्रतिरोधी स्वर से परिचित होंगे।

7.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

CLO 1	बोध	• सामाजिक जीवन एवं साहित्य में अंतर्निहित पितृसत्तात्मक विचारधाराओं को समझ सकेंगे। • प्रस्तुतीकरण तथा प्रतिनिधित्व के सिद्धंत से परिचित होंगे। • विभिन्न साहित्यिक कृतियों की स्त्रीवादी समीक्षा कर सकेंगे। • भारतीय महाकाव्यों में स्त्रियों की उपस्थिति एवं अवस्थिति से परिचित होंगे।
CLO 2	ज्ञान	• भातीय दर्शन की भक्ति एवं सूफी परंपरा में स्त्री संतों का इतिहास जान सकेंगे
CLO 3	चिंतन	• आधुनिक हिंदी साहित्य की विभिन्न विधाओं में स्त्रियों की उपस्थिति एवं उनके प्रतिरोधी स्वर से परिचित होंगे।

8.पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण		
मॉड्यूल-1	**स्त्री एवं साहित्य का अंतर्संबंध**				17	**28.33**
	साहित्य एवं समाज	04	**01**	**01**		
	साहित्य, समाज एवं स्त्री	**03**	**01**			
	साहित्यिक कृतियों में पितृसत्ता	03		**01**		
	प्रस्तुतीकरण और प्रतिनिधित्व का सिद्धांत	**02**	**01**			
मॉड्यूल- 2	**महाकाव्यों में स्त्री**				**13**	**21.66**
	सीता की गाथा	**02**	**01**			
	शकुन्तला की गाथा	02		**01**		
	माधवी की गाथा	02	**01**			
	पंच कन्याएं	**02**	01	**01**		
मॉड्यूल-3	**साहित्य में स्त्री प्रतिनिधित्व**				15	25
	प्रेमचंद केलेखन में स्त्री	03	**01**	**01**		
	फणीश्वरनाथ रेणु केलेखन में स्त्री	02	**01**			
	राही मासूम रज़ा केलेखन में स्त्री	**02**	**01**			
	ओमप्रकाश वाल्मीकि केलेखन में स्त्री	03		01		
मॉड्यूल-4	**स्त्री रचित साहित्य**				15	25
	आशापूर्णा देवी: प्रथम प्रतिश्रुति	**02**		01		
	महादेवीवर्मा का स्त्री विमर्श	03	**01**			
	कृष्णा सोबती की रचनाओं में स्त्री	02	**01**			
	निर्मला पुतुलकी दलित एवं आदिवासी स्त्रियां	03	01	**01**		
योग		**40**	12	**08**	**60**	**100**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एकसे अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित
विधियाँ	व्याख्यान, संवाद, प्रश्नोत्तरी, फिल्म, समूहचर्चा,सेमिनार

तकनीक	आई सी टी (**ICT**)
उपादान	MOODLE,LMS, YouTube,Film Screenimg

10.पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य **1**	लक्ष्य **2**	लक्ष्य **3**	लक्ष्य **4**	लक्ष्य **5**	लक्ष्य **6**	लक्ष्य **7**	लक्ष्य **8**
पाठ्यचर्या द्वारानियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	✓	✗	✗	✗	✓

11. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

12.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्रा सं।	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**

1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. चतुर्वेदी,जगदीश्वर.(2000).स्त्रीवादी साहित्य विमर्श. नई दिल्ली:अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीबूटर्स. 2. अनामिका.(2000).स्त्री विमर्श का लोकपक्ष. नई दिल्ली: वाणी प्रकाशन. 3. अग्रवाल,रोहिणी.(...). साहित्य की जमीन और स्त्री- मन के उच्छवास.नई दिल्ली:वाणी प्रकाशन. 4. सिंह ,सुधा.(2008).ज्ञान का स्त्रीवादी पाठ. नई दिल्ली: वाणी प्रकाशन. 5. Tharu, Susie and K. Lalita, eds. (1991). Women Writing in India 1, 600 B. C. to the Early Twentieth Century. New York, NY: Feminist Press.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. नवजागरण, स्त्री - प्रश्न और आचरण पुस्तकें, गरिमा श्रीवास्तव , हिंदी समया डॉटकॉम 2. साहित्य की स्त्री दृष्टि, रोहिणी अग्रवाल, हिंदी समय डॉट कॉम 3. हिंदी साहित्य में स्त्री विमर्श एवं समकालीन चुनौतियाँ, सुप्रिया पाठक, हिंदी समय डॉट कॉम 4. पाण्डेय,भवदेव.(1999).बंग महिला: नारी मुक्ति का संघर्षनयी दिल्ली : वाणी प्रकाशन. 5. रुस्तगी,मंजू.(2015).अनामिका का काव्य: आधुनिक स्त्री विमर्श.नई दिल्ली:वाणी प्रकाशन.
3	ई-संसाधन	1. HEILBRUN, C. G. (2012). [1981] Women, Men, Theories, and Literature. *Profession*, 87–95. http://www.jstor.org/stable/41714140 2. Saito, R. (2010). Writing in Female Drag: Gendered Literature and a Woman's Voice. *Japanese Language and Literature*, *44*(2), 149–177. http://www.jstor.org/stable/41151372 3. Karp, A., Marwah, S., & Manchanda, R. (2015). *Unheard and Uncounted: Violence against Women in India*. Small Arms Survey. http://www.jstor.org/stable/resrep10686 4. Trounstine, J. (2015). Changing Women's Lives Through Literature. *The Women's Review of Books*, *32*(3), 27–29. https://www.jstor.org/stable/26433096 5. HEILBRUN, C. G. (2012). [1981] Women, Men, Theories, and Literature. *Profession*, 87–95. http://www.jstor.org/stable/41714140

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

घटक	घंटे

कक्षा/ व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल	12
संवाद कक्षा	08
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

1. **पाठ्यचर्या का नाम:** जेंडर, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन
   (Name of the Course): Gender, Environment and Climate Change

2. **पाठ्यचर्या का कोड:** BAWS29
   (Code of the Course) BAWS29

3. **क्रेडिट(Credit): 04**

4. **पंचम वर्ष**

5. **सेमेस्टर:**दशम सेमेस्टर **(Semester:** Tenth**)**

6. पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को पर्यावरण और तकनीकी प्रगति के क्षेत्र में हो रहे परिवर्तनों और महिलाओं पर इसके प्रभाव से परिचित कराना है। प्रस्तुत पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को नारीवादी दृष्टिकोण से पर्यावरणीय मुद्दों की समझ विकसित करने में सहायता करना है। पाठ्यचर्या का उद्देश्य परिस्थितिकी, पर्यावरणीय संकट एवं स्त्री, पर्यावरणीय नारीवाद के विभिन्न आयामों को समझना है। इसके अतिरिक्त इस पाठ्यचर्या में सतत विकास की अवधारणा, पर्यावरण के संरक्षण में महिलाओं की भूमिका पर विस्तृत बात की गईहै।इसको पढ़ने के बाद विद्यार्थी :-

1. विद्यार्थी परिस्थितिकी एवं पर्यावरण संबंधी विचारों को समझ सकेंगे
2. पर्यावरणीय संकट एवं स्त्री, पर्यावरणीय नारीवाद के विभिन्न आयामों को समझ सकेंगे।
3. विद्यार्थी पर्यावरण के संरक्षण से संबंधितपरिस्थितिकी नारीवादी आंदोलनों के महत्व से अवगत होंगें।
4. विद्यार्थी पर्यावरण के संरक्षण से संबंधित समकालीन बहसों सेपरिचित हो सकेंगे।

7.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

CLO 1	बोध	• परिस्थितिकी एवं पर्यावरण संबंधी विचारों को समझसकेंगे। • पर्यावरणीय संकट एवं स्त्री, पर्यावरणीय नारीवाद के विभिन्न आयामों को समझ सकेंगे।
CLO 2	ज्ञान	• पर्यावरण के संरक्षण से संबंधितपरिस्थितिकी नारीवादी आंदोलनों के महत्व से अवगत होंगें।
CLO 3	चिंतन	• पर्यावरण के संरक्षण से संबंधित समकालीन बहसों सेपरिचित हो सकेंगे।

8. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण		
मॉड्यूल-1	**पृथ्वी पर जीवन**				16	**26.66**
	परिस्थितिकी: जीवन की उत्पत्ति एवं विकास	**03**	**01**	**01**		
	परिस्थितिकी तंत्र : जैव विविधता	**03**	**01**			
	परिस्थितिकी संकट	**02**		**01**		

	परिस्थितिकी एवं स्त्री : अन्तरसंम्बन्ध	03	**01**			
मॉड्यूल- 2	**स्त्री एवं पर्यावरण**				**15**	**25**
	देशज ज्ञान परंपरा एवं स्त्री	**02**	**01**			
	पर्यावरणीय नारीवाद के आयाम	**03**		**01**		
	पर्यावरणीय संकट एवं स्त्री	**03**	**01**			
	भूसंसाधनों पर स्त्रीस्वामित्व	**02**	01	**01**		
मॉड्यूल-3	**प्रमुख पर्यावरणीय प्रयास**				15	25
	सतत विकास की अवधारणा	**03**	**01**			
	सहस्त्रबादी विकास लक्ष्य	02	**01**			
	क्योटो प्रोटोकाल/वियना क्राँफ्रेस/ पृथ्वी शिखर सम्मेलन	03	**01**	**01**		
	पर्यावरणीय सम्बन्धी संवैधानिक प्रावधान	02		01		
मॉड्यूल-4	**प्रमुख पर्यावरणीय आंदोलन एवं नेतृत्व**				14	23.33
	चिपकोआंदोलन	**02**	**01**	01		
	नर्मदा आंदोलन	**02**	**01**			
	भोपाल गैस त्रासदी	02	**01**			
	ग्रीन बेल्ट आंदोलन	**02**		**01**		
योग		**40**	12	**08**	**60**	**100**

टिप्पणी:

1. पाठयचर्या की आवश्यकतानुसार व्याख्यान, ट्यूटोरियल एवं संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला के अनुपात में परिवर्तन संभव।
2. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उपशीर्षक रखे जा सकते हैं।
3. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

9. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित
विधियाँ	व्याख्यान, संवाद, प्रश्नोत्तरी, फिल्म, समूहचर्चा,सेमिनार
तकनीक	आई सी टी (**ICT**)
उपादान	MOODLE,LMS, YouTube,Film Screenimg

10.पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारानियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓

11. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

12.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/ पाठ्य ग्रंथ	1. Agarwal, Bina, (1992) The Gender and Environment Debate: Lessons from India. Feminist Studies, Spring. 2. Armin, Rosencranz. (2002). Environmental Law and Policy in India: Cases, Material &Statutes.Oxford. 3. Datar, Chaya. (2011) Eco feminism Revisited, Introduction to the discourse. New Delhi: Rawat Publication 4. Mary E. John, Women's Studies in India: A Reader.New Delhi:Penguin Books India Pvt Ltd. 5. Vandana Shiva, (2010). Eco feminism.New Delhi:Rawat Publication. 6. Rangrajan, Mahesh, (2009) Environmental Issues in India: A Reader. New Delhi: Pearson Publication.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. R.K. (2008). Transformation: Feminist Pathways to Global Change An Analytical Anthology.London. Gadgil: . Paradigm Publishers.

		2. M. & Guha, R. (1995).Ecology And Equity: The Use and Abuse of Nature in Contemporary India. Routledge. 3. Guha, R. (1992). This Fissured Land: An Ecological History of India.India: OUP. 4. Guha, R. (1999). Environmentalism: A Global History. Penguin, India. Habib, I.: Man & Environment: The Ecological History of India: A People's History of India -36., New Delhi:TulikaBooks. 5. McNeill, J.R. et al. (eds.): Environmental History – As if Nature Existed. OUP, New Delhi. Rajgopalan, R. Environmental Studies from Crisis to Cure. N. Delhi: OUP. 6. Rangarajan, M. (ed.): Environmental Issues in India: A Critical Analysis – A Reader. N. Delhi: Pearson.
3	ई-संसाधन	1. Sustainable Development Solutions Network. (2012). *A Framework for Sustainable Development.* Sustainable Development Solutions Network. http://www.jstor.org/stable/resrep16082 2. Roberts, M. (2009). War, Climate Change, and Women. *Race, Poverty & the Environment*, *16*(2), 39–41. http://www.jstor.org/stable/41555167 3. CIFOR, & CGIAR. (2015). *Gender and climate change: Evidence and experience.* Center for International Forestry Research. http://www.jstor.org/stable/resrep01985 4. Karan, P. P. (1994). Environmental Movements in India. *Geographical Review*, *84*(1), 32–41. https://doi.org/10.2307/215779 5. Shiva, V., & Bandyopadhyay, J. (1986). The Evolution, Structure, and Impact of the Chipko Movement. *Mountain Research and Development*, *6*(2), 133–142. https://doi.org/10.2307/3673267
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

घटक	घंटे
कक्षा/ व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/	12
संवाद कक्षा	08
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

1. **पाठ्यचर्या का नाम:** नारीवादी सिद्धांत
   (Name of the Course): Feminist Theories
2. **पाठ्यचर्या का कोड:** BAWS32
   (Code of the Course) BAWS32
3. **क्रेडिट(Credit):** 4
4. **चतुर्थ वर्ष**
5. **सेमेस्टर:**अष्टमसेमेस्टर

(Semester: Eighth)

6. पाठ्यचर्या विवरण

प्रस्तुत पाठ्यचर्या समाज में स्त्री-पुरुष के मध्य व्याप्त सत्ता-सम्बन्धों के असंतुलन को समझने का सैद्धांतिक बोध पैदा करती है नारीवादी सैद्धांतिकी न केवलस्त्रियोंकी अधीनता को समझने का मार्ग प्रशस्त करती है वरन असमान सत्ता-सम्बन्धों को बदलने का ज्ञान भी उपलब्ध कराती है। नारीवादी सैद्धांतिकी का प्रमुख लक्ष्य उस ज्ञान उत्पादन से है जो स्त्रियों की मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करता है। नारीवाद समाज को देखने और समझने का एक वैश्विक दृष्टिकोण है। नारीवाद से आशय किसी एक विचार से नहीं है अपितु नारीवाद में कई सारी धाराएं हैं, जिनमें आपस में स्त्रियों की मुक्ति को प्राप्त करने के साधनों को लेकर पर्याप्त वैचारिक मत-मतांतरहैं।लेकिन सभीका साध्य 'स्त्री की मुक्ति' है।इस पाठ्यचर्या में नारीवाद की विभिन्न धाराओं पर विस्तार से चर्चा की गई है, जिससे विद्यार्थी नारीवादी सैद्धांतिकी एवं उनमें अंतर्निहितअंतरों को विस्तार से समझ सकेंगे।नारीवादी विचारों को भारतीय संदर्भ से जोड़कर देखना भी पाठ्यचर्या का प्रमुख उद्देश्य है। इसको पढ़ने के बाद विद्यार्थी :-

1. विद्यार्थी नारीवादी सिद्धांतों से परिचित होंगे।
2. वे नारीवादी सिद्धांतों को जानने के साथ-साथ दृष्टिबिंदु सिद्धांत के बारे में जानेंगे।
3. वे विभाजन, विस्थापन के स्त्रियों पर पड़ने वाले प्रभाव के साथ-साथ वास्तुकला के जेंडरगत स्वरूप को समझेंगे।
4. वे विभिन्न सिद्धांतों की पुर्नव्याख्या के बारे में भी जानेंगे।

7.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

CLO 1	बोध	• नारीवादी सिद्धांतों से परिचित होंगे। • नारीवादी सिद्धांतों को जानने के साथ-साथ दृष्टिबिंदु सिद्धांत के बारे में जानेंगे।
CLO 2	ज्ञान	• विभाजन, विस्थापन के स्त्रियों पर पड़ने वाले प्रभाव के साथ-साथ वास्तुकला के जेंडरगत स्वरूप को समझेंगे।
CLO 3	चिंतन	• विभिन्न सिद्धांतों की पुर्नव्याख्या के बारे में भी जानेंगे।

8. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण		
मॉड्यूल-1	**स्त्रीवाद की अवधारणा**				**15**	**25**
	स्त्रीवाद की परिभाषिकी	**03**	**01**	**01**		
	स्त्रीवाद का उद्देश्य	**03**	**01**			
	स्त्रीवाद का विकास : विभिन्न चरण	**02**		**01**		
	स्त्रीवाद एवं स्त्री अध्ययन	**02**	**01**			
मॉड्यूल- 2	**उदारवादी स्त्रीवाद**				**13**	**21.66**
	उदारवारी स्त्रीवाद की अवधारणा	**02**	**01**			

	प्रमुख मुद्दे	**02**		**01**		
	उदारवादी स्त्रीवादी चिंतक	02	**01**			
	आलोचना के बिंदु	**02**	**01**	**01**		
मॉड्यूल-3	**रेडीकल स्त्रीवाद**				**16**	**26.66**
	रेडीकल स्त्रीवाद की अवधारणा	**03**	**01**			
	प्रमुख मुद्दे	**03**	**01**	01		
	रेडीकल स्त्रीवादी चिंतक	03	**01**			
	आलोचना के बिंदु	02		**01**		
मॉड्यूल-4	**मार्क्सवादी-समाजवादी स्त्रीवाद**				16	**26.66**
	मार्क्सवादी-समाजवादी स्त्रीवादी की अवधारणा	**03**	**01**	01		
	प्रमुख मुद्दे	03	**01**			
	मार्क्सवादी-समाजवादी स्त्रीवादी चिंतक	**03**	**01**			
	आलोचना के बिंदु	**02**		**01**		
योग		**40**	12	**08**	**60**	**100**

टिप्पणी:

1. पाठयचर्या की आवश्यकतानुसार व्याख्यान, ट्यूटोरियल एवं संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला के अनुपात में परिवर्तन संभव।
2. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उपशीर्षक रखे जा सकते हैं।
3. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

9. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित
विधियाँ	व्याख्यान, संवाद, प्रश्नोत्तरी, फिल्म, समूहचर्चा,सेमिनार
तकनीक	आई सी टी (ICT)
उपादान	MOODLE,LMS, YouTube,Film Screenimg

10. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य **1**	लक्ष्य **2**	लक्ष्य **3**	लक्ष्य **4**	लक्ष्य **5**	लक्ष्य **6**	लक्ष्य **7**	लक्ष्य **8**

पाठ्यचर्या द्वारानियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓

11. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

12. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/ पाठ्य ग्रंथ	1. Tong,Rosemarie. (1998). Feminist Thought: AMore Comprehensive Introduction.Boulder: Westview Press. 2. Jaggar,AlisonM. (1971). Feminist Politics AndHuman Nature.New York: Harvest Press. 3. Engels,Frederich.(1948). Family, Private Property AndThe Origin OfThe State.Moscow:ProgressPublisher.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. Eisentetein,Zillah. (1979). Capitalist Patriracy AndThe Case For Socialist Feminism.New York: Monthly Review Press. 2. Beauvoir,SimoneDe. (2011). The Second Sex. London: Vintage 3. Millet,Kate.(1970). Sexual Politics. Columbia: Columbia University Press 4. Wollstonecraft,Mary. (2015). Vindication Of TheRights Of Women. London: Vintage Classic 5. Guru, Gopal.(1995). Dalit Women Speak Differently, Economic and Political Weekly, Volume 30, Oct- 14-21, 6. Davis, Angela Y. (2011) . Women Race And Class. New Delhi: Navayana 7. जोशी ,गोपा. (2011) . भारत में स्त्री असमानता. नई दिल्ली: हिन्दी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय

3	ई-संसाधन	1. Rhode, D. L. (1990). Feminist Critical Theories. *Stanford Law Review*, *42*(3), 617–638. https://doi.org/10.2307/1228887 2. Hawkesworth, M. (2012). Western Feminist Theories: Trajectories of Change. In J. H. Bayes (Ed.), *Gender and Politics: The State of the Discipline* (1st ed., pp. 199–220). Verlag Barbara Budrich. https://doi.org/10.2307/j.ctvddzq1d.12 3. Kiguwa, P. (2019). Feminist approaches: An exploration of women's gendered experiences. In S. Laher, A. Fynn, & S. Kramer (Eds.), *Transforming Research Methods in the Social Sciences: Case Studies from South Africa* (pp. 220–235). Wits University Press. http://www.jstor.org/stable/10.18772/22019032750.19 4. Homans, M. (1994). Feminist Fictions and Feminist Theories of Narrative. *Narrative*, *2*(1), 3–16. http://www.jstor.org/stable/20107020
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1. **पाठ्यचर्या का नाम:** नारीवादी शोध प्रविधि
   (Name of the Course): Feminist Research Methodology
2. **पाठ्यचर्या का कोड:** BAWS033
   (Code of the Course) BAWS033
3. **क्रेडिट(Credit):** 04
4. **पंचम वर्ष**
5. **सेमेस्टर:**दशम **(Semester:** Tenth**)**
6. **पाठ्यचर्या विवरण**

घटक	घंटे
कक्षा/ व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल	12
संवाद कक्षा	08
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

यह पाठ्यचर्या विद्यार्थियों के भीतर महिलाओं के मुद्दों पर शोध करने की जिज्ञासा पैदा करती है। इस पाठ्यचर्या के अध्ययन से सामाजिक विज्ञान शोध प्रविधि का तो बोध होता ही है, साथ ही साथ स्त्रीवादी शोध प्रविधि की भी विस्तृत जानकारी प्राप्त होती है। सामाजिक विज्ञान शोध प्रविधि की महिलाओं के मुद्दों पर काम करने की सीमाओं के कारण स्त्रीवादी शोध प्रविधि की अत्यंत आवश्यकता होती है। इस पाठ्यचर्या में दोनों को विस्तार से समझाया गया है। महिलाओं पर शोध की बड़ी चुनौती शोध अध्ययन सामग्री की होती है। इस पाठ्यचर्या में विधार्थी को शोध के लिए पारंपरिक सामग्री के साथ नए अभिलेखों का निर्माण करने की पद्धति का भी बोध होता है। इसके लिए विभिन्न आख्यानों, मौखिक साहित्य, मौखिक इतिहास, लोक कथाएँ, लोक गीत जैसे वैकल्पिक स्रोतों को शामिल किया गया है। महिलाओं के मुद्दों पर अभी भी गंभीर शोध का बेहद अभाव है। यह पाठ्यचर्या महिलाओं के मुद्दोंपर विद्यार्थियों को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ शोध करने के लिए तैयार करती है। इसको पढ़ने के बाद विद्यार्थी :-

1. विद्यार्थी नारीवादी शोध प्रविधि का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
2. महिलाओं के ऊपर और महिलाओं के लिए शोध की आवश्यकता की जानकारी प्राप्त करेंगे।
3. सामाजिक विज्ञान शोध प्रविधि एवं स्त्रीवादी शोध प्रविधि में अंतर को समझेंगे।
4. महिलाओं के लिए शोध के लिए सामग्री संकलन के साथ सामग्री निर्माण की भी जानकारी प्राप्त करेंगे।
5. शोध के प्रतिवेदन लेखन के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त करेंगे ।

7. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)

CLO 1	बोध	• नारीवादी शोध प्रविधि का ज्ञान प्राप्त करेंगे। • महिलाओं के ऊपर और महिलाओं के लिए शोध की आवश्यकता की जानकारी प्राप्त करेंगे। • सामाजिक विज्ञान शोध प्रविधि एवं स्त्रीवादी शोध प्रविधि में अंतर को समझेंगे।
CLO 2	ज्ञान	• महिलाओं के लिए शोध के लिए सामग्री संकलन के साथ सामग्री निर्माण की भी जानकारी प्राप्त करेंगे।
CLO 3	चिंतन	• शोध के प्रतिवेदन लेखन के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त करेंगे ।

8. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण		
मॉड्यूल-1	**समाजशास्त्रीय शोध प्रविधि**				**15**	**25**
	मुख्यधारा समाजशास्त्रीय शोध-प्रविधि:-कारण, प्रभाव एवं परिकल्पना, समस्या चयन	**03**	**01**	01		
	शोध के प्रकार , प्रमुख आकड़ों के स्त्रोत: परिमाणात्मक और गुणात्मक	**02**	**01**			
	निदर्शन	**02**	**01**			
	आँकड़ा संकलनः प्राथमिक एवं द्वितीयक आँकड़ा संकलन केउपकरण एवं प्रविधि	**03**	**01**			
मॉड्यूल- 2	**नारीवादी शोध प्रविधि**				15	25
	शोध में सत्ता/शक्ति की समस्या	**02**	**01**	**01**		

	स्त्रीवादी शोध प्रविधि : प्रमुख मुद्दे	**03**	**01**			
	स्त्रीवादी शोध की तकनीकें	**03**	**01**			
	वस्तुनिष्ठता एवं व्यक्तिनिष्ठता,	**02**	**01**			
मॉड्यूल-3	**नए तथ्यों के उत्पादन के वैकल्पिक स्त्रोत**				**15**	**25**
	नए अभिलेख (संग्रह) बनाना, स्त्री लेखन और प्रतिआख्यानों का महत्त्व	03	01	01		
	मौखिक आख्यान और मौखिक इतिहास	02	01			
	लोक कथाएँ	02	01			
	नारीवादी सृजनात्मकता का दृश्य एवं अभिनयात्मक प्रस्तुतीकरण	03	01			
मॉड्यूल-4	**प्रतिवेदन लेखन**				**15**	**25**
	शोध प्रारूप लेखन	02	01	01		
	शोध प्रपत्र लेखन एवं प्रस्तुतीकरण	03	01	01		
	शोध प्रबंध लेखन	03	01			
	संदर्भ सूची	**02**				
योग		**40**	12	**08**	**60**	**100**

टिप्पणी:

1. पाठयचर्या की आवश्यकतानुसार व्याख्यान, ट्यूटोरियल एवं संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला के अनुपात में परिवर्तन संभव।
2. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उपशीर्षक रखे जा सकते हैं।
3. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

9. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित
विधियाँ	व्याख्यान, संवाद, प्रश्नोत्तरी, फिल्म, समूहचर्चा,सेमिनार
तकनीक	आई सी टी (**ICT**)
उपादान	MOODLE,LMS, YouTube,Film Screenimg

10.पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारानियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	✓	✓	✗	✗	✓

11. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):
सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

12.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Text books/Reference/Resources)

क्र। सं।	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/ पाठ्य ग्रंथ	1. Singhe,MaithreeWickrama.(2010), F.R.M. : Making meanings of meaning waking, Front Ledge 2. Ramazanoglu, Caroline.(1989) .Feminism and the Contradictions of Oppression, Routledge. 3. Tong Rosemarie.(1998).Feminist Thought: AMore Comprehensive Introduction, Boulder: Westview Press. 4. प्रमार , शुभ्रा . (2015).नारीवादी सिद्दांत एवं व्यवहार हैदराबाद:ओरिएंट ब्लैकस्वान,

2	संदर्भ-ग्रंथ	1. Foertsch, J. (2000). The Circle of Learners in a Vicious Circle: Derrida, Foucault, and Feminist Pedagogic Practice. *College Literature*, *27*(3), 111–129. http://www.jstor.org/stable/25112539 2. Ropers-Huilman, R., & Winters, K. T. (2011). Feminist Research in Higher Education. *The Journal of Higher Education*, *82*(6), 667–690. http://www.jstor.org/stable/41337166 3. Kiguwa, P. (2019). Feminist approaches: An exploration of women's gendered experiences. In S. Laher, A. Fynn, & S. Kramer (Eds.), *Transforming Research Methods in the Social Sciences: Case Studies from South Africa* (pp. 220–235). Wits University Press. http://www.jstor.org/stable/10.18772/22019032750.19
3	ई-संसाधन	1. Frances Montell. (1999). Focus Group Interviews: A New Feminist Method. *NWSA Journal*, *11*(1), 44–71. http://www.jstor.org/stable/4316628 2. Margaret Fonow, M., & Cook, J. A. (2005). Feminist Methodology: New Applications in the Academy and Public Policy. *Signs*, *30*(4), 2211–2236. https://doi.org/10.1086/428417 3. Atkinson, J. D. (2017). Qualitative Methods. In *Journey into Social Activism: Qualitative Approaches* (pp. 65–98). Fordham University Press. http://www.jstor.org/stable/j.ctt1hfr0rk.6 4. Hall, B. L. (1992). From Margins to Center? The Development and Purpose of Participatory Research. *The American Sociologist*, *23*(4), 15–28. http://www.jstor.org/stable/27698620 5. Cook, J. A. (1983). AN INTERDISCIPLINARY LOOK AT FEMINIST METHODOLOGY: IDEAS AND PRACTICE IN SOCIOLOGY, HISTORY, AND ANTHROPOLOGY. *Humboldt Journal of Social Relations*, *10*(2), 127–152. http://www.jstor.org/stable/23262322
4	अन्य	